- बढ़ते प्रदूषण को लेकर वकील से न्यायाधीश ने कहा- अदालत में वर्चुअल पेश हों अधिवक्ता - 12

- दो योजनाओं को दी गई मंजूरी पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- निर्यात पर लिए गए फैसले से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी - 12

- अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो बोले- दिल्ली विस्फोट आतंकी घटना, भारत कर रहा है बहुत सतर्क जांच - 13

- पहले टेस्ट में भारत स्पिन संतुलन पर कर रहा विचार - 14

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.34

सूर्यास्त 05.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी 12:50 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 14 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 355, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

देशभर में 32 कारों से थी धमाके की साजिश

दिल्ली ब्लास्ट इसी साजिश का हिस्सा, दो-दो के समूहों में 4 शहरों में आईईडी लेकर जाना था | उमर नबी चला रहा था विस्फोट करने वाली कार, डीएनए परीक्षण से हुई पुष्टि

- तीसरी संदिग्ध कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली धमाके को लेकर जांच एजेंसियों ने बड़ी साजिश का खुलासा किया है। संदिग्ध आतंकियों ने सीरियल ब्लास्ट की योजना बनाई थी, 32 कारों में बम लगाने की तैयारी थी। आरोपियों की साजिश दो-दो के समूहों में चार शहरों में जाने की थी। प्रत्येक समूह अपने साथ कई आईईडी ले जाने वाला था। जांच में खुलासा हुआ है कि डॉक्टर उमर 6 दिसंबर को बाबरी विध्वंस की बरसी पर दिल्ली में मुंबई के 2008 के 26/11 जैसे हमले को अंजाम देने की फिराक में था।

वहीं लाल किले के पास सोमवार को हुए विस्फोट में घायल एक व्यक्ति की यहां एलएनजेपी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे इस विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान बिलाल के रूप में की गई है।

जांच एजेंसी के मुताबिक डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि विस्फोट करने वाली कार उमर नबी चला रहा था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उमर की मां के डीएनए नमूने मंगलवार को एकत्र किए गए और जांच के लिए यहां भेजे गए। एक सूत्र ने कहा, डीएनए के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि वास्तव में उमर ही विस्फोट में इस्तेमाल कार चला रहा था। उमर इस सप्ताह की शुरुआत में पर्दाफाश किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का एक प्रमुख सदस्य था। वही, तीसरी संदिग्ध कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली, जिसे डॉ शाहीन चलाती थी।

नई दिल्ली। लाल किले के पास हुए विस्फोट मामले में साक्ष्य जुटाते पुलिस कर्मी। ● एजेंसी

विस्फोटक सामग्री खरीदने के लिए 26 लाख जमा किए थे

नई दिल्ली। सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए डॉक्टरों ने लाल किले के पास विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्री खरीदने के लिए 26 लाख रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई थी। एक अधिकारी ने बताया कि चार संदिग्धों - डॉ मुजम्मिल गनई, डॉ अदील अहमद राथर, डॉ शाहीन सईद और डॉ उमर नबी ने मिलकर नकद राशि जमा की थी, जिसे सुरक्षित रखने और परिचालन उपयोग के लिए डॉ उमर को सौंप दिया गया था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी और हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ उमर सोमवार शाम को लाल किले के व्यस्त इलाके में हुए विस्फोट में इस्तेमाल हुंदै आई20 कार चला रहा था। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह धनराशि एक बड़ी आतंकी साजिश के लिए थी। जमा की गई इस राशि से उन्होंने कथित तौर पर गुरुग्राम, नूंह और आसपास के शहरों से लगभग 3 लाख रुपये मूल्य का लगभग 26 क्विंटल एनपीके खाद खरीदा था। अधिकारियों ने बताया कि अन्य रसायनों के साथ मिश्रित इस उर्वरक का इस्तेमाल आमतौर पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने में किया जाता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि समूह द्वारा इतनी बड़ी मात्रा में खाद की खरीद, जांच में एक अहम सुराग बन गई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय लेन-देन और आपूर्ति रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। सूत्रों ने यह भी बताया कि विस्फोट से पहले के दिनों में उमर और मुजम्मिल के बीच धन के लेन-देन को लेकर मतभेद था।

फर्जी निकला अल फलाह विवि

- एआईयू ने अल फलाह विवि की सदस्यता निलंबित की
- वेबसाइट पर मान्यता के झूठे दावे पर नैक ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने गुरुवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला के नजदीक हुए कार धमाके के बाद जांच के घेरे में आए अल फलाह विश्वविद्यालय की सदस्यता निलंबित कर दी गई है। एआईयू सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक सोसाइटी है और इसके सदस्य भारतीय विश्वविद्यालय हैं।

एआईयू की महासचिव पंकज मित्तल ने कहा, यह सूचित किया जाता है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के उपनियमों के अनुसार, सभी विश्वविद्यालयों को तब तक सदस्य माना जाएगा, जब तक वे मानकों का अनुकरण करते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, संज्ञान में आया है कि अल फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा ने मानकों के अनुकूल कार्य नहीं किया है।

वहीं, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने अल-फलाह विश्वविद्यालय को अपनी वेबसाइट पर गलत मान्यता प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नैक एक स्वायत्त सरकारी निकाय है जो महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन और प्रमाणन करता है। कारण बताओ नोटिस में एनएएसी ने कहा कि उसने पाया है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय, जो न तो मान्यता प्राप्त है और न ही उसने एनएएसी द्वारा मान्यता के लिए आवेदन किया है, ने अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट का एक प्रयास है।

थीमा स्विस संचार एप के जरिए संपर्क में थे आतंकी

नई दिल्ली। फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय से जुड़े तीन डॉक्टर, जो सोमवार शाम लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट के लिए जांच के घेरे में हैं, 'थीमा' नामक एक स्विस संचार एप के जरिए लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने बताया कि तीनों संदिग्धों डॉ. उमर उन नबी, डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन शाहिद - ने कथित तौर पर इस एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप का इस्तेमाल आतंकी साजिश से जुड़ी अपनी गतिविधियों की योजना बनाने और समन्वय करने के लिए किया था। सोमवार को विस्फोट वाली कार चलाने वाला उमर और उसकी टीम ने फरीदाबाद से जब्त की गई एक लाल इकोस्पोर्ट कार का इस्तेमाल अमोनियम नाइट्रेट के परिवहन और भंडारण के लिए किया था। सूत्रों ने उमर को मॉड्यूल का सबसे कट्टरपंथी सदस्य और सभी आरोपी डॉक्टरों के बीच सेतु बताते हुए कहा कि मुजम्मिल व आतंकी साजिश से जुड़ी गिरफ्तारी के बाद उसने अपने फोन बंद कर दिए और संपर्क तोड़ दिए।

विवि से संबंधित रिकॉर्ड के फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश, ईडी करेगी धन के लेन-देन की जांच

नई दिल्ली। सरकार ने दिल्ली विस्फोट के बाद चर्चा में आए अल फलाह विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसके अलावा सरकार ने ईडी और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों से हरियाणा स्थित इस संस्थान में धन के लेन-देन की जांच करने को भी कहा है। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद ये निर्णय लिए गए। बैठक में लालकिले के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट की जारी जांच की प्रगति की डेढ़ घंटे तक समीक्षा की गई। अल फलाह विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट करने का आदेश जारी किया गया है। हरियाणा में फरीदाबाद जिले के धौज स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय एक निजी संस्थान है, जिसके परिसर में एक अस्पताल भी है। हरियाणा नंबर वाली जिस कार में विस्फोट हुआ, उसे डॉक्टर उमर नबी चला रहा था। वह राष्ट्रीय राजधानी के पास फरीदाबाद स्थित विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत था। जांच एजेंसियों ने विश्वविद्यालय से जुड़े तीन चिकित्सकों को हिरासत में लिया है।

दिल्ली में दाखिल होते व मस्जिद जाते दिखा उमर

नई दिल्ली। विस्फोट का एक नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें उस दिन मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर नबी को बदरपुर बॉर्डर टोल प्लाजा से दिल्ली में प्रवेश करते हुए और बाद में रामलीला मैदान के नजदीक एक मस्जिद के पास टहलते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बदरपुर टोल प्लाजा के फुटेज में उमर को विस्फोट के दिन 10 नवंबर को एक सफेद हुंदै आई20 कार चलाते हुए और सुबह 8.02 बजे टोल गेट पर रुकते हुए देखा जा सकता है। कार कुछ देर के लिए रुकती है व उमर नकदी निकालता है और आगे बढ़ने से पहले उसे टोल ऑपरेटर को सौंप देता है।

तलाक के बाद बदली डॉ. शाहीन की जिंदगी

कानपुर। सुरक्षा एजेंसियां धमाके की कड़ियां जोड़ने कानपुर पहुंची तो जैश-ए-मोहम्मद महिला विंग की कमांडर डॉ. शाहीन का कनेक्शन व कॉन्टैक्ट भी सामने आए। एनआईए और एटीएस ने चार थानाक्षेत्रों में पड़ताल की। नौ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पड़ताल के दौरान ही डीएम कार्डियोलॉजी के छात्र डॉ. मो. आरिफ का नाम सामने आया। जिसके फ्लैट की जांच की और उसे अरेस्ट कर लिया। इसी बीच डॉ. शाहीन की जीएसवीएम कालेज में लेक्चरर के दौरान गतिविधियां, पति, बच्चे, कन्नौज तबादला। उसके बाद में पति व दोनों बच्चों को छोड़कर जाने और मुजम्मिल के संपर्क की बात भी सामने आई।

ब्रीफ न्यूज

यूपी बार काउंसिल के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया आज से

प्रयागराज। प्रदेश में यूपी बार काउंसिल के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 14 नवंबर से शुरू होगी। बार कौंसिल के सचिव व चुनाव अधिकारी राम किशोर शुक्ल ने बताया कि इस बार दो लाख 49 हजार 808 मतदाता कौंसिल के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए मताधिकार का प्रयोग करेंगे। नामांकन प्रक्रिया 19 नवंबर तक होगी। नामांकन पत्रों की जांच 20 व 21 नवंबर को व नाम वापसी 27 नवंबर तक होगी। प्रत्याशियों की अंतिम सूची 28 नवंबर तक दी जायेगी। मतदान चार चरणों में होगा। पहला चरण 16 व 17 जनवरी को और दूसरा चरण 20 व 21 जनवरी को तीसरा 27 व 28 जनवरी को होगा। चौथा चरण 30 व 31 जनवरी को होगा।

देश की पहली डिजिटल जनगणना का परीक्षण

तिरुवनंतपुरम। देश की पहली डिजिटल जनगणना का परीक्षण केरल में शुरू हो गया। इस राज्य के पलक्कड़, एर्नाकुलम और इडुक्की ज़िलों में आयोजित इस परीक्षण का उद्देश्य डिजिटल जनगणना के देशव्यापी कार्यान्वयन से पहले इसमें किसी भी समस्या का पता लगाना और उसका समाधान करना है। 1948 के जनगणना अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह कवायद 2027 की जनगणना की तैयारियों के पहले चरण का प्रतीक है।

टैंक-रोधी मिसाइलों की खरीद के लिए अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2,095 करोड़ रुपये का समझौता किया है। इस अनुबंध के तहत भारतीय सेना के लिए अत्याधुनिक टैंक-रोधी मिसाइलों की खरीद की जाएगी। सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इन मिसाइलों की खरीद की जा रही है।

अब पढ़े-लिखे लोगों में भी आतंकवाद की प्रवृत्ति : आनंदीबेन

दीक्षांत समारोह में संबोधित करती राज्यपाल।

- विश्वविद्यालयों में शिक्षक ऐसी शिक्षा दें कि छात्रों के चार-पांच अंक भले कम आएं पर देशभक्ति का जज्बा भरा होना चाहिए
- रुहेलखंड विवि के दीक्षांत समारोह में दिल्ली की हाल की आतंकवादी घटना पर बोलीं राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: दिल्ली में आतंकवादी घटना से हर कोई दहला हुआ है। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में दिल्ली आतंकी घटना का जिक्र करते हुए समारोह की अध्यक्ष कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दें कि उनके चार-पांच अंक भले ही कम आएं, लेकिन उनके हृदय और देशभक्ति कूट-कूटकर भरी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है जब आतंकवादी प्रवृत्ति यानि घटना में पढ़े-लिखे लोग शामिल हुए हैं। दिल्ली धमाकों में डॉक्टर, इंजीनियर, अकाउंटेंट शामिल हैं। आतंकवादी घटना में शामिल लोगों ने क्या पढ़ा और क्या पढ़ाया गया, इसका न शिक्षक को पता चला और न ही सरकार को। यह सोचने वाली बात है। अच्छा हुआ कि पुलिस ने समय रहते विस्फोटक पकड़ लिया। इन लोगों की तो मंशा पूरे देश को दहलाने की थी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वह पढ़ाते होंगे, लैब में प्रयोग कराते होंगे। उनके सामने भी कोई ऐसा छात्र होगा जो लैब में प्रयोग कर भविष्य में इस तरह की आतंकी घटना को अंजाम देने के बारे में सोच रहा होगा।

उन्होंने कहा कि हमें ऐसे लोगों पर नजर रखनी होगी। हमें चारों ओर और सभी की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी ताकि वह ऐसा न कर सकें। हमें ऐसी शिक्षा देनी होगी कि छात्रों में देशभक्ति का जज्बा कूट-कूट कर भरे। हमें आतंकियों से लड़ना है और देश को बचाना है। सोशल मीडिया पर देश के खिलाफ तरह-तरह के वीडियो बनाए जा रहे हैं। दुनिया के कई देशों को पसंद नहीं है कि भारत आगे बढ़ जाए, इसलिए आतंकवादी घटनाएं कराकर उसकी प्रगति रोकने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों को इन सबके खिलाफ तैयार करना होगा।

धन शोधन में जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौड़ गिरफ्तार

नई दिल्ली। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की कार्रवाई में जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौड़ को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने आरोपी को ईडी की पांच दिन की हिरासत में भेज दिया। घर खरीदारों के साथ 14,599 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में यह कार्रवाई हुई है। ईडी ने दिन में गौड़ को गिरफ्तार किया था। उन्हें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा के समक्ष पेश किया गया।

ईडी ने आरोप लगाया कि आवासीय परियोजनाओं के निर्माण और पूरा होने के लिए हजारों घर खरीददारों से एकत्रित धनराशि को निर्माण के अलावा अन्य उद्देश्यों में इस्तेमाल किया गया, जिससे खरीददारों के साथ धोखाधड़ी हुई और उनकी परियोजनाएं अधूरी रह गईं। अदालत में सुनवाई के दौरान ईडी के वकील अतुल त्रिपाठी ने दलील दी कि दो कंपनियों जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) और जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) ने क्रमशः जेपी विशटाउन और जेपी ग्रीन्स (नोएडा और ग्रेटर नोएडा) में आवासीय परियोजनाओं के निर्माण और पूरा करने के लिए 33,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र की।

बिहार में किसकी बनेगी सरकार फैसला आज, दलों ने की समीक्षा

पटना, एजेंसी

बिहार में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को सुबह से ही आने शुरू हो जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी। मतगणना के दौरान किसी भी असंवैधानिक स्थिति से निपटने के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है।

इस बीच, राजनीतिक दलों ने भी परिणाम को लेकर गहन समीक्षा की। मतगणना से एक दिन पहले राजनीतिक दलों ने अपने स्तर से स्थिति की व्यापक समीक्षा की और आगे की रणनीति को लेकर मंथन किया। इस बीच, पूरे राज्य में निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या बिहार में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रिकॉर्ड पांचवां कार्यकाल हासिल कर पाएंगे। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ता और जनता मतगणना के दौरान किसी भी असंवैधानिक गतिविधि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पोस्टल बैलेट (डाक मतपत्र) की गिनती सबसे पहले शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से ईवीएम की मतगणना शुरू की जाएगी। पोस्टल बैलेट की गिनती संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर या असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर की उपस्थिति में उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों के सामने होगी। बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर मतगणना के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। हर क्षेत्र के लिए एक रिटर्निंग ऑफिसर और एक काउंटिंग ऑब्जर्वर तैनात रहेगा। परिणामों

- मतगणना के दौरान किसी भी असंवैधानिक स्थिति से निपटने की तैयारी पूरी

टोरंटो से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। कनाडा के टोरंटो से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान में बम होने की धमकी भरा संदेश मिलने के बाद अधिकारियों को सुरक्षा अलर्ट जारी करना पड़ा।

विमान राष्ट्रीय राजधानी में सकुशल उतर गया। सुबह दिल्ली पुलिस को एक संदेश मिला जिसमें दावा किया गया कि उड़ान संख्या एआई188 को बम से उड़ाए जाने का खतरा है। इसके बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) का गठन किया गया। यह आकलन किया गया कि खतरा 'अविशिष्ट' था। सूत्रों ने बताया कि यह संदेश सुबह करीब 11.30 बजे प्राप्त हुआ, जब बोइंग 777 विमान हवा में था और दिल्ली से चार घंटे से अधिक की दूरी पर था।

प्रेरणा | इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ढोल-नगाड़ों संग जनजाति भागीदारी उत्सव शुरू

भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे भगवान बिरसा मुंडा : योगी

- मुख्यमंत्री योगी ने गिनाई जनजातियों के लिए विकास कार्यों की उपलब्धियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा केवल एक जनजातीय नायक ही नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के अग्रदूतों में से एक थे। 'अपना देश-अपना राज' का उनका नारा ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष का आधार बना। उनका बलिदान भारतीय जनजातियों को स्वाभिमान और स्वतंत्रता की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जनजाति भागीदारी उत्सव की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी स्मृति में 15 नवंबर को 'जनजाति गौरव दिवस' घोषित किया है, जिससे देशभर में जनजातीय इतिहास को सम्मान मिल रहा है। योगी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रभाव अब जनजातीय समुदाय में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस भर्ती में इस वर्ष एसटी वर्ग की सभी सीटें उनके ही समुदाय से भरी गईं, जो उनके बढ़ते शिक्षा स्तर और सामाजिक सहभागिता का प्रमाण है। सरकार ने थारू, मुसहर, चेरो, बुक्सा, सहरिया, कोल, गौड़ आदि जनजातियों को सभी योजनाओं के दायरे में लाने के लिए मिशन मोड में अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री ने ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ जनजाति भागीदारी उत्सव का आनंद उठाया। बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

जनजातीय बहुल 517 गांवों का हुआ विकास

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि बिजनौर सहित कई जिलों में बुक्सा समुदाय के परिवारों को आवास, विद्युत, पेयजल, मोबाइल टावर, वनधन केंद्र जैसी सुविधाएं तेजी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य के 517 जनजातीय बहुल गांवों को चिह्नित कर उन्हें आधार कार्ड, जनधन खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम उज्ज्वला, जीवन ज्योति बीमा, पीएम किसान सम्मान निधि सहित हर योजना से जोड़ा गया है। वनाधिकार अधिनियम के तहत 23,430 जनजातीय परिवारों को भू-अधिकार पत्र, 9 आश्रम पद्धति विद्यालय और चार जिलों में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय हैं।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

बिना परमिट पेड़ कटने पर हंगामा

निगोही, अमृत विचार : नरायनपुर गांव में गुरुवार को बिना परमिट पेड़ कटने पर विवाद हो गया। ग्रामीणों ने बताया यह पेड़ ब्रहमदेव की पूजा-अर्चना में प्रयोग होता था। ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति काटे जाने पर ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया। सूचना पर थाना निगोही प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह मौके पर पहुंचे और उपस्थित ग्रामीणों को शांत कराया। पुलिस ने बताया कि पेड़ कटने की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। विभागीय कार्रवाई के बाद मामले में आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

शाहजहांपुर की बुशरा को मिला गोल्ड मेडल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के दीक्षांत समारोह में शाहजहांपुर की छात्रा बुशरा को एमबीए मार्केटिंग में यूनिवर्सिटी टॉप करने के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने समारोह में उपस्थित होकर बुशरा को गोल्ड मेडल और उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार भी मौजूद रहे। बुशरा ने एमबीए मार्केटिंग में 75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। मोहल्ला गढ़ी गाड़ीपुरा निवासी मोहम्मद याकूब कुरैशी और कुलसुम की बेटी बुशरा पहले भी शैक्षणिक उपलब्धियों में आगे रही है। उसने जीएफ कॉलेज से बीबीए में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद बुशरा ने बताया कि वह आगे चलकर अपने पिता के बिजनेस को विकसित करने में सहयोग करना चाहती है। उसकी सफलता पर परिवार और कॉलेज शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

घरेलू विवाद में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

तिलहर, अमृत विचार : गुरुवार को घरेलू विवाद के बाद एक विवाहित महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। घटना सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है। महिला को बेहोशी की स्थिति में देखकर परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। सीएचसी में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण महिला को तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि विवाद के बाद महिला ने अचानक यह कदम उठा लिया था। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर उसकी स्थिति पर निगरानी बनाए हुए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि महिला की निगरानी की जा रही है। उसकी हालत में तेजी से सुधार देखा जा रहा है।

एडीएम ने तीन वाहन किए सीज, 10 का चालान

मानकविहीन वाहनों पर एआरटीओ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, सुरक्षा उपकरणों और दस्तावेजों में कई कमियां उजागर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में प्राइवेट स्कूलों की ओर से संचालित मानकविहीन वाहनों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सघन अभियान शुरू किया है। गुरुवार सुबह एडीएम वित्त अरविंद कुमार ने स्वयं स्कूली समय में सड़कों पर उतरकर वैन, बसों और ई-रिक्शों की जांच अभियान का नेतृत्व किया। सुबह 6.30 बजे शुरू हुए अभियान में एआरटीओ प्रशासन सर्वेश कुमार सिंह, सीओ ट्रैफिक और टीएसआई की टीम शामिल रही।

एडीएम ने बरेली मोड़, कांट और शहर क्षेत्र में चल रहे स्कूली वाहनों की गहनता से जांच की। जांच के दौरान कई सारे वाहन निर्धारित मानकों के विपरीत पाए गए। सुरक्षा उपकरणों की कमी, बच्चों की क्षमता से अधिक सवारी, दस्तावेजों में अनियमितताएं और फिटनेस की कमी जैसे मामलों पर अधिकारियों ने सख्ती दिखाते हुए तीन स्कूली वाहन सीज कर दिए और 10 का चालान किए और सभी वाहनों को सुरक्षा के निर्देश दिए। एडीएम अरविंद कुमार ने साफ कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर इसमें लापरवाही स्वीकार नहीं होगी।

उन्होंने परिवहन विभाग और पुलिस टीम को निर्देश दिए कि आगे यदि कोई वाहन बिना फिटनेस या मानकों के विरुद्ध मिलता है, तो वाहन स्वामी और चालक दोनों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी के बाद एडीएम वित्त अरविंद कुमार अपनी पत्नी सौम्या के साथ सत्यानंद अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने पुवायां में स्कूली बस से गिरी जोधवीर की बेटी का हालचाल जाना। एडीएम ने बच्ची के उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहने की बात कहते हुए डा. गौरव मिश्रा से आवश्यक सुझाव दिए। डॉक्टर ने बताया कि बच्ची पहले से बेहतर है और जल्द अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

सड़कों पर स्कूली वाहनों की जांच करते एडीएम और टीम। ● अमृत विचार

वाहनों की चेकिंग करते हुए एसपी। ● अमृत विचार

● एडीएम बोले-बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

स्कूली वाहनों के लिए सुरक्षा मानक

- अग्निशमन यंत्र
- फर्स्ट एड बॉक्स
- आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट)
- जीपीएस और स्पीड गवर्नर का सही ढंग से कार्य करना
- निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाना
- वाहन के अंदर "स्कूल बस" का स्पष्ट उल्लेख और पीली पट्टी
- वाहन के दरवाजों का सही ढंग से बंद होना और लॉकिंग व्यवस्था

स्कूली वाहनों में होने चाहिए ये कागज और सुरक्षा मानक

- वाहन का पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी)
- मान्य फिटनेस प्रमाणपत्र वैध बीमा दस्तावेज
- वैध परमिट (स्कूली वाहन हेतु आवश्यक)
- चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस
- चालक व परिचालक का पहचान पत्र
- प्रदर्शित रूट चार्ट और समय सारिणी

एसपी ने स्कूली वाहनों की चेकिंग, 40 वाहनों का चालान

एसपी राजेश द्विवेदी ने शहर में स्कूल वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। उन्होंने सड़क पर ई-रिक्शा, स्कूली वाहन और डग्गामार वाहनों को रोककर कागज चेक किए। एसपी ने यातायात नियमों के मानक पूरे न करने वाले 40 वाहनों का चालान कर दिया। स्कूली वाहन और ई-रिक्शा चालकों में हड़कंप मच गया। एसपी ने पुवायां में स्कूली वाहन से गिरकर एक छात्र के घायल हो जाने पर पुलिस बल के साथ चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीम ने स्कूली वाहनों को रोककर ड्राइविंग लाइसेंस, परिचय पत्र, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट ऐड बॉक्स, आपात कालीन दरवाजा या खिड़की, बच्चों की बैठने क्षमता, स्पीड गर्वनर, जीपीएस आदि की जांच की। इसके अलावा पुलिस टीम ने ई-रिक्शा आदि वाहनों की चेकिंग की। चेकिंग के दौरान 40 वाहन मानकों के अनुरूप पाए गए, जिनका चालान किया गया। उनसे लगभग 40 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। एसपी ने वाहन में बैठे बच्चों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने वाहन चालकों को निर्देश दिए कि वाहनों में बच्चों को क्षमता के अनुसार बैठाला जाए, अग्निशमन यंत्र, जीपीएस, स्पीड गवर्नर, वाहन के बाहर चालक और स्कूल का मोबाइल नंबर लिखा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूली वाहनों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। इस अवसर टीएसआई विनय कुमार पांडेय आदि स्टाफ मौजूद रहा।

बेसिक शिक्षा विभाग में आउटसोर्सिंग पर होंगी भर्तियां

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जनपद में बेरोजगार युवाओं के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की ओर आउटसोर्सिंग पर भर्तियां निकाली गई है। इस संबंध में सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकर शिक्षा विभाग में रिक्त भरे जाने के लिए जनपद वासियों को जानकारी दी। जिससे कि पात्र, जरूरतमंद को नौकरी मिल सके और समय पर पदों को भरा जा सके। सीडीओ ने बताया 22 तक रिक्त पदों के लिए सेवायोजन पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के लिए आवेदक को सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए, वही से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसमें कम्प्यूटर आपरेटर, क्वालिटी कोर्डिनेटर, अस्सिटेंट, एमआईएस, स्टेनोग्राफर के पद सैकड़ों पद शामिल है। सैलरी 11 हजार से 1800 हजार रुपए प्रति माह दी जाएगी। पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता पूर्ण व सकुशल संपन्न हो, इसके लिए खुद सीडीओ निगरानी कर रही है। आवेदन कर बाद जैम पोर्टल के माध्यम से रिक्त पदों पर नियुक्तियों को शिक्षा विभाग कर सकेगा। साथ ही सीडीओ ने बीएसए दिव्या गुप्ता को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द रिक्त पदों को भरकर रिपोर्ट भेजें।

स्ट्रॉबेरी और ड्रैगन फ्रूट की पौध उपलब्ध

पौधों के साथ जिला उद्यान अधिकारी पुनीत पाठक। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: कृषकों में निशुल्क वितरण के लिए जनपद को एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत स्ट्रॉबेरी और ड्रैगन फ्रूट की पौध एवं अनुसूचित जाति-जनजाति कृषकों को औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) के अन्तर्गत शाकभाजी कार्यक्रम में तोरई, टमाटर, संकर शिमला मिर्च एवं मसाला कार्यक्रम में शंकर मसाला मिर्च का बीज प्राप्त हो चुका है। जिला उद्यान अधिकारी पुनीत पाठक ने बताया कि किसान लोग किसी भी कार्य दिवस में पंजीकृत कृषक कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी अथवा राजकीय अलंकृत उद्यान, डीएम कम्पाउंड से प्राप्त कर सकते है।

बाल मजदूरों का पुनर्वास कराएं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: एसडीएम जलालाबाद प्रभात राय की अध्यक्षता में बंधुआ श्रम सतर्कता समिति की बैठक तहसील परिसर जलालाबाद में हुई। श्रम प्रवर्तन अधिकारी राजेश सिंह ने बैठक के उद्देश्यों एवं प्रावधानों के बारे में बताया गया। शिकायत की स्थलीय जांच के बाद यदि बंधुआ श्रमिक पाया जाता है, तो उसे अवमुक्त प्रमाण पत्र जारी किया जाता है और रुपये 30000 तात्कालिक सहायता की धनराशि प्रदान की जाती है। मुक्त कराए जाने पर उसका समरी ट्रायल किया जाता है और दोष सिद्ध होने पर सेवायोजक के विरुद्ध सजा और जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि पुरुषों को प्रति श्रमिक रुपये 1 लाख तथा बच्चों एवं महिलाओं को रुपये दो लाख की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाती है और उसका आर्थिक पुनर्वास कराया जाता है।

बंधुआ श्रम समिति की बैठक में जानकारी देते अधिकारी। ● अमृत विचार

एसडीएम द्वारा टीम के सदस्यों को निर्देश दिया गया कि टीम अपनी सजग दृष्टि रखते हुए ईंट भट्टों और अन्य ऐसे क्षेत्रों पर परिभ्रमण करते रहें और कोई भी प्रकरण संज्ञान में आने पर तत्काल सूचित करें। जिससे पीड़ित पक्ष को त्वरित न्याय दिलाया जा सके। बैठक में समिति के सदस्य विनोद शर्मा एडवोकेट, मनोज कुमार, संगीता वाल्मीकि, इंद्रेश, भूमि विकास बैंक के मैनेजर राजेंद्र मोहन, तहसीलदार जलालाबाद अनुराग दुबे, खंड विकास अधिकारी कांट, खंड विकास अधिकारी जलालाबाद के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

● बंधुआ श्रम सतर्कता समिति बैठक संपन्न

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र ने बताया भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर जिला में 1 से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवधि में सभी शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों में भगवान बिरसा मुंडा तथा अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। साथ ही उनके सम्मान में विशेष सभा, निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला, कहानी लेखन, कविता, रंगोली प्रतियोगिताएं तथा नृत्य, संगीत और नाटक जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी।

अधिकारियों ने कहा कि आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में विद्यार्थियों को पाक विरासत से परिचित कराने के लिए दैनिक भोजन में कम से कम एक जनजातीय व्यंजन अवश्य शामिल किया जाए। संस्थानों की पोषण वाटिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए पौधरोपण कराया जाए तथा छात्राओं और शिक्षकों के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएं। इसके साथ ही 15 नवम्बर को सभी शिक्षण संस्थानों में स्मरणोत्सव आयोजित होगा। तकनीकी सुविधा वाले संस्थानों में जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों को यह भी अनिवार्य किया है कि 01 से 15 नवम्बर के बीच कराई गई सभी गतिविधियों के वीडियो और फोटो जनजातीय कार्य मंत्रालय के पोर्टल पर अपलोड किए जाएं तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहित अन्य महत्वपूर्ण सोशल मीडिया हैंडलों को टैग किया जाए।

● प्रतियोगिताओं से लेकर जनजातीय व्यंजन बनाने के होंगे आयोजन

चाइनीज मांझा न बेचने की अपील

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उप्र उद्योग व्यापार मंडल की कोर ग्रुप की बैठक कैंप कार्यालय कन्हैया होजरी पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ ने की, जबकि संचालन नगर महामंत्री अतुल गुप्ता ने किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता द्वारा 16 को जिले में होने वाले समीक्षा कार्यक्रम की विस्तृत तैयारियां की गईं।

बैठक में बोलते कुलदीप सिंह दुआ।

जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ ने बताया कि समीक्षा कार्यक्रम 16 नवंबर को हिंदुस्तान मैरिज लॉन, गर्रा फाटक के पास सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। इसमें जिले के सभी कस्बों व बाजारों की इकाइयों के अध्यक्ष और महामंत्री, नगर व जिला युवा इकाइयों के पदाधिकारी अपने-अपने टीम के साथ उपस्थित होंगे। बैठक में सभी सदस्यों ने पतंग मांझा व्यापारियों से अपील की कि वे अपनी दुकानों पर चीनी मांझा न बेचें, क्योंकि इससे लोगों के घायल होने या जान जाने का खतरा बना रहता है। बैठक के अंत में दिल्ली में हुए बमकांड की कड़ी निंदा की गई और मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में प्रदेश मंत्री धर्मपाल रैना, प्रदेश संगठन मंत्री सुल्तान खां, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, जिला महामंत्री नाजिम खां, कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता, नगर महामंत्री अतुल गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, महामंत्री कमाल फहीम, युवा नगर अध्यक्ष शकील अहमद खान, महामंत्री अमित पांडे सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

● कोर ग्रुप की बैठक में तैयार हुई रूपरेखा, दुकानदारों से अपील- चीनी मांझा न बेचें

ओसीएफ मैदान में 23 को होंगे सामूहिक विवाह

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के अंतर्गत 1 अप्रैल से नवंबर माह तक जिला समाज कल्याण विभाग को प्राप्त हुए, शादी के आवेदनों के लिए जिला प्रशासन की ओर विवाह समारोह संपन्न कराने की तारीख फाइनल कर दी गई है। इस बार शहर विधानसभा के सामूहिक विवाह समारोह 23 नवंबर को होगे। जिसमें 100 जोड़े एक दूसरे का हाथ थामेंगे।वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना बतौर मुख्यातिथि विवाह समारोह में शिरकत करेगे। गुरुवार को सीडीओ डॉ.अपराजिता सिंह ने इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश शर्मा के साथ बैठक कर 23 नवंबर को ओसीएफ रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां समय से कराने को दिशा निर्देश दिए। वही समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस बार शादी पर एक लाख रुपये सरकार खर्च कर रही है। जिसमें 60 हजार रुपये नकद लड़की के बैंक खाता में भेजे जाएगे, 25 हजार रुपए का सामान और 15 हजार साज सजावट आदि पर खर्च होगे।

● आयोजन की तैयारियां तेज, 100 जोड़ें थामेंगे एक दूजे का हाथ

डंडा मारकर यात्री का मोबाइल लूटा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: चोरों ने मोबाइल छीनने का एक नया फंडा अपनाया है। बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस में कोच के दरवाजे एक यात्री फोन पर बात कर रहा था। एक व्यक्ति ने उसके हाथ पर डंडा मारा और मोबाइल नीचे गिरने पर उठाकर भाग गया। यात्री के मोबाइल में नकदी और रेल टिकट था। जीआरपी ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इससे पहले भी कई घटनाएं हो चुकी है।

हरदोई जिले के कोतवाली देहात के गांव महोलिया निवासी प्रशांत दीक्षित एक सप्ताह पूर्व ट्रेन संख्या 14236 बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस में बरेली से हरदोई के लिए सफर कर रहा था। वह जनरल कोच के दरवाजे पर खड़े होकर रिश्तेदारों से फोन पर बात कर रहा था। एक व्यक्ति ने उसके हाथ में डंडा मारा और फोन नीचे गिर गया। उसका फोन तरफ ट्रेन धीमी हो गई थी। किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके फोन पर डंडा मारा और फोन हाथ से छूटकर रेलवे लाइन के किनारे गिर गया। उसने कोच से बाहर झांककर देखा तो रेल लाइन के किनारे चार लोग डंडा लिए खड़े थे। एक व्यक्ति उसका फोन उठाकर भाग गया। उसने बताया फोन के कवर में 1140 रुपये और रेल टिकट था। यह कोई नई घटना नहीं है। दो माह पूर्व गंगा सतलज एक्सप्रेस से मोहल्ला चारखंभा का एक व्यक्ति शाम को लखनऊ से शाहजहांपुर आ रहा था।

● चोरों ने नया फंडा अपनाया, फोन पर कर रहा था बात

यात्री चलती ट्रेन में कचहरी हाल्ट पर कोच के दरवाजे पर फोन से बात कर रहा था। एक व्यक्ति ने उसके हाथ में डंडा मारा और फोन नीचे गिर गया। उसका फोन उठाकर भाग गया। इस तरह की घटनाएं कचहरी हाल्ट और ढाका ताल के पास अधिक हो रही है। जीआरपी उप निरीक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस लोगों की तलाश में जुटी है।

तिलहर में ट्रेन दस मिनट रुकी थी, स्टापेज नहीं है

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: अमृतसर-जयनगर स्पेशल ट्रेन से फौजी के लापता होने के मामले में तिलहर रेलवे स्टेशन ट्रेन करीब 10 मिनट रुकी थी। जबकि ट्रेन का स्टापेज तिलहर और शाहजहांपुर में नहीं है। फौजी के मोबाइल के अंतिम लोकेशन तिलहर स्टेशन की है।

चंदौली जिले के थाना बुद्धपुर के गांव धानापुर निवासी माधव सिंह दिल्ली में आर्मी इंजीनियर कोर में तैनात है। वह 7 नवंबर को अमृतसर-जयनगर स्पेशल ट्रेन से दिल्ली से लखनऊ के लिए एसी कोच में सवार हुआ था। वह अगले दिन लखनऊ नहीं पहुंचा तो परिवार वालों को चिंता हुई। परिवार वालों ने फौजी का मोबाइल नंबर मिलाया तो स्वीच ऑफ था। परिवार वालों ने माधव सिंह का पता किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं लगी। ट्रेन बरेली से चलने के बाद सीधे लखनऊ रुकती है। फौजी के बहनोई गौरव सिंह ने जीआरपी लखनऊ में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। लखनऊ से गुमशुदगी जीआरपी शाहजहांपुर आई। जीआरपी ने साइबर सेल से मोबाइल की लोकेशन निकलवाई तो अंतिम लोकेशन तिलहर स्टेशन की थी। विवेचनाधिकारी तिलहर स्टेशन पर जाकर जांच की।

● फौजी के लापता होने का मामला पुलिस टीमें तलाश में लगी

झुके पोल से बढ़ा खतरा, ग्रामीण परेशान

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: लखनऊ-दिल्ली हाईवे के पास रुद्रपुर मार्ग पर स्थित एक ढाबे के समीप महीनों से बिजली का पोल खतरनाक तरीके से झुका हुआ है। ग्राम कुआडांडा के प्रधान बृजेश शास्त्री और ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन विभाग द्वारा अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया। पोल की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, जिससे कभी भी गंभीर हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

ग्राम प्रधान बृजेश शास्त्री ने बताया कि झुके हुए पोल की जानकारी कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी गई, लेकिन आज तक पोल बदले जाने की कार्रवाई नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि यदि इस पोल के कारण कोई दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह विद्युत विभाग की होगी। इस संबंध में विद्युत विभाग के एसडीओ कैलाश कुमार यादव ने कहा कि झुके हुए पोल की जानकारी उनके संज्ञान में नहीं थी। अब सूचना मिलने के बाद तीन दिन के भीतर पोल को ठीक कराने की व्यवस्था की जाएगी।

रुद्रपुर मार्ग पर ढाबे के पास खतरनाक रूप से झुका बिजली पोल।

● कुआडांडा प्रधान बोले शिकायतों के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

सीओ सिटी ने सदर बाजार थाना का किया निरीक्षण

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सीओ सिटी पंकज पंत ने थाना सदर बाजार का त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय में अपराध रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर आदि अभिलेखों का अवलोकन किया।

थाना परिसर में मैस, बैरक, महिला हेल्प डेस्क, साइबर डेस्क, महिला सुरक्षा केंद्र, मालखाना आदि का निरीक्षण किया। महिला हेल्प डेस्क पर आने वाली शिकायतों के बारे में जानकारी की और कितनों का निस्तारण हो गया। उन्होंने थाना परिसर में सफाई व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि विवेचनाओं का समय से निस्तारण किया जाए और फरियादियों की शिकायतों को ध्यान पूर्वक सुना जाए।

रामलीला में किया श्रीराम वनवास का मंचन

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचार: श्रीराम जानकी रामलीला में गुरुवार को राम वनवास की लीला का मार्मिक मंचन किया गया। पूरे मंचन के दौरान इतने भावुक दृश्य सामने आए कि दर्शक भाव विभोर होते रहे। एक दिन पहले तक जहां भगवान राम के राजतिलक की तैयारियां जोर पकड़ चुकी थीं, वहीं वनवास के प्रसंग ने पूरे वातावरण को शोकमय कर दिया।

लीला के अनुसार, जब कैकई को राम के राजा बनने का समाचार मिलता है तो वह बेचैन हो जाती है। मंथरा के बहकावे में आकर वह कोप भवन चली जाती है। इसके बाद राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगती है भरत को राजगद्दी और राम को चौदह वर्ष का वनवास। यह सुनकर राजा दशरथ व्यथित होकर बीमार पड़ जाते हैं। पिता के वचन को सर्वोपरि मानते हुए राम वन जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। उनके साथ लक्ष्मण और सीता भी वनवास का निर्णय लेते हैं। जैसे ही तीनों वन के लिए प्रस्थान करते हैं, अयोध्या वासी विलाप करते हुए उनके पीछे-पीछे दौड़ पड़ते हैं। मंचन का यह दृश्य देखते ही दर्शकों की आंखें नम हो गईं।

● कैकई के वरदान और अयोध्या के विरह दृश्य ने दर्शकों को किया भावविह्वल

न्यूज ब्रीफ

80 फीसदी तक जल गए थे दयाराम

कांट, अमृत विचार : गांव पटियारी निवासी दयाराम (70) का अधजला शव बुधवार सुबह5 बजे मकान के पीछे जली लकड़ियों के ढेर में मिला था। उसकी चप्पल लकड़ी के ढेर के पास मिली थी। परिवार वालों का कहना है कि दयाराम घर के बाहर झोपड़ी में सोते थे। मंगलवार को रात 9 बजे खाना खाकर सोने के लिए घर से निकले थे। उनका सुबह जला शव मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करीब 80 प्रतिशत जल गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बंद मकान से नकदी और जेवर चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंद मकान से चोर नकदी और जेवर समेट ले गए। पीड़ित ने अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कराई। सिंधौली थाना क्षेत्र के कस्बा सिंधौली निवासी देवसुती ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 3 नवंबर को बेटी की ससुराल गई थी। 8 की रात में चोरों ने ताला तोड़ दिया और घर में रखा नकदी और जेवर चुराकर ले गए। वह बेटी के घर से लौटकर आई तो चोरी का पता चला। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

निगोही, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के कस्बा निगोही निवासी देवेश सिंह (25) का गुरुवार सुबह एक कमरे में कुंडे से रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली है। परिवार वाले उसे सीएचसी पर ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने बिना पुलिस को सूचना दिए उसका अंतिम संस्कार कर दिया। उसकी पत्नी कुसुम लता और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

महिला ने ससुरालियों पर कराई एफआईआर

गजरौला, अमृत विचार : एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसकी शादी 26 अप्रैल 2021 को पूरनपुर क्षेत्र के एक युवक से हुई थी। पति व अन्य ससुराल वाले मारपीट करते थे। 30 नवंबर 2021 को उसे पीटकर घर से निकाल दिया। इस मामले में पूर्व में ही मुकदमा दर्ज कराया था। वह अपने मायके में रह रही है। पति मुकदमे में समझौते का दवाब बनाने के लिए धमकाता है। आरोप है कि पति ने दूसरे नाम से फेसबुक आईडी बनाकर पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो वायरल कर दिए।

पीएम आवास योजना में पकड़ा फर्जीवाड़ा, होगी रिकवरी

गांव के तीन लोगों ने फर्जी दस्तावेज से नगर पंचायत कलान में डूडा से ले लिए पीएम आवास, नोटिस जारी कर मांगा जवाब

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- शिकायत पर हुई जांच से खुलासा, लाभार्थियों को नोटिस जारी कर मांगा गया जवाब
- जवाब आने पर शुरू होगी रिकवरी, पैसा वापस न करने पर कराई जाएगी एफआईआर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। गांव निवासी तीन लोगों ने नगर पंचायत कलान के क्षेत्र में अपना नाम दिखाकर डूडा से पीएम आवास की किस्तें प्राप्त कर लीं।

शिकायत मिलने पर हुई जांच में यह गड़बड़ी पकड़ी गई। अब सभी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब आने के बाद रिकवरी की प्रक्रिया शुरू होगी। अगर इसके बाद भी रिकवरी नहीं हो पाती है तो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्धारित समय में स्पष्टीकरण न मिलने या पैसा वापस न करने की स्थिति में रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके बाद भी धनराशि जमा नहीं की गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों का कहना है कि पीएम आवास योजना गरीब एवं पात्र लोगों के लिए संचालित है, लेकिन धोखाधड़ी कर इसे प्राप्त करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। विभाग ने संबंधित फाइलों का परीक्षण शुरू कर अन्य संदिग्ध मामलों की भी जांच के संकेत दिए हैं। डूडा के अधिकारियों ने बताया इस प्रकरण की शिकायत कलान क्षेत्र के गांव धर्मपुर सथरा निवासी कमलेश कुमार ने की थी।

शिकायत में बताया गया था कि ग्राम पंचायत धर्मपुर सथरा के रहने वाले तीन लोगों ने नगर पंचायत कलान से प्रधानमंत्री आवास हासिल कर लिया है। जबकि यह गांव के रहने वाले हैं और गांव में इनके पास संपत्ति भी अच्छी खासी है। प्रार्थना पत्र के अनुसार इनके पास तीन स्कूल, चार बाइक, ट्रैक्टर, दो गाड़ियां, लगभग 60 बीघा जमीन और गांव में बड़ा मकान सहित कलान में प्लॉट तक मौजूद है। आरोप है कि इतनी संपन्नता होने के बावजूद इन्होंने पंचायत कलान से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन आवास फर्जी तरीके से निकाल लिए। जबकि यह आवास गरीबों के लिए थे। इस तरह आरोपियों ने गरीबों के हक पर डाका डाला है। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने अधिकारियों को पैसे देकर फर्जी आवास स्वीकृत कराए।

जिन लोगों के पास पहले से स्कूल, गाड़ी, मोटरसाइकिल, जमीन और अन्य संसाधन मौजूद हैं, उन्हें आवास की कोई जरूरत नहीं थी, फिर भी मिलीभगत के चलते उन्हें योजना का लाभ दिया गया। आरोप है कि अधिकारियों की मिलीभगत से गरीबों को उनका अधिकार नहीं मिल रहा है, जबकि संपन्न लोगों को आवास दिए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता की मांग पर मामले की जांच एपीओ डूडा राकेश कुमार को सौंपी गई। राकेश ने गुरुवार को कलान पहुंच कर मामले की जांच। जांच के दौरान पता चला कि आरोप सच हैं। गांव के रहने वाले लोगों ने फर्जी तरीके से नियम विरुद्ध आवास हासिल कर लिए हैं। इस संबंध में डूडा के अधिकारियों ने तीन आवास नियम विरुद्ध निकाले जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मामले में नोटिस जारी कर सभी आरोपियों से जवाब मांगा गया है। जवाब आने के बाद गलत तरीके से लिया गया पैसा वापस करने के लिए कहा जाएगा। इसके बाद मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू होगी।

जांच करते डूडा के अधिकारी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी/ग्रामीण) की प्रमुख पात्रता शर्तें

- आवेदक के लिए आवश्यक मानक
- आवेदक भारतीय नागरिक हो।
- परिवार की वार्षिक आय निर्धारित श्रेणी के अनुसार हो:
- परिवार में पति–पत्नी और अवयस्क बच्चे शामिल माने जाते हैं।
- आवेदक या परिवार के किसी भी सदस्य के नाम पर पक्का मकान न हो।
- पहले किसी भी आवास योजना का लाभ न लिया हो।
- मकान महिला के नाम, संयुक्त नाम या परिवार के किसी वयस्क सदस्य के नाम पर होना चाहिए (शहरी योजना में लागू)।
- ग्रामीण योजना में आवेदक गरीब एवं कच्चे/अर्धकच्चे मकान में रहने वाला होना चाहिए।
- आवेदक के आधार कार्ड, बैंक खाता और आवश्यक दस्तावेज प्रमाणित हों।

(इन शर्तों में किसी भी तरह की गलत जानकारी या दस्तावेज की धोखाधड़ी पाए जाने पर लाभ तुरंत निरस्त कर दिया जाता है और रिकवरी/एफआईआर की कार्रवाई की जाती है)

हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एक सप्ताह पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल हुए युवक ने मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान बुधवार शाम दम तोड़ दिया। सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव बरौरा निवासी रामवीर (27) की ससुराल शाहाबाद थाना क्षेत्र में है। वह 2 नवबंर को ससुराल बाइक से जा रहे थे। रास्ते में तिउलक गांव के सामने ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। घायल को सीएचसी भावलखेड़ा में भर्ती कराया गया।

डॉक्टर ने उसे मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया। घायल का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। बुधवार की शाम घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की मां का नाम रामदेवी और पत्नी का नाम गंगादेवी व दो बच्चे है। वह मजदूरी करता था। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। सिंधौली प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सरकारी जमीन से कब्जा हटाएं

संवाददाता, खुदागंज

- राजस्व टीम ने रेहरा रहीमपुर में पहुंचकर किया निरीक्षण
- कब्जाधारियों को चेतावनी- स्वेच्छा से जमीन खाली करें

अमृत विचार: ग्रामीणों की शिकायत पर ग्राम समाज की जमीन से कब्जे हटवाने के लिए राजस्व विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को राजस्व निरीक्षक अजीत सिंह और हल्का लेखपाल अनुज सिंह ने राजस्व टीम के साथ रेहरा रहीमपुर क्षेत्र में नदी के नजदीक स्थित विवादित भूमि का मौका मुआयना किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट कहा जिन लोगों ने ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा किया है, वे स्वेच्छा से कब्जा छोड़ दें। अन्यथा उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताया पिछले दिनों रहीमपुर गांव के दर्जनभर से अधिक ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी तिलहर को शिकायती पत्र देकर ग्राम समाज की जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की थी। शिकायत के आधार पर राजस्व टीम मौके पर पहुंची, हालांकि भूमि की नाप पूरी नहीं हो सकी।

मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने अवैध कब्जों को हटाने के लिए जल्द कार्रवाई की मांग दोहराई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि प्रक्रियागत कार्यवाही पूर्ण होते ही कब्जाधारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

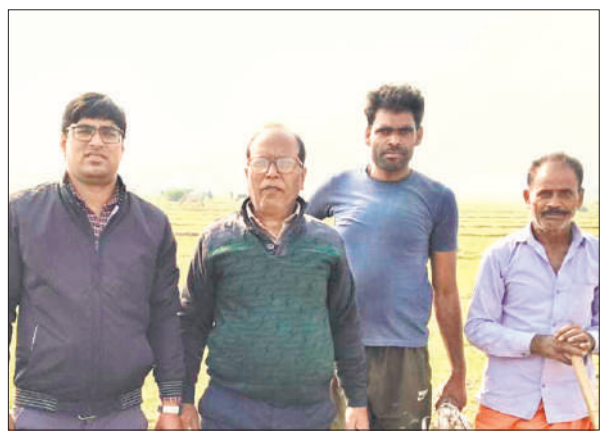

अवैध कब्जे की शिकायत के बाद भूमि का निरीक्षण करती राजस्व टीम।

दो हादसों में तीन लोग गंभीर घायल

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार: लखनऊ-पलिया नेशनल हाइवे पर अलग-अलग दो हादसों में तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। घायलों के परिजनों को जानकारी दे दी गई है, जबकि अभी तक किसी हादसे की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

बुधवार देर शाम थाना बेहटा गोकुल क्षेत्र के गांव चांदपुर खिरिया निवासी संतोष कुमार भाई राज किशोर के साथ बाइक से शाहजहांपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह गांव सूरतपुर के सामने पहुंचे, पीछे से आ रही एक कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उन्हें उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची। इसी हाईवे पर रात करीब साढ़े 11 बजे दूसरा हादसा मिर्गापुर के पास वनवे रोड पर हुआ।

बिना टिकट सफर करते 213 को पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सीनियर डीसीएम के निर्देशन चला अभियान, गंदगी फैलाने वालों पर भी जुर्माना

अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता के निर्देशन में बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग स्टाफ टीम ने आरपीएफ को साथ लेकर 213 लोगों को पकड़ा और उनसे 93 हजार 760 रुपये किराया व जुर्माना वसूल किया। स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई।

मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने यहां के स्टाफ को निर्देश दिए कि स्टेशन और ट्रेन में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाए। सीएमआई एसके ठाकुर, एसएस पीएसत तोमर और टीटीई स्टाफ ने स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। डाउन व अप लाइन की राज्यरानी एक्सप्रेस, त्रिवेणी एक्सप्रेस, सियालदहा एक्सप्रेस, गुवाहाटी एक्सप्रेस, जननायक एक्सप्रेस के कोच और प्लेटफार्म एक और दो व तीन पर चेकिंग की। स्टेशन किलेबंदी चेकिंग अभियान द्वारा किराए एवं जुर्माना सहित कुल 93 हजार 760 रुपये का रेल राजस्व अर्जित किया गया। बिना टिकट यात्रा और गंदगी फैलाने वालों में 213 लोग पकड़े गए थे। चेकिंग से स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा करने वालों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों को बताया गया कि यात्रा के दौरान किसी भी सहायता के लिए रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 की सहायता ले सकते है। चेकिंग स्टाफ टीम में सीआईटी हीना कौशल, टीटीई टीना राज, मनीष उपाध्याय, प्रदीप कश्यप, रोशन जायसवाल, संजीव कुमार, नितिष कुमार, आरपीएफ आदि स्टाफ मौजूद रहा।

स्टेशन पर चेकिंग करता स्टाफ। ● अमृत विचार

पति की बीमारी का पता चलने पर महिला ने दी थी जान

संवाददाता शाहजहांपुर/कांट

- शादी से पहले से बीमार रहता था पति

अमृत विचार: अकर्रा रसूलपुर में चार दिन पहले फंदे पर लटकी मिली एकता की मौत के मामले में नया मोड़ आया है। उसे पति की गंभीर बीमारी के बारे में पता चता तो उसने फंदा लगाकर जान दे दी थी। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आनन-फानन में मृतका के पति को गिरफ्तार करके चालान कर दिया था।

कांट थाना क्षेत्र के गांव अकर्रा रसूलपुर निवासी एकता (22) का शव चार दिन पूर्व एक कमरे में फंदे से लटका मिला था। मृतका का मायका सदर बाजार थाना क्षेत्र के मऊ वासक में था। ससुराल वालों ने शव जब तक उतरने नहीं दिया, ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत हुई थी। मृतका एकता के भाई प्रमोद ने पति शिवम समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एकता को ससुराल वालों ने दहेज की खातिर मारकर फंदे से लटका दिया था। पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार करके चालान कर दिया था। पुलिस की विवेचना में शिवम की शादी से पहले एक किडनी थी, जबकि दूसरी किडनी में गंभीर संक्रमण हो गया था। उसकी तबीयत ठीक नहीं हो सकती थी। जब एकता को पति की गंभीर बीमारी के बारे में पता चला तो वह सदमे आ गई है। उसने फंदा लगाकर जान दे दी थी। कांट प्रभारी राकेश कुमार मौर्या ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी हैंगिंग से मौत हुई थी। पुलिस विवेचना प्रचलित है।

2688 मीट्रिक टन डीएपी पहुंची

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला उप आयुक्त एवं उप निबंधक सहकारिता अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया सहकारिता विभाग के लिए डीएपी की एक रैक, 2688 मीट्रिक टन कांडला पोर्ट से 12 नवंबर की रात रौजा रैक प्वाइंट पर प्राप्त हो गई है। इसका आंवटन डीएम की ओर से 87 सहकारी समितियों को कर दिया गया है और पीसीएफ द्वारा इसे प्रेषित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिले की सभी सहकारी समितियों पर फास्फेटिक उर्वरक डीएपी और एनपीके की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। किसान अपने क्षेत्र की सहकारी समिति से डीएपी व एनपीके प्राप्त कर सकते हैं। रबी अभियान 2025-26 में अभी तक लगभग 10200 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक वितरित किए जा चुके हैं, जो नवम्बर तक प्राप्त लक्ष्य का लगभग 64 प्रतिशत है। समितियों में मांग के अनुसार लगातार प्राथमिकता के आधार पर उर्वरक भेजे जा रहे हैं। इसके साथ ही डीएम द्वारा यूरिया का भी आंवटन कराकर समितियों पर पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में पीसीएफ बफर गोदाम में लगभग 3400 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक तथा करीब 17500 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है।

डीएपी ट्रक से उतारने की फाइल फोटो। ● अमृत विचार

- समितियों को आंवटन जारी, वितरण में तेजी

मीटर रीडर ने विद्युत विभाग को लगाई लाखों की चपत

संवाददाता, पुवायां

- कैलकुलेटर की फोटो लगाकर बनाते थे फर्जी बिल

अमृत विचार : विद्युत वितरण खंड प्रथम पुवायां में बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। जांच में सामने आया है कि कुछ मीटर रीडर खास विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए बिजली मीटर की वास्तविक रीडिंग छिपाकर फर्जी बिल बना रहे थे।

जानकारी के अनुसार, रीडर मीटर की असली रीडिंग की जगह कैलकुलेटर की स्क्रीन की फोटो अपलोड कर बिल तैयार कर रहे थे, जिससे हजारों यूनिट की खपत छीपाकर केवल सैकड़ों यूनिट का बिल बनाया जा रहा था। इससे विद्युत विभाग को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। अधिशासी अभियंता पुनीत निगम ने बताया कि बिलिंग का कार्य एक निजी कंपनी को सौंपा गया है, जिसके कर्मचारी बिलिंग और रीडिंग का कार्य करते हैं। शिकायतें मिलने पर विभाग ने सिधौली क्षेत्र के ग्राम लधौली में 4 नवंबर को जांच की। जांच में अधिशासी अभियंता के साथ एसडीओ राजू कुमार व जूनियर इंजीनियर भी मौजूद रहे।

जांच में 9 से अधिक उपभोक्ताओं के मीटरों में गड़बड़ी पाई गई। मीटरों में वास्तविक रीडिंग हजारों यूनिट थी, जबकि बिल में केवल कुछ सैकड़ा यूनिट दर्ज की गई थी। मीटर रीडर सोमदेव मिश्रा के विरुद्ध स्पष्ट पाया गया कि उन्होंने जानबूझकर मीटर रीडिंग रिस्टोर कर फर्जी बिल बनाए। अधिशासी अभियंता पुनीत निगम ने बताया कि एक ही लैटिट्यूड-लॉन्गिट्यूड से बिलिंग किए जाने से यह प्रमाणित हुआ है कि टेबल बिलिंग की गई है। उन्होंने बिलिंग एजेंसी को निर्देश दिए हैं कि दोषी मीटर रीडर सोमदेव मिश्रा की सेवा समाप्त कर एफआईआर दर्ज कराई जाए।

किशोरी के अश्लील फोटो लेकर किया ब्लैकमेल, रिपोर्ट

फरीदपुर अमृत विचार: रिश्तेदारी में जिला शाहजहांपुर के गढ़िया रंगीन गई किशोरी की वहीं के आशीष और अंकित से जान पहचान हो गई। दोनों ने किशोरी का मोबाइल नंबर ले लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से बातचीत शुरू हो गई इसी दौरान किशोरी को आशीष ने धमका कर अश्लील फोटो ले लिए।

आशीष और अंकित ने उनकी बेटी को ब्लैकमेल करते हुए फोटो वायरल करने की धमकी देते हुए लगभग 50 हजार रुपये आशीष को दे दिए आशीष के मित्र अंकित ने उनके रिश्तेदार की आईडी हैक कर फर्जी आईडी बना ली जिससे वह रिश्तेदारों को मैसेज भेजते हैं और 2 लाख की मांग कर रहे हैं रुपए न देने पर किशोरी के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहे हैं किशोरी की मां ने कोतवाली पहुंचकर अंकित और आशीष के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।

प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल बंद कर संचालक भागा

पीलीभीत, अमृत विचार : प्रसूता की मौत के बाद पूरनपुर का एक निजी अस्पताल सवालों के घेरे में आ गया है।

मृतका के परिजनों के हंगामा कर आरोप लगाने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम जब गुरुवार सुबह जांच के लिए पहुंची तो अस्पताल का गेट बंद मिला। टीम को बैरंग लौटना पड़ा। अस्पताल के बाहर नोटिस चस्पा कर जवाब मांगा है। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव चतीपुर निवासी पुष्पा देवी (25) को मंगलवार को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन मोहल्ला खानकाह स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। बुधवार को डॉक्टरों ने ऑपरेशन के जरिए प्रसव कराया, जिससे पुष्पा ने एक पुत्री को जन्म दिया। परिजनों का कहना है कि प्रसव के बाद महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/तिलहर

- घर से खेत जाते समय किसान हुआ हादसे का शिकार

अमृत विचार: गौटिया गांव के सामने रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। ट्रेन के लोको पायलट ने स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने तिलहर थाना को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रेल लाइन से किनारे किया। इधर मृतक के परिवार वाले मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। परिवालों ने बताया कि सुबह घर से खेत के लिए जाने के लिए निकले थे और कम सुनाई देता था। मृतक सुशील की पत्नी मुन्नी और दो बेटे तथा तीन बेटियां है।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव गौटिया निवासी 60 वर्षीय सुशील कुमार का रेलवे लाइन के पार खेत है। गुरुवार सुबह 7 बजे वह पैदल खेत जा रहे थे। उनका खेत गांव से करीब 1 किमी दूर है। रास्ते में रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहे थे। बरेली दिशा की तरफ से आ रही ट्रेन की चपेट में आकर बुजुर्ग की कटकर मौत हो गई। लोको पायलट ने कंट्रोल और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गई। स्टेशन मास्टर ने तिलहर थाना को सूचना दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रेल लाइन से किनारे किया। इधर मृतक के परिवार वाले मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। परिवालों ने बताया कि सुबह घर से खेत के लिए जाने के लिए निकले थे और कम सुनाई देता था। मृतक सुशील की पत्नी मुन्नी और दो बेटे तथा तीन बेटियां है।

तीन घंटे तक बसों का संचालन रखा ठप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: परिवहन निगम की कार्य प्रणाली से नाराज होकर चालक और परिचालकों ने बसों का संचालन ठप कर दिया। रोडवेज वर्कशाप से बसों को निकलने नही दिया। दिल्ली मार्ग पर तीन घंटे तक बसों का संचालन तीन घंटे ठप रहा। एआरएम ने चालकों और परिचालकों को समझाकर बसों का संचालन शुरु कराया।

रोडवेज कर्मचारी संघ के पदाधिकारी और चालक व परिचालक गुरुवार की सुबह 7 बजे कार्यशाला गेट पर पहुंचे और अफसरों की मानमानी के विरोध में नारेबाजी की। चालकों और परिचालकों ने बसों को वर्कशाप से वाहन नहीं निकलने दिया और गेट बैठ गए। बस अड्डे पर यात्री बसों के इंतजार में इधर-उधर भटकते रहे।

चालक और परिचालकों से बातचीत करते यार एआरएम। ● अमृत विचार

- दिल्ली मार्ग पर एक चालक भेजा जाए, एआरएम के आश्वासन पर संचालन शुरु

कर्मचारी नेता विजय वर्मा ने बताया कि दिल्ली मार्ग पर दो चालकों को भेजा जाता है। चालक और परिचालकों के 692 किमी बनते है। उनके दो दिन खराब होते है, जबकि किमी आधे ही मिल रहे है। उनकी मांग है कि एक चालक की नियुक्ति की जाए। सूचना पर एआरएम अरुण कुमार और डिपो प्रभारी सुशील त्रिवेदी ने यूनियन के पदाधिकारियों और चालकों व परिचालकों से वार्ता की। एआरएम ने कहा कि दिल्ली मार्ग पर बसों पर एक चालक भेजेंगे और उनको आराम का पूरा समय दिया जाएगा। इस मौके पर शाखा अध्यक्ष अभिषेक सिंह, शाखा मंत्री विजय वर्मा, अरुण वर्मा, महावीर, विष्णु, सोनू समेत अन्य रहे।

महिला ने लगाया मारपीट और कपड़े फाड़कर घुमाने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पीड़िता का बेटा गांव की युवती को भगाकर ले गया था

अमृत विचार: मदनापुर क्षेत्र में एक महिला ने दूसरे पक्ष पर मारपीट के बाद कपड़े फाड़कर घुमाने का आरोप लगाया है। इस घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला को निर्वस्त्र घुमाने की बात गलत है और सिर्फ मारपीट हुई थी।

मदनापुर क्षेत्र के एक गांव का युवक 2 नवंबर को गांव की एक युवती को अगवा करके ले गया था। युवती घर से 25 हजार रुपये ओर जेवर ले गई थी। युवती के पिता ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया था और उसका डॉक्टरी परीक्षण कराया था। युवती के कोर्ट में बयान की प्रक्रिया चल रही थी। आरोपी युवक की मां डर के कारण गांव छोड़कर चली गई थी। बुधवार शाम आरोपी युवक की मां अपने घर पर सामान निकालने के लिए जा रही थी। दूसरे पक्ष के लोगों ने महिला को पकड़ लिया। आरोप है उसे पीटा, कपड़े फाड़कर घुमाया। थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह ने बताया कि महिला को कपड़े फाड़कर गली में घुमाने की बात गलत है। उसका बेटा एक युवती को भगाकर ले गया था। महिला और उसका परिवार गांव छोड़कर चली गई थी। दूसरे पक्ष की महिलाओं के साथ मारपीट हुई है। तहरीर में कपड़े फाड़कर घुमाने की बात नहीं लिखी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दो अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया

बरेली, अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने गुरुवार को सीबीगंज क्षेत्र में खेतों में विकसित हो रहीं दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। बीडीए के सहायक अभियंता धर्मवीर सिंह ने बताया कि सीबीगंज के बंडिया में अमित अग्रवाल उर्फ राजा व कमल बेदी उर्फ सोनू पंजाबी की ओर से लगभग 100 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंडों का चिह्नकांन, सड़क, नाली व बाउंड्रीवाल आदि का कार्य किया जा रहा था। जिसे बीडीए ने ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा ट्यूलिया में बाबू राम, संजीव, विरेन्द्र, रविन्द्र आदि की ओर से लगभग 20 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के भूखंडों का चिन्हांकन, सड़क, नाली व बाउंड्रीवाल का कार्य कराया जा रहा था जिस ध्वस्त कर दिया गया।

अभिमन्यु के शतक से जीता एसआरएमएस

बरेली, अमृत विचार : पार्कर मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी और चिल्ड्रन क्रिकेट अकादमी के बीच मैच हुआ। जिसमें अभिमन्यु के शतक की बदौलत एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी ने बड़ी जीत दर्ज की। एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी ने 40 ओवर में दो विकेट पर 293 रन बनाए। कप्तान अभिमन्यु ने 154 रन जड़े, जबकि आरव ने 63 और आर्यन ने 34 रनों का योगदान दिया। चिल्ड्रन क्रिकेट अकादमी की ओर से अक्षय सक्सेना ने 2 विकेट हासिल किए। चिल्ड्रन क्रिकेट अकादमी की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 62 रनों पर ऑलआउट हो गई। एसआरएमएस के लिए इशान ने 3, असद, सुशांत और दिव्यांश ने 1-1 विकेट लिए। एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी ने 231 रनों से जीत हासिल की। अभिमन्यु मैन ऑफ द मैच रहे।

युवक की जेब काट कर नकदी पार की

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा पर जा रहे एक युवक की जेब काट कर चोरों ने 19 हजार रुपये उड़ा दिए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बहेड़ी के तलपुरा निवासी मोहम्मद शादाब ने बताया बुधवार को वह बेटी से मिलने एक निजी अस्पताल में गए थे। वहां से वापस आते समय वह एक ई-रिक्शा पर बैठ गए। ई-रिक्शा डोहरा मोड़ से फिनिक्स माल की तरफ जाने के निकला कि डोहरा मोड़ से एक अन्य युवक भी सवार हो गया।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए वित्त राज्य मंत्री से की विस्तार से चर्चा

आठवें वेतन आयोग और ओपीएस मॉडल को लेकर कर्मचारियों ने रखी मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बजट सत्र से पहले उच्चस्तरीय बैठक कराने का आश्वासन
- एआईएनपीएसईएफ ने कहा- संवाद से समाधान निकलेगा

वित्त राज्य मंत्री से मुलाकात के दौरान एआईएनपीएसईएफ प्रतिनिधिमंडल के सदस्य।

अमृत विचार: ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन (एआईएनपीएसईएफ) के प्रतिनिधिमंडल ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से मुलाकात कर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाली और आठवें वेतन आयोग से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने ओपीएस बहाली से संबंधित सभी आवश्यक पहलुओं को रखते हुए कर्मचारियों की आर्थिक और सेवा-सुरक्षा के लिए इसे शीघ्र लागू करने का आग्रह किया। साथ ही आठवें वेतन आयोग के गठन पर सरकार को धन्यवाद देते हुए समय पर प्रभावी क्रियान्वयन की मांग भी रखी।

बैठक में दिए गए ज्ञापन के मुख्य बिंदुओं पर मंत्री ने गहनता से विचार किया। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि आगामी बजट सत्र से पहले एआईएनपीएसईएफ और वित्त मंत्रालय के बीच पेंशन बहाली मॉडल पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें उन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी जिनके आधार पर कर्मचारियों को पुरानी पेंशन के सभी लाभ उपलब्ध कराए जा सकें। एआईएनपीएसईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने कहा कि फेडरेशन का संघर्ष केवल मांग रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाधान तक पहुंचने का प्रयास है।

पुरानी पेंशन योजना की बहाली कर्मचारियों का अधिकार होने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा की दिशा में सरकार का दायित्व भी है। संवाद और ठोस प्रस्तावों के आधार पर ओपीएस बहाली का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई गई। एआईएनपीएसईएफ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अंकुर त्रिपाठी विमुक्त ने कहा कि संगठन सड़क से संवाद की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संवाद ही वह माध्यम है जिससे समाधान निकलता है। 2026 तक पुरानी पेंशन बहाली सुनिश्चित करने का लक्ष्य फेडरेशन लेकर चल रहा है। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव सुधीर रूपजी, प्रगतिशील शिक्षक न्याय मंच के अध्यक्ष प्रदीप डागर, एआईएनपीएसईएफ दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विनोद यादव और कॉर्डिनेशन कमेटी के प्रमुख मनीष प्रजापति मौजूद रहे। एआईएनपीएसईएफ ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि संवेदनशील संवाद और व्यावहारिक सुझावों के माध्यम से नीति निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभाना है।

छात्र का अपहर्ता सहपाठी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मेडिकल छात्र को घुमाने के बहाने ले जाकर साथियों संग कर लिया था अगवा
- छात्र के पिता से मांगी थी 50 लाख की फिरौती, फरार साथियों की तलाश जारी

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी स्थित मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के तृतीय वर्ष के छात्र गौरव वरपे का अपहरण किसी और ने नहीं बल्कि उसके सहपाठी रोहिणी दिल्ली निवासी दिविज बहल ने ही बाहरी युवकों के साथ मिलकर किया था। यह अपहरण उसने कर्ज चुकाने के लिए किया था। दरअसल मेडिकल छात्रों में चर्चा थी कि गौरव वरपे के खाते में एक करोड़ से अधिक रुपये हैं, इसीलिए उसने सहपाठी के अपहरण की योजना योजना बनाई।

राजश्री मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र गौरव वरपे निवासी सोनई गांव अहिल्यानगर महाराष्ट्र ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कॉलेज में कुछ साथियों के बीच यह चर्चा फैली कि उसके बैंक खाते में करोड़ों रुपये हैं। उसने कई बार मजाक कहकर बात को टाल दिया, लेकिन रविवार शाम इसी अफवाह ने उसे मुसीबत में डाल दिया। गौरव अपने दो सहपाठियों दिविज बहल और गौरवेंद्र सिंह के साथ स्कूटी से घूमने निकला था। राधाकृष्ण मंदिर के पास ईको कार आकर रुकी और उसमें सवार बदमाशों ने तीनों को जबरन उठा लिया। चलते वाहन में गौरव को घंटों धमकाया गया और उसके मोबाइल फोन से यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिये 60 हजार रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। आरोप है कि बदमाशों में उसका सहपाठी दिविज बहल भी शामिल था। दिविज ने ही गौरव के पिता और उसके दोस्त कपिल को फोन कर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी और धमकी दी थी कि पुलिस को सूचना दी तो बेटे की जान ले लेगा। पुलिस ने दिविज को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही है।

दिविज ने सोनू से अपहरण के लिए 10 लाख की पेशकश की

मेडिकल छात्र गौरव के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार सहपाठी दिविज बहल ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह राजश्री मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस तृतीय वर्ष का छात्र है। उस पर कई लोगों का कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए उसने अपने बैच के गौरव वरपे को चुना। छात्रों के बीच चर्चा थी कि गौरव के खाते में लगभग एक करोड़ रुपये मौजूद हैं। आरोपी की दिल्ली से लौटते समय टैक्सी चालक आकाश से मुलाकात हुई। उसने उसे सोनू नामक व्यक्ति से मिलवाया। दिविज ने सोनू को गौरव के बारे में जानकारी दी और किडनैपिंग के लिए 10 लाख रुपये की पेशकश की। 7 नवंबर को सोनू व उसके साथियों ने गौरव को अगवा करने का प्रयास किया, मगर असफल रहे। अगले दिन सोनू व उसके साथी तीन मोटर साइकिल और ईको वैन लेकर आए। सभी ने गौरव बारपे, दिविज बहल और गुरवेन्द्र को जबरन वैन में बैठा लिया। तीनों के मोबाइल छीन लिए गए और पासवर्ड पूछे गए। दिविज ने गौरव के मोबाइल से विभिन्न खातों से लगभग 59 हजार अपने खाते में ट्रांसफर किए और सोनू को सौंप दिए।

एक एजेंसी के पास दस ठेके, अधर में लटका विकास

बरेली, अमृत विचार : शहर के अधिकांश इलाकों में नगर निगम की ओर से कराए जा रहे विकास कार्य लंबे समय से जारी हैं वहीं कुछ कई माह से अधर में लटके हुए हैं। इसका मुख्य कारण है कि नगर निगम की एजेंसी के पास मजदूरों के साथ ही अन्य संसाधन कम होने से निर्माण कार्यों में विलंब हो रहा है। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के साथ बैठक कर निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, एक-एक एजेंसी के पास 8 से 10 ठेके हैं, लेकिन मानव संसाधन की कमी के चलते कार्य तय समय में शुरू नहीं हो पा रहे। टेंडर लेने के बाद एजेंसियां लगातार काम शुरू करने में टालमटोल कर रही हैं।

नकली सिगरेट बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने 1033 डिब्बी नकली सिगरेट और रैपर के 10 पैकेट बरामद किए
- गगन गुटखा और गोल्ड फ्लैक सिगरेट के डीलर ने की थी पुलिस से शिकायत

अमृत विचार : बारादरी पुलिस ने नकली सिगरेट बनाने वाले फैक्ट्री पर छापेमारी कर भंडाफोड़ किया है। यहां पर काफी समय से नामी ब्रांड गोल्ड फ्लैक के नकली रैपर लगाकर असली के नाम पर बेच रहा था। पुलिस ने मौके से सात कार्टन नकली सिगरेट और रैपर के 10 पैकेट बरामद किए हैं। इनमें 1033 डिब्बी नकली सिगरेट भरी गई थी। मौके से पुलिस ने आरोपी संचालक हैदराबाद खरऊआ, थाना सीबीगंज निवासी देवमूर्ति साहू को गिरफ्तार भी किया है।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि थाना क्षेत्र के एकता नगर निवासी सचिन भारद्वाज ने बताया कि वह मौजूदा समय में गगन गुटखा और गोल्ड फ्लैक सिगरेट के बरेली जिले के डीलर हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि एक सर्वे के दौरान पता चला कि गोल्ड फ्लैक सिगरेट और अन्य सिरगेटों को गोल्ड फ्लैक के नकली रैपरों में रखकर धोखाधड़ी कर नकली सिगरेटों की डिब्बियों को असली के रूप में बेचा जा रहा है। इस पर पुलिस की टीम ने माधोबाड़ी में देवमूर्ति साहू के गोदाम पर छापेमारी की। जहां पर गोल्ड फ्लैक के 12 डिब्बे, जिसमें कुल 287 डिब्बी ,गोल्ड फ्लैक का बड़ा पैकेट 9 डिब्बे, कुल 180 डिब्बी है। साथ में गोदान गरम सिगरेट के 11 डिब्बा जिसमें 220 डिब्बी, सिगरेट के 17 पैकेट कुल 204 डिब्बी, रसियन माया ब्रांड की हुक्का फ्लेवर सिगरेट के छह पैकेट कुल 60 डिब्बी समेत अन्य सामान बरामद किया। पुलिस ने आरोपी संचालक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी देवमूर्ति ने बताया कि वह गोल्ड फ्लैक जैसी हूबहू पैकिंग वाले नकली रैपर तैयार करता था और उन्हें असली बताकर बाजार में बेचता था। साथ ही बताया कि वह पहले सेल्समैन का काम करता था, जिससे उसका खर्चा पूरा नहीं हो पा रहा था। कम्पनी में जो माल खराब हो जाता था तो कम्पनी उस माल को नष्ट करने के लिए देती थी। उसी को लाकर यहां रैपर लगाकर बाजारों में बेच कर मोटा मुनाफा कमाता था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

एटीवीएम से प्लेटफार्म और अनारक्षित टिकट लेना हुआ आसान

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर समेत 36 रेलवे स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) लगाई गई हैं, जिससे यात्रियों को यात्रा व प्लेटफार्म टिकट और सीजन टिकट का नवीनीकरण करना आसान हो गया है।

इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि मंडल के 36 स्टेशनों पर यात्रियों को अनारक्षित यात्रा टिकट उपलब्ध कराने के लिए 52 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन लगाई गई हैं। इससे यात्रियों को टिकट प्राप्त करने के लिए लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। यात्रियों को स्मार्ट कार्ड से भुगतान पर 150 किमी की दूरी तक के किराये पर 3 प्रतिशत का बोनस भी दिया जाता है।

नशे में कार चालक ने विधायक के गेट में मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- विरोध करने पर होमगार्ड से की मारपीट, चालक समेत दो पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : शराब के नशे में कार चालक ने फरीदपुर विधायक के आवास के गेट में जोरदार टक्कर मार दी। होमगार्ड ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। होमगार्ड की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने चालक समेत दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र के गांव गजरातपुर निवासी होमगार्ड राजेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी ड्यूटी फरीदपुर विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल के यहां शक्ति नगर में लगी है। बुधवार देर शाम वह 7.40 बजे विधायक के आवास के बाहर ड्यूटी कर रहे थे। आरोप है कि इसी बीच कार चालक मनीष और उसके साथ बैठा अंकित तेजी व लापरवाही से वाहन नशे की हालत में दौड़ाते हुए आए और विधायक के गेट पर टक्कर मार दी। वह बाल-बाल बच गए। उन्होंने गाड़ी रोकनी चाही तो मनीष और अंकित ने हाथापाई करते हुए गालीगलौज की। वहां मौजूद रंजीत राजपूत ने चालक को बताया कि यह विधायक का निवास है तो अंकित के उकसाने पर मनीष ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए दोबारा आवास के मेन गेट में टक्कर मारकर वहां रखे गमले क्षतिग्रस्त कर दिए। उसके बाद गालीगलौज करते हुए आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

अफसर बेईमानी नहीं करते तो भाजपा लोकसभा चुनाव नहीं जीतती

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, कहा- वह सिर्फ राजनैतिक दलों को परेशान कर रहा

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में सत्ता के इशारे पर अधिकारियों ने बेईमानी नहीं की होती तो समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन 50 से ज्यादा सीटें जीतती। कहा कि भाजपा ने जनता से केवल झूठे वादे किए। भाजपा सिर्फ देशभक्ति की बातें करती है, हकीकत यह है कि उसने चीन को जमीन और बाजार दोनों दे दिए हैं। यही कारण है कि भाजपा इन सवालों का जवाब देने से बचती है।

पूर्वाह्न करीब 11.45 बजे बरेली पहुंचे अखिलेश यादव का यह दौरा पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात और निजी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए था। वे एयरपोर्ट से सीधे पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्य के निवास गए, जहां उन्होंने उनके भाई डा. अमन मौर्य और पत्नी को दांपत्य सूत्र बंधन में बंधने पर आशीर्वाद दिया। इसके बाद उनका काफिला नैनीताल रोड स्थित होटल ग्रैंड निर्वाणा पहुंचा, जहां उन्होंने विधायक अताउर रहमान की पुत्री के विवाह समारोह में शिरकत की। यहां पर पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव आयोग सिर्फ राजनीतिक पार्टियों को परेशान कर रहा है। रामपुर और कुंदरकी उपचुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां लाखों लोगों को वोट नहीं डालने दिया गया और चुनाव में भी गड़बड़ी की गई।

सपा मुखिया ने प्रशासनिक व्यवस्था की विफलता को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि इंटेलिजेंस फेलियर क्यों है? कभी इनका एडमिनिस्ट्रेटिव फेलियर होता है तो कभी इंटेलीजेंस. बरेली में बीते दिनों जो कुछ हुआ, वह एडमिनिस्ट्रेटिव फेलियर था। आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपका बूथ न छूट पाए, हमारे लोग सीसीटीवी और पीपीटी बनाकर नजर रखें। बिहार की राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए दावा किया कि तेजस्वी यादव बिहार में सीएम बनने जा रहे हैं।सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार, प्रेमनगर के राजेश कुमार सिंह, पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव के घर भी पहुंचे। इसके बाद डोहरा रोड स्थित एक लॉन में पूर्व विधायक सुल्तान बेग की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल हुए। यहां विवाह समारोह के बाद अखिलेश यादव शायर वसीम बरेलवी से उनके किला स्थित आवास पर मिले। शाम करीब पांच बजे वह बरेली एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

यह रहे मौजूद : जिला अध्यक्ष शिव चरण कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी, सांसद रामपुर, मोहिबुल्लाह, सांसद कौशांबी सचिन यादव, विधायक जसराना, प्रदेश सचिव मलखान सिंह, जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह यादव, डॉ देवेंद्र सिंह यादव, अशोक यादव समेत अन्य रहे।

बीजेपी के लोग खुद को भगवान से ऊपर मानते हैं

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के लोग खुद को भगवान से ऊपर मानते हैं। उन्होंने इकाना स्टेडियम का नाम बदल दिया, जबकि वह भगवान के नाम से जाना जाता था। रामपुर की घटना का जिक्र कर कहा कि वहां लाखों लोगों को वोट डालने से रोका, पुलिस को तैनात किया गया ताकि लोग घरों से बाहर न निकलें। महंगाई के मुद्दे पर कहा कि कभी मुख्यमंत्री ने एक बिजली का कारखाना लगाया? किया क्या, बिजली महंगी कर दी। भाजपा नेताओं को भूमाफिया बताते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी वाले सोना और जमीन खरीद रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी न्यू इंडिया विजन को लेकर आगे चल रही है। भविष्य के बरेली के लिए अपना मैनिफेस्टो बनाएगी।

जब कुर्सी हिलती है तो योगी जी कम्युनल हो जाते हैं

स्कूलों में वंदे मातरम को अनिवार्य किए जाने के सवाल पर कहा कि योगी जी की जब कुर्सी हिलती है तो वह कम्युनल हो जाते हैं। पटना में एयरपोर्ट पर जाते समय उन्होंने मुझसे कहा था कि वह बहुत जल्दी सीएम बनने जा रहे हैं। जब उन्हें लगता है, उनकी कुर्सी बदल दी जाएगी तो उनकी भाषा बदल जाती है। उन्हें इतिहास से कोई लेना देना नहीं है, बस उन्हें डिवीजन करना है, जबकि सपा विजन के साथ जा रही है। दिल्ली ब्लास्ट पर अखिलेश यादव ने कहा कि जो हमारा आजादी का प्रतीक है, वहां पर ब्लास्ट हो जाता है। वहां कितने प्रधानमंत्री ने झंडा फहराया है। वहां ऐसी घटना होगी। शहर में 26 सितंबर हुए बवाल पर कहा कि बरेली में जो कुछ हुआ, वो प्रशासन की नाकामी है।

कार्यकर्ताओं के फोन और पर्स चोरी

पूर्व सांसद वीरपाल के निवास पर कई कार्यकर्ताओं के फोन और पर्स चोरी हो गए। इसमें समाजवादी पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि पर्स में आधार, पैन कार्ड और पांच हजार रुपये और एटीएम था। कई अन्य कार्यकर्ताओं के फोन चोरी होने के बाद खलबली मच गई। पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्य के घर पर भी दो सपा कार्यकर्ताओं के फोन गायब होने की बात कही जा रही है।

बच्ची के दिल का छेद भरा, खिल उठे परिजनों के चेहरे

बरेली, अमृत विचार : दो वर्षीय बच्ची को जन्मजात दिल में छेद की समस्या थी, इसकी वजह से बच्ची के परिजन परेशान थे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आरबीएसके कार्यक्रम के तहत हायर सेंटर भेजकर बच्ची के दिल की निशुल्क सर्जरी कराई गई। अब बच्ची डिस्चार्ज होकर घर आ गई है। उसके परिजनों के चेहरे पर राहत भरी खुशी है। स्वास्थ्य विभाग के डीईआईसी मैनेजर डॉ पारस गुप्ता ने बताया कि दो वर्षीय बच्ची तमन्ना की स्क्रीनिंग बहेड़ी के आरबीएसके टीम बी ने की थी। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह व कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ पवन कपाही के माध्यम से बच्ची को परिजनों के साथ सर्जरी के लिए उच्च संस्थान भेजा गया।

तीन बाबुओं को हाईकोर्ट से मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- तीन महीने का समय देकर फिर कंप्यूटर परीक्षा कराने के आदेश
- डीडीओ ने स्टैंडिंग ऑफिसर इलाहाबाद हाईकोर्ट से राय मांगी

अमृत विचार : डीडीओ कार्यालय के तीन बाबुओं को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। डीडीओ दिनेश कुमार ने दो माह पहले कंप्यूटर टेस्ट में फेल होने पर चार बाबुओं को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर तैनाती के आदेश दिए थे। इनमें दो महिला लिपिकों ने ज्वाइन कर लिया था। इनमें शामिल एक महिला समेत तीन बाबू हाईकोर्ट चल गए। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश को नजीर मानते हुए तीनों को तीन महीने का मौका देकर फिर से कंप्यूटर परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं।

डीडीओ कार्यालय की नगमा, सुनीति, पिंकी और अक्षय को कुछ साल पहले कनिष्ठ सहायक के पद पर नौकरी मिली थी, लेकिन वे कंप्यूटर और टंकण में अपेक्षित प्रवीण नहीं थे। उन्हें एक वर्ष के भीतर कंप्यूटर में डीओईएसीसी सोसायटी की ओर से जारी सीसीसी प्रमाणपत्र या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी प्रमाणपत्र के साथ टंकण में 25 शब्द प्रति मिनट की गति अर्जित करने की शर्त पर नियुक्त किया गया था। हालांकि, वे दो बार मौका दिए जाने के बावजूद प्रति मिनट 25 शब्द नहीं लिख पाए थे। इसके बाद 24 सितंबर को डीडीओ ने चारों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए थे। इसमें कहा गया था कि15 दिन के अंदर यदि चारों चतुर्थ श्रेणी पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं करते हैं तो उनकी सेवाएं स्वतः समाप्त मानी जाएंगी। इसके बाद नगमा और सुनीति चतुर्थ श्रेणी के पद पर ज्वाइन कर लिया था। इसके साथ ही सुनीति, पिंकी और अक्षय हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट के आदेश के बाद डीडीओ ने स्टैंडिंग ऑफिसर इलाहाबाद हाईकोर्ट से राय मांगी है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि निर्धारित 15 दिन का समय मिलने के भीतर ही हाईकोर्ट में अपील की गई, लेकिन पूर्वग्रह से ग्रसित होकर हाईकोर्ट के निर्णय के क्रम में इनको ज्वाइन नहीं कराया जा रहा है। डीडीओ दिनेश यादव ने बताया कि तीन लिपिक हाईकोर्ट गए थे। वहां से आए निर्णय के क्रम में चीफ स्टैंडिंग ऑफिसर इलाहाबाद हाईकोर्ट से राय ली जाएगी। उनकी राय के बाद ही इनकी नियुक्ति को लेकर अग्रिम फैसला किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर लिखा जहर मेटा अलर्ट पर पुलिस ने बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पत्नी से विवाद के बिजली मिस्त्री ने जहर लिख कर डाला वीडियो

अमृत विचार : भमोरा थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद बिजली मिस्त्री ने सोशल मीडिया पर जहर लिख कर एक वीडियो डाला। जिस पर लखनऊ मुख्यालय से अलर्ट मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस टीम 12 मिनट के अंदर बिजली मिस्त्री के घर पहुंच गई। पुलिस ने उसे समझाकर ढांढस बंधाया। उसने पुलिस से वादा किया कि वह किसी भी हाल में आत्महत्या नहीं करेगा। परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बुधवार को भमोरा क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय युवक जो कि बिजली मिस्त्री का काम करता है। उसका पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे आहत होकर उसने कीटनाशक दवाई खाते हुए "जहर" लिख कर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। दोपहर 1:0 बजे मेटा कंपनी की तरफ से पुलिस मुख्यालय पुलिस महानिदेशक स्थित सोशल मीडिया सेंटर को ई-मेल के जरिए अलर्ट मिला। जिसकी जानकारी बरेली पुलिस को दी गई। भमोरा थाना पुलिस की एक टीम 12 मिनट के अंदर युवक के घर पहुंची। पुलिस टीम ने परिजनों से त्वरित जानकारी एकत्रित कर युवक के पास पहुंची, वहां पहुंचने पर देखा कि युवक लगातार उल्टियां कर रहा था। अत्यधिक अवसाद में बड़बड़ा रहा था। वह कह रहा था कि तुम अब चैन से रहो, मैं इस दुनिया से जा रहा हूं।

न्यूज ब्रीफ

हाइवे पर ट्रक ने बाइक को रौंदा, युवक घायल

बिल्सी, अमृत विचार : कछला–शाहबाद हाईवे पर स्थित शेखूपुर चौराहे पर गुरुवार की शाम एक ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल सीएचसी बिल्सी पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। नगर बिल्सी के मोहल्ला आठ साहबगंज निवासी अली मकबूल अपनी बाइक से कुछ सामान खरीदने के लिए जा रहा है। तभी बिसौली की ओर से आ रहे ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

आम का पेड़ काटने का वीडियो वायरल

कंवरगांव, अमृत विचार : थाना सिविल लाइन क्षेत्र के गांव लखनपुर में दिनदहाड़े बिना परमिशन के आम का हरा पेड़ काट दिया। अवैध कटान करने वाले लकड़ी को भर कर ले गया। अवैध कटान का वीडियो वायरल होने पर कटान करने वाले व्यक्ति ने बताया कि वन विभाग से बात होने पर पेड़ काटा गया है। ग्राम लखनपुर में कूड़ेदान सेंटर के पास आम का पुराना हरा पेड़ था जिसे गुरुवार को काट दिया। गाव के लोगों ने अवैध कटान का वीडियो वायरल कर दिया जिसके बाद बात करने पर ठेकेदार ने बताया कि पेड़ को वन दरोगा ने कटवाया है। उनसे बात हो गई है वन क्षेत्राधिकारी विकास वरुण का कहना है अगर इस तरह मामला है तो निश्चित कार्रवाई की जाएगी।

पोर्टल पर अपलोड हुई मतदेय स्थलों की सूची

बदायूं, अमृत विचार : गहन विशेष पुनरीक्षण के बाद जिले में मतदेय स्थलों का चयन किया गया है। मतदेय स्थलों की अनंतिम सूची वेबसाइट पर जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से प्रकाशित कर दी गई है। अनंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद कोई भी मतदाता संबंधित पोर्टल से विधानसभा वार मतदेय स्थलों की जानकारी हासिल कर सकता है। साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में तैनात निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। उप निर्वाचन अधिकारी डॉ वैभव शर्मा ने बताया कि 18 नवंबर तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। ईआरओ स्तर से आपत्तियों का निस्तारण होगा।

अपडेट हुआ रजिस्ट्री ऑफिस का सर्वर, पहले दिन हुए 75 बैनामे

एक सप्ताह से उप निबंधन विभाग में सर्वर ठप होने की वजह से लोग थे परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: उप निबंधन कार्यालय का पिछले सप्ताह भर से सर्वर डाउन पड़ा था। सर्वर डाउन होने की वजह से विभाग में कामकाज बंद पडा था। सर्वर को शासन स्तर से अपडेट किया जा रहा है। अब वह अपडेट हो गया है। गुरुवार को संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई। हालांकि सुबह के समय कुछ समय के लिए सर्वर की स्पीड स्लो रहीं। लेकिन इसके बाद सही से काम करने लगा। शाम छह बजे तक 75 संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई। रजिस्ट्री कराने के लिए आए लोगों की वजह से उप निबंधन कार्यालय में गहमा गहमी का माहौल बना रहा।

उप निबंधन कार्यालय के सर्वर को शासन स्तर से अपडेट किया जा रहा था। यह कार्य करीब सप्ताह भर तक जारी रहा। सर्वर अपडेट होने की वजह से संपत्तियों की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही थी। उप निबंधन विभाग के सर्वर को एनआईसी के मेघराज क्लाउड सर्वर को नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड (एनजीसी) पर स्थानांतरित कर दिया गया है। जिसका ट्रायल बीती 11 नवंबर को किया गया था। लेकिन सर्वर में तकनीकी दिक्कत आ रही थी। सर्वर धीमी गति से काम कर रहा था। जिसकी वजह से एक भी रजिस्ट्री नहीं हो पाई। सर्वर में दिक्कत होने की वजह से संपत्ति की रजिस्ट्री कराने आए लोगों को वापस भेज दिया गया। शुक्रवार को भी सुबह के समय सर्वर की गति धीमी रही। एक घंटे बाद सर्वर सही से काम करने लगा। इसके बाद संपत्तियों की रजिस्ट्री करने का काम तेजी से शुरू किया गया। स्थिति यह रही कि दो बजे तक करीब 50 संपत्तियों की रजिस्ट्री हो गई। लोगों की संख्या अधिक होने की वजह से रजिस्ट्री के लिए एक घंटे का समय बढ़ाकर शाम छह बजे तक किया गया था। शाम तक 75 रजिस्ट्री हुई। जबकि अन्य दिनों में प्रतिदिन 35 से 40 ही रजिस्ट्री होती थी। लेकिन कई दिनों से सर्वर बंद होने की वजह से शुक्रवार को रजिस्ट्री कराने वाले लोगों की संख्या अधिक रही। जिसकी वजह से शाम तक उप निबंधन कार्यालय में गहमा गहमी का माहौल बना रहा।

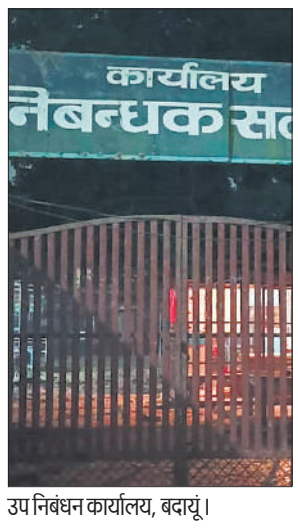

उप निबंधन कार्यालय, बदायूं।

- **सर्वर सही होने के बाद संपत्तियों का बैनामा कराने वालों की सुबह से शाम तक लगी रही भीड़**

सर्वर अपडेट हो गया है। सुबह के समय कुछ दिक्कत रही। लेकिन उसके बाद सही से काम करने लगा। अधिक दिनों तक सर्वर के बंद रहने से रजिस्ट्री कराने वाले लोगों की संख्या अधिक रही। शाम तक करीब 75 संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई है।
– **सैय्यद नदीम रजा**, सब रजिस्ट्रार, सदर कार्यालय

खूटा तोड़ने की शिकायत पर धारदार हथियार से हमला

विजय नगला, अमृत विचार : धारदार हथियार से देवर और भाभी से मारपीट करके घायल कर दिया गया। घायल की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव मरुआ निवास चरन सिंह पुत्र रामलाल ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि 31 अक्टूबर की सुबह 9 बजे गांव के ही रतन पाल ने पशु बांधने वाला खूंटे को अपने ट्रैक्टर से तोड़ दिया। उनकी भाभी इग्निशा देवी ने ने रतन पाल से पूछा कि उन्होंने खूंटा क्यों तोड़ा तो उसने गाली गलौज शुरू कर दी। जिसके बाद चरन सिंह उसे मार्ग से खेत की ओर गुजरे। विवाद होता देखकर वह मौके पर पहुंच गए। गाली देने का विरोध किया। इतने में पप्पू, फतेह सिंह, धर्मपाल अपने हाथों में लाठी डंडा और धारदार हथियार लेकर आए और उन पर हमला कर दिया। हमला में देवर और भाभी घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग आ गए। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अपराधों के प्रति रहें जागरूक और एकजुट

श्रद्धांजलि के दौरान मौन धारण करती संगठनों की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **अखिल भारतीय वैश्य महिला कुटुंब और अखिल भारतीय सर्व समाज महिला कुटुंब ने निकाला श्रद्धांजलि मार्च**

अमृत विचार : दिल्ली में हुए ब्लास्ट को लेकर अखिल भारतीय वैश्य महिला कुटुंब और अखिल भारतीय सर्व समाज महिला कुटुंब की महिला इकाई ने श्रद्धांजलि मार्च निकाला गया। दो मिनट का मौन धारण किया गया। मोमबत्ती जलाकर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

कार्यक्रम की संचालक अधिवक्ता डॉ. प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की इस अमानवीय घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि ऐसे अपराधों के प्रति जागरूक और एकजुट रहे। यह घटना सिर्फ कुछ व्यक्तियों की नहीं बल्कि पूरे समाज की वेदना है। हमें सुरक्षा, सम्मान और न्याय के लिए एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष महिषा सिंह, महामंत्री पूनम रस्तोगी, मीरा गुप्ता, महिष सिंह, नीता गुप्ता, रोजी रस्तोगी, डॉ. उमा सिंह गौर, दीप्ति गुप्ता, कंचन गुप्ता, अंजलि महाजन, निशा गुप्ता, मधुरिमा रस्तोगी, कांति गुप्ता आदि उपस्थित रहीं।

आरटीआई के तहत 3 बार मांगी सूचना मिली अधूरी

संवाददाता, बिल्सी

- **कई साल से एक ही जगह पर तैनात अधिकारी और कर्मचारियों के बारे में मांगी थी सूचना**

अमृत विचार : सूचना कार्यकर्ता एवं जन दृष्टि व्यवस्था सुधार मिशन के जिला समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता अर्येन्द्र पाल सिंह ने डीएम से मांग की है कि कई साल से एक ही जगह पर तैनात अधिकारी और कर्मचारियों के दूसरी जगह पर स्थानांतरण किए जाएं।

तहसील सहसवान क्षेत्र के गांव धपड़ निवासी अर्येंद्र पाल सिंह पुत्र सतीश कुमार ने 6 मार्च को आरटीआई डाली थी। पूछा था कि जिले में कितने अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। तहसीलों में कितने अधिकारी व कर्मचारी तीन साल से ज्यादा समय से तैनात हैं। उनके अनुसार राजस्व विभाग ने यह कहकर सूचना देने से मना कर दिया कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2015 के नियम 4(2) ख आदि से बाधित होने के कारण सूचना नहीं दी जा सकती। जिससे वह सहमत नहीं हुए। जिसके चलते उन्होंने 10 अप्रैल को प्रथम अपील की। तब भी यी जवाब मिला तो उन्होंने 21 जुलाई को द्वितीय अपील राज्य सूचना आयोग में की। जिसमें जन सूचना अधिकारी ने बताया कि अर्येंद्र पाल को सूचना दी जा चुकी है। अर्येंद्र पाल के अनुसार राज्य सूचना आयोग ने प्रार्थी को सही सूचना देने का आदेश दिया। अर्येंद्र पाल का कहना है कि उन्हें व्हाट्सएप पर 8 नवंबर को सूचना दी गई जो अभी भी अधूरी है।

युवक की हत्या में दूसरे आरोपी को किया गिरफ्तार

उसहैत, अमृत विचार : टिकाई पुख्ता के मजरा चेतराम नगला निवासी राजवीर के बेटे ज्ञान सिंह की रोटावेटर में फंसकर मौत हो गई थी। जानकारी पर परिजन खेत पर पहुंचे थे। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। मृतक के पिता राजवीर सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव देवकली निवासी शुभम पुत्र नरेंद्र, चेतराम नगला निवासी भगवान सिंह ने षड्यंत्र रचकर ज्ञान सिंह को ट्रैक्टर और रोटावेटर किराए पर लेकर खेत पर बुलाया था। उन्होंने शुभम और भगवान सिंह पर ज्ञान सिंह को रोटावेटर से दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। रविवार को भगवान सिंह को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दूसरे आरोपी शुभम को जेल भेज दिया।

पटेल की एक भारत की कल्पना को पूरा कर रही भाजपा

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर बिल्सी विधानसभा के विधायक हरीश शाक्य के नेतृत्व में गुरुवार को पदयात्रा निकाली गई। गांव कुरऊ से पदयात्रा का आरंभ हुआ। गांव भरकुइया, बसंत नगर, रोशन नगर मोड़ आदि पर ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा करके पदयात्रा का स्वागत किया। गांव बरायमय खेड़ा में समापन हुआ। जहां एक सभा का आयोजन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जिस भारत की कल्पना की थी वह कल्पना अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार साकार कर रही है। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का देश के एकीकरण में दिया गया योगदान कभी भुलाया नहीं जाएगा। बिल्सी विधायक ने कहा सरदार पटेल के आदर्शों से प्रेरित होकर भारत आज एकता अखंडता और सुरक्षा के पथ पर निरंतर अग्रसर है। रन फॉर यूनिटी का आयोजन सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है। मोदी योगी सरकार ने विकास के साथ-साथ राष्ट्रवाद और जन सेवा की नई संस्कृति स्थापित की है और भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। देशवासियों को सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। इस मौके पर डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना, राजेश्वर पटेल, अशोक भारती, सुधीर श्रीवास्तव, शिशुपाल शाक्य, दीपक चौहान, ओमप्रकाश सागर, सत्यवीर सिंह, मुनीश राघव, गिरीश पाल सिसोदिया, विवेक राठी, अर्जुन सिंह, अंकित मौर्य, राहुल शाक्य आदि उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते वन मंत्री।

पदयात्रा के दौरान बिल्सी विधायक हरीश शाक्य का स्वागत करती भीड़।

- **गांव बरायमय खेड़ा में सभा में बोले वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार**

सहालग शुरू होते ही सराफा बाजार में रौनक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

एक ज्वेलर्स के यहां से आभूषण की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

- **सोने चांदी की हो रही खरीदारी ग्राहक बोले फिर बढ़ने लगे दाम**

अमृत विचार: सहालग शुरू होते ही सर्राफा बाजार में रौनक लौटने लगी है। सहागल में एक बार फिर सोने चांदी के आभूषणों के दाम बढ़ने लगे हैं। साथ ही आभूषणों की बिक्री भी बढ़ गई है। जिसकी वजह से गहनों का वजन भी कम हो गया है। लोग अपनी क्षमता के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं।

दीपावली त्योहार के दौरान सोने और चांदी के दामों में तेजी से उछाल आया था। सोना 1.35 लाख दस ग्राम पर और चांदी 1.69 लाख प्रति पर पहुंच गए थे। त्योहार बीतने के बाद सर्राफा बाजार में सन्नाटा से पसर गया था। इसके बाद सोने और चांदी के दामों में आई है। 24 कैरेट सोने का भाव 1.25 लाख रुपए तक पहुंच गया था। सहालग शुरू होते ही अब फिर से दाम बढ़ने लगे हैं। गुरुवार को 24 कैरेट का भाव 1.30 लाख दस ग्राम पर बिका। और 22 कैरेट 1.16 लाख दस ग्राम बिका। चांदी 1.62 प्रति किलोग्राम पर बिकी। सहालग के चलते सराफा बाजार में रौनक लौट आई है। आभूषणों की बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वैश्य का कहना है कि धनतेरस के मुकाबले सोने-चांदी के आभूषण सस्ते हुए हैं। धनतेरस पर चांदी 1.85 लाख रुपये प्रति किलो थी, जो आज 1.60 लाख रुपये है। वहीं, सोना 1.35 लाख रुपये प्रति दस ग्राम था। यह अब 1.30 लाख रुपये है। सराफा कारोबारी प्रमुख वैश्य ने बताया कि सोने और चांदी के आभूषणों की कीमतों में कमी से बाजार में अभी बड़ा बदलाव नहीं है। सहागल के चलते लोग अपनी जरुरत के मुताबिक आभूषण की खरीदारी कर रहे हैं। आभूषणों के दाम बढ़ने की वजह से उनका वजन भी कम कर दिया गया है।

अवैध मदरसों की जांच कराने की मांग

संवाददाता, ओरछी

- **कस्बा फैजगंज निवासी युवक ने मुख्यमंत्री, जिला अधिकारी और एसएसपी से की शिकायत**

अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के कस्बा फैजगंज निवासी व सामाजिक कार्यकर्ता ने डीएम, एसएसपी और मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजा है। जिसमें बताया कि कस्बा क्षेत्र में अवैध रूप से मदरसों का संचालन किया जा रहा है। जहां पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इसके अलावा इन मदरसों में अक्सर बाहरी लोगों का आना जाना लगा रहता है। जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मदरसों की जांच कराने की मांग की है।

फैजगंज निवासी आशीष तिवारी ने शिकायत करके बताया कि कस्बा और आसपास कई मदरसे चल रहे हैं। जो बिना मान्यता के संचालित हैं। इन मदरसों में अक्सर कुछ बाहरी प्रदेशो के संदिग्ध लोग आते हैं। वह लोग किस काम से आते हैं यह तो मदरसा के लोग ही जानते हैं। कुछ लोग कश्मीरी वेश भूसा में भी आते जाते रहे हैं। इनके साथ नकाबपोश महिलाएं भी काले बड़े बैग लटकाकर आती हैं। इन संदिग्ध लोगों की वजह से कस्बा के लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री के सुशासन का हवाला देते हुए कहा है कि ऐसे में किसी खुफिया जांच एजेंसी द्वारा इन मदरसों और आने जाने वाले संदिग्धों की जांच कराना बहुत जरूरी है।

विश्व मधुमेह दिवस आज, लगेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बदायूं, अमृत विचार : 14 नवम्बर को सभी आरोग्या मंदिरों पर विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाएगा। साथ ही जिला अस्पताल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बीमारी की जानकारियां दी जाएंगी। उक्त जानकारी स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गयी है। एसीएमओ डा. मोहन झा ने बताया कि शुक्रवार को विश्व मधुमेह दिवस सभी आरोग्य मंदिर पर मनाया जाएगा। लोगों को मधुमेह सहित अन्य बीमारियों से बचाव की जानकारी दी जाएगी।इसके साथ ही जिला अस्पताल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा जिसमें सभी डॉक्टर और वार्ड ब्वॉय मौजूद रहेंगे।

रेलवे स्टेशन पर बरती जा रही कड़ी सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **दिल्ली बम धमाके के बाद प्लेटफार्म पर रखी जा रही संदिग्धों पर नजर**

अमृत विचार : दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। हाई अलर्ट घोषित होने के बाद रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों की तलाशी शुरू कर दी गयी है। प्लेटफार्म एक और दो पर कड़ी निगरानी की जा रही है।

दो दिन पूर्व दिल्ली के लालकिले के निकट हुए बम धमाकों के बाद देशभर में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। हाई अलर्ट घोषित होने के बाद यहां पर दो दिन से रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार की रात को थाना सिविल लाइन पुलिस और जीआरपी पुलिस ने संयुक्त रूप से प्लेटफार्म पर चेकिंग अभियान चलाया। प्लेटफार्म पर बैठे यात्रियों के सामान की तलाशी ली गयी। उनसे पूछताछ की गयी। रेलवे स्टेशन परिसर में खड़े वाहनों को देखा गया। रोड पर दुकानदारों से बात की गयी। दुकानों के अंदर बैठे लोगों से भी पूछताछ की गई। जीआरपी थानाध्यक्ष बीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बम धमाके के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गयी है। थाना सिविल लाइन पुलिस दो दिन से रात को चेकिंग अभियान चला रही है। प्लेटफार्म पर बैठे यात्रियों के सामान को खंगाला जा रहा है।

बम ब्लास्ट के बाद अलर्ट, चलाया चेकिंग अभियान

कुंवर गांव, अमृत विचार : दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद हाई अलर्ट घोषित किया गया है। पुलिस जगह जगह चैकिंग अभियान चला रही है। पुलिस ने गुरुवार को कस्बा सहित कई गांवों में चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध वस्तुओं , विस्फोटक सामग्री को चेक किया। थानाध्यक्ष राजेश कौशिक ने अधिकारियों के निर्देशन में चैकिंग अभियान चलाया और क्षेत्र में आतिशबाजी के लाइसेंस धारकों के भंडारण और लाइसेंस को चेक किया। प्रहलादपुर कच्चे मार्ग पर एक आतिशबाज के गोदाम को चेक किया। एसओ राजेश कौशिक ने बताया कि दिल्ली ब्लास्ट को लेकर पुलिस अलर्ट है। लगातार संदिग्ध वस्तुओं और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है ।

खाद-बीज की दुकानों का किया सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

दुकान पर रखी खाद का स्टॉक चेक करते कृषि अधिकारी। ● अमृत विचार

- **सत्यापन में दुकानों पर कृषि अधिकारी गेहूं बीज के लिए चार सैंपल, जांच को भेजे**

अमृत विचार: कृषि अधिकारी ने आधा दर्जन खाद बीज की दुकानों का निरीक्षण किया। उनके द्वारा उर्वरक और बीज संबंधी अभिलेख चेक किए। साथ ही गेहूं बीज के चार सैंपल लिए। सभी सैंपल को जांच के लिए लैब में भेजा है।

रबी फसल का सीजन चल रहा है। गेहूं की बुवाई का तेजी से हो रहा है। किसान सरकारी गोदाम के साथ ही निजी दुकानदारों से बीज की खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में नकली बीज की संभावना के चलते जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत ने खाद बीज की बिक्री करने वाली दुकानों का निरीक्षण किया। कृषि अधिकारी ने बिसौली, इस्लामनगर और बिल्सी क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक दुकानों का निरीक्षण किया। दुकानों पर रजिस्टर से रखे खाद स्टॉक का मिलान किया। बिल वाउचर देखे। इस दौरान उन्हें गेहूं बीज के चार सैंपल लिए। इन सभी सैंपल को जांच के लिए लैब में भेजा है। वहीं दुकानदारों को चेतावनी दी है कि अगर उनके द्वारा नियमों के विरुद्ध खाद बीज की बिक्री की गई तो कार्रवाई कर दी जाएगी। लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा।

बैलगाड़ी से गिरकर किसान की मौत

बदायूं, अमृत विचार : पुआल लादते समय एक किसान बैलगाड़ी से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सैफई के राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई।

घटना वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव कुनार की है। गांव निवासी शिव कुमार (28) पुत्र वीरपाल सिंह के पास जमीन नहीं है। वह मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते थे। मंगलवार को वह खेत पर काम कर रहे थे। वह धान के पुआल बैलगाड़ी में लाद रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया। वह बैलगाड़ी से नीचे जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें उठाकर जिला अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने रेफर कर दिया। परिजनों ने शिव कुमार को सैफई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ट्रायल रहा सफल, 18 को चालू होगी मिल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **बिसौली चीनी मिल के क्रय केंद्रों पर गन्ने की तौल आज से**
- **गन्ना विभाग करेगा कांटा चेक घटतौली पर रहेगी नजर**

अमृत विचार : बिसौली की यदु शुगर मिल का ट्रायल कर लिया गया है। अब मिल प्रशासन मिल में गन्ना पेराई सत्र शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संभावना है कि 18 नवंबर को गन्ना पेराई शुरू कर दी जाए। मिल के सभी क्रय केंद्र लग चुके हैं जिन पर शुक्रवार से तौल शुरू करने की बात कही जा रही है।

यदु शुगर मिल ने पहले 11 नवंबर को मिल में गन्ना पेराई शुरू करने की जानकारी दी थी, उसके बाद 14 नवम्बर की तिथि दी गयी, लेकिन अब एक बार फिर तिथि बदल कर आगे बढ़ा दी गयी है अब 18 नवम्बर को मिल चालू होने की बात कही जा रही है। जबकि मिल प्रशासन इससे पहले ही गन्ना पेराई शुरू करने की बात कह रहा है। बिसौली की चीनी मिल के सभी 43 गन्ना क्रय केंद्र खोल दिए गए हैं। सभी केंद्रों पर गन्ने की तौल शुक्रवार से शुरू करने की जानकारी दी गयी है।

जिला गन्ना विभाग द्वारा बताया गया कि चीनी मिल ने ट्रायल कर लिया है। अब 18 नवंबर को मिल में गन्ना पेराई सत्र शुरू कर दिया जाएगा। इससे पहले मिल प्रशासन अपनी तैयारी पूरी कर रहा है। क्रय केंद्रों से आने वाला गन्ना डालने को मैदान साफ किया गया है। पुराना कूड़ा कबाड़ हटाया गया है जिससे किसानों को किसी तरह की दिक्कत न हो। बिसौली चीनी मिल पर अभी तक करीब 25 करोड़ का बकाया है। उक्त बकाया धनराशि का जल्द भुगतान करने का आश्वासन दिया गया है। मिल के जनरल मैनेजर अनिल सिंह ने बताया कि गन्ना किसानों को करीब 80 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है। जल्द ही शेष भुगतान भी कर दिया जाएगा। किसानों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। मिल प्रशासन के पास चीनी स्टाक है जिसे बेच कर भुगतान कर दिया जाएगा।

43 क्रय केंद्रों पर होगी गन्ना खरीद

बिसौली चीनी मिल के इस बार 9 गन्ना क्रय केंद्र कम कर दिए गए हैं। इनमें से 6 क्रय केंद्र हरदोई की रूपापुर चीनी मिल को आवंटित किए गए हैं जबकि तीन चीनी मिल फरीदपुर की चीनी मिल को दिए गए हैं। यदु शुगर मिल के पास इस बार कुल 43 क्रय केंद्र हैं जबकि पिछले साल मिल के पास 52 क्रय केंद्र थे। अब नौ क्रय केंद्र कम हो जाने पर मिल को गन्ने की दिक्कत हो सकती है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

प्लाट में मिले नवजात को निजी अस्पताल में कराया भर्ती

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र के एक प्लाट में गुरुवार शाम नवजात बच्चा पड़ा मिला। बच्चे के रोने के दौरान राहगीर मौके पर पहुंचे। कस्बा निवासी टिंकू ने नवजात को बिसौली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां नवजात को वार्मर के सहारे भर्ती किया गया है। चिकित्सक के अनुसार नवजात की स्थिति सामान्य है। नवजात को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक कमल शर्मा ने बताया कि नवजात को एसएनसीयू में भर्ती कराया जाएगा। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

मानसिक रोग से बचने के लिए तनाव से दूर रहें छात्र-छात्राएं

बहजोई, अमृत विचार : जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शिवदेवी इंटरमीडिएट कॉलेज में चिकित्सकों ने मानसिक रोग के लक्षणों के बारे में बताया। मानसिक रोग से बचने के लिए छात्र-छात्राओं को टिप्स दिए। डा. जयकिशन ने विद्यार्थियों को मानसिक रोग के लक्षणों के जानने, पहचानने तथा इसके निदान के बारे में अवगत कराया। डा. प्रेमपाल सिंह ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति तब उत्पन्न हो सकती है जब सोच, भावना या व्यवहार में बदलाव किसी व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को बाधित करता है। प्रधानाचार्य शिवशंकर शर्मा ने कहा कि यदि आप कभी भी परेशानी महसूस करें तो किसी शिक्षक, मार्गदर्शक या अभिभावक से बात करने से आपको ताकत मिलती है, आप अकेले नहीं हैं। प्रबन्धक रजत गोयल, डा. कोमल, शिवशंकर शर्मा, प्रदीप कुमार, अरूण कुमार, अनुज कुमार, दिव्यांशी शर्मा मौजूद रहे।

घर में लगी आग, डेढ़ लाख का सामान जला

बदायूं, अमृत विचार : उसहैत थाना क्षेत्र के गांव लीला नगला निवासी नत्थू शाक्य के घर में अचानक आग लग गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने जैसे तैसे आग पर काबू पाया लेकिन तब तक नगदी, अनाज, चारा, कपड़े आदि घर का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस पहुंची। लगभग डेढ़ लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

लापता हुए छात्र को पुलिस ने किया बरामद

उसहैत, अमृत विचार : जूनियर हाईस्कूल का एक छात्र लापता हो गया था। प्रभारी निरीक्षक ने उसे बरामद कर लिया है। सोरन का 14 साल का बेटा पवन कुमार कस्बा के जूनियर हाईस्कूल में पढ़ता है। वह सुबह 9 बजे स्कूल गया था लेकिन वह स्कूल नहीं पहुंचा। परिजनों के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। प्रभारी निरीक्षक अजय पाल सिंह ने टीमों का गठन किया। गुरुवार को छात्र को बरामद कर लिया गया है।

नई पैथोलॉजी लैब में खून की जांच शुरू

जिला अस्पताल में मरीजों को इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा, दो और नई मशीनें जल्द लगाई जाएंगी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला अस्पताल में बहुप्रतीक्षित पैथोलॉजी लैब की नई बिल्डिंग में गुरुवार को मशीन शिफ्ट कर ब्लड की जांच शुरू कर दी गई। नई पैथोलॉजी लैब में काम शुरू होने से लैब कर्मचारियों ने भी राहत की सांस ली है, वहीं मरीजों को अब इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा। पहले दिन करीब 37 मरीजों का ब्लड चेक किया गया।

जिला अस्पताल में लैब का विस्तारीकरण किया गया है। इसके लिए पुरानी लैब की बिल्डिंग को तोड़ कर नई और बड़ी बिल्डिंग बनाई गई है। करीब 50 लाख की लागत से तैयार बिल्डिंग को पिछले कई दिनों से सजाया जा रहा था। बिल्डिंग के अंदर सभी जरूरी उपकरण एसी, विंडो, अग्निशमन के सभी यंत्र लगाए गए हैं। जिससे कसी बड़ी आग की घटना से बचा जा सके।

नई बिल्डिंग में फिलहाल पुरानी एक ही मशीन से ब्लड की जांच की जाएगी। कुछ समय बाद दो और नई मशीनें मंगाई जाएंगी उसके बाद फिर एक साथ तीन मशीनों से ब्लड के विभिन्न ब्लड ग्रुप की जांच की जा सकेगी। नई पैथोलॉजी लैब में सभी तरह की जांचें कराई जाएंगी। जिला अस्पताल में तैयार की गयी नई बिल्डिंग में काम शुरू करते हुए लैब टेक्नीशियन ने कहा कि अब तक काफी दूर लैब थी। उसमें बैठना भी मुश्किल होता था, लेकिन आज एक साल बाद राहत मिली है। कर्मचारियों ने कहा कि यहां पर मरीजों को धूप में भी नहीं खड़ा होना पड़ेगा। सभी मरीज बिल्डिंग के अंदर आकर लाइन लगा सकेंगे जिससे उन्हे किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

सीएमएस डॉ. अमित वार्ष्णेय ने बताया कि गुरुवार से नई बिल्डिंग में मशीन शिफ्ट कर काम शुरू कर दिया गया है। अब सभी तरह की जांचें एक ही जगह पर हो सकेंगी।

बताया कि अभी पुरानी एक ही मशीन से ब्लड की जांच की जाएगी। कुछ समय बाद कंपनी की ओर से दो और नई मशीनें मंगाई जाएंगी। जिसके बाद यहां पर भीड़ नहीं लगेगी। मरीज को उसी दिन ब्लड रिपोर्ट देने की कोशिश की जाएगी यदि किसी तरह उसी दिन रिपोर्ट नहीं मिल पाती है तो दूसरे दिन ब्लड रिपोर्ट दे दी जाएगी। इसलिए ब्लड टेस्ट कराने में अब किसी को दिक्कत नहीं होगी।

नई पैथोलॉजी लैब के अंदर जाते मरीज।

विहिप ने रक्तदान कर मनाया हुतात्मा दिवस

शिविर में रक्तदान करते युवक।

बदायूं, अमृत विचार : अयोध्या में कारसेवा के दौरान मारे गए लोगों की याद में बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद ने जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर लगा कर हुतात्मा दिवस मनाया। रक्तदान दिवस में करीब आधा दर्जन से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया। गुरुवार को जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद में रक्तदान शिविर लगा कर हुतात्मा दिवस मनाया। बजरंग दल के जिलाध्यक्ष नीरज रस्तोगी ने कहा कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के दौरान तत्कालीन प्रदेश सरकार की क्रूरता के चलते सैकड़ों कारसेवक मारे गए थे। उन कारसेवकों को श्रद्धांजलि देने को प्रतिवर्ष आज के दिन ही हुतात्मा दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर संगठन रक्तदान शिविर लगा कर रक्तदान करता है। जिला संयोजक हरिओम पाठक ने कहा कि आज के दिन विहिप और बजरंग दल संयुक्त रूप से रक्तदान दिवस लगा कर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। इस मौके पर आधा दर्जन से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में उज्जवल गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी और संगठन कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महालक्ष्मी नारायण यज्ञ की श्रद्धालुओं ने की परिक्रमा

संवाददाता, म्याऊ

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव सौंधामई में महालक्ष्मी नारायण यज्ञ में के बीच परिक्रमा का आयोजन किया गया। भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक पं. खुशी राम महाराज ने रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया। साथ ही झांकी भी प्रस्तुत की।

गुरूवार को कथा व्यास ने रूकमिणी कथा प्रसंग सुनाते हुए कहा कथा श्रवण से मनुष्य के सभी पाप धुल जाते हैं। स्वामी संतभास्करानन्द महाराज के नेतृत्व में चल रही कथा में आचार्य खुशीराम महाराज ने कहा कि सत्कर्म के मार्ग पर चलकर ही ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है। उन्होंने रुक्मिणी विवाह ठाकुर जी की झांकी का स्वागत भक्त जनों से कराया। कथा सुनकर श्रोता आनंदित हो उठे। कथा प्रबंधक प्राचार्य पं. जगदत्त मिश्रा ने बताया कि कथा 14 नवंबर तक चलेगी। तत्पश्चात भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। कार्यक्रम में पं. केशवदत्त मिश्रा, प्रेम शंकर मिश्रा, विश्वनाथ मिश्रा, देवेंद्र सिंह, ग्रीन भान सिंह, रामचंद्र सिंह शाक्य समेत सभी ग्राम वासियों का सहयोग रहा।

यज्ञ में कथा सुनते भक्तगण। ● अमृत विचार

जिले के छह केंद्रों पर होगी विद्या ज्ञान परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● 30 नवंबर को होनी है परीक्षा 4098 बच्चों ने किया आवेदन

अमृत विचार : विद्या ज्ञान परीक्षा 30 नवंबर को होगी। इसकी विभाग तैयारी कर रहा है। परीक्षा के लिए छह कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के लिए 4098 बच्चों ने आवेदन किया है। परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों के लिए निशुल्क आवासीय शिक्षा का लाभ दिया जाएगा।

शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए तीस नवंबर के लिए विद्या ज्ञान परीक्षा आयोजन किया जाएगा। विद्या ज्ञान परीक्षा के लिए ग्रामीण अंचल के 4098 बच्चों ने आवेदन किया है। परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई जाएगी। प्रथम पाली में बालिकाओं की परीक्षा संपन्न होगी। 2,577 बालिकाओं के द्वारा आवेदन किया गया है। दूसरी पाली में बालक परीक्षा में शामिल होंगे। बालिकाओं के मुकाबले 1521 बालकों ने आवेदन किया है। परीक्षा के लिए शिक्षा विभाग की ओर से छह कॉलेज श्री कृष्ण इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, संतोष कुमार मेमोरियल इंटर कॉलेज गनगोला, नेहरू इंटर कॉलेज अलापुर, मदन लाल इंटर कॉलेज बिसौली और प्रमोद इंटर कॉलेज सहसवान को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में कराई जाएगी। परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक लालजी यादव ने बताया कि विद्या ज्ञान परीक्षा 30 नवंबर को होगी। छह कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के लिए 4098 बच्चों ने आवेदन किया है। परीक्षा की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ की नारेबाजी

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान में अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ नारेबाजी की।

अधिवक्ताओं का कहना था कि वह एसडीएम के पास कार्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायत लेकर पहुंचे थे। इस दौरान उनकी एसडीएम से तीखी नोंकझोंक हो गई। आरोप है कि एसडीएम ने अधिवक्ताओं के साथ अभद्रता कर दी। गुरुवार को भी अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर एसडीएम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें हटाने की मांग की है। सहसवान एसडीएम साईं आश्रित साखमुरी ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं से केवल संबंधित अधिकारी या कर्मचारी का नाम पूछकर वार्ता करने को कहा गया था। अभद्रता या अपशब्द कहने का आरोप पूरी तरह से निराधार है।

पुलिस कार्यप्रणाली व कानून व्यवस्था को लेकर किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जागरुकता कार्यक्र में अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रंथ एलवी एंटनी देव कुमार, एसएसपी, सीओ व छात्र-छात्राएं।

● रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में एक्सपीरियंशल लर्निंग के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक

अमृत विचार : अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रंथ एलवी एंटनी देव कुमार बदायूं पहुंचे। रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में पुलिस एक्सपीरियंशल लर्निंग (एसपीईएल) प्रोग्राम फेज 2 के तहत छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्यशैली आदि के बारे में बताया। पुलिस व प्रशासनिक कार्यों के प्रति जागरूक किया। साथ ही छात्रों को पुलिस कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था व सामाजिक उत्तरदायित्वों से अवगत कराया।

उन्होंने एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह के साथ युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित स्टूडेंट पुलिस एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम के तहत राजकीय महाविद्यालय, गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय, गोविंद बल्लभ पंत महाविद्यालय के विद्यार्थियों को पुलिस कार्यप्रणाली और भीड़ नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया गया। बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक स्तर के छात्र-छात्राओं को पुलिस विभाग की संरचना और कर्तव्य से परिचित कराया जाना है। जिससे छात्र-छात्राओं के संज्ञानात्मक कौशल व लोक कौशल में सुधार हो। कानून और आपराधिक प्रक्रिया, अपराधिक अनुसंधान, यातायात नियंत्रण, साइबर क्राइम, मानव तस्करी व कानून व्यवस्था जैसे विषयो पर समझ विकसित हो सके। सामान्य पुलिसिंग सम्बन्धी आधारभूत ज्ञान, नशा उन्मूलन सम्बन्धी ज्ञान हो सके। अधिकारियों ने प्रभावी बनाने के लिए विद्यार्थियों को सुना। भारतीय न्याय संहिता और अन्य महत्वपूर्ण कानूनों के अलावा महिलाओं और बच्चों संबंधी अपराधों से जुड़ कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया। प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ नगर रजनीश कुमार उपाध्याय, सीओ उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

कस्बे में अवैध रूप से चल रहे स्कूल

उझानी, अमृत विचार : कस्बे में शिक्षा विभाग को तीन विलय चुनौती बने हुए हैं। विभागीय अधिकारियों ने 1 नवंबर को तीनों विद्यालय बंद करने के निर्देश दिए हैं फिर भी तीनो विद्यालय संचालित हैं।अवैध रूप से चल रहे स्काई विद प्ले स्कूल, किड्स प्लेनेट स्कूल, लिटिल पर्ल स्कूल, हैं। तीनों खुल रहे हैं। प्ले स्कूल के संचालक विवेक छाबड़ा ने बताया कि हमारा स्कूल नहीं है प्ले ग्रुप से हम चला रहे हैं। प्ले ग्रुप की किसी प्रकार कोई मान्यता नहीं होती है किड्स प्लेनेट स्कूल की संचालक वंदना बब्बर ने बताया कि छोटे बच्चों को हम पढ़ाते हैं। प्ले ग्रुप की पढ़ाई करते हैं और प्ले ग्रुप की शिक्षा विभाग की ओर से कोई भी मान्यता नहीं ली जाती है।

बाल दिवस पर शिशु शिक्षा सदन में सजा बाल मेला

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर के अटल चौक स्थित शिशु शिक्षा सदन जूनियर हाईस्कूल में बृहस्पतिवार को बाल दिवस के अवसर पर बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, तरह-तरह की दुकानों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मेले का आरंभ प्रबंधक रजनीश शर्मा एवं प्रधानाचार्य मीनाक्षी शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। बच्चों द्वारा लगाई गई दुकानों का मूल्यांकन करने पर अर्चित यादव और लव चौहान ने प्रथम स्थान, ललिता एवं हिमांशी ने द्वितीय स्थान, जबकि कृष्णा और वरुण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की ओर से सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने बच्चों को बाल दिवस का महत्व बताया और उन्हें जीवन में सदैव ईमानदारी व परिश्रम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

बाल मेले में दुकानों पर खड़े बच्चे।

वॉलेंटियर कार्यशाला में दी योजनाओं की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विकास खंड म्याऊ परिसर में गुरुवार को जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलायंस द्वारा एक दिवसीय वॉलेंटियर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

गुरुवार को आयोजित कार्यशाला में संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान ने अतिथि एवं वॉलेंटियर का परिचय कर मां सरस्वती पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग से छवि वैश्य डीएमसी द्वारा कन्या सुमंगला योजना, निरक्षित पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि की जानकारी दी। प्रीति चौहान जेंडर स्पेशलिस्ट ने सभी टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी। मुख्य सेविका दीक्षा यादव ने बच्चों के टीकाकरण, पोषाहार व विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी, चाइल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाइजर सुनील कुमार ने बच्चों के बाल अधिकार और टोल फ्री नंबर 1098 के बारे में विस्तार से बताया। स्वास्थ्य विभाग से आनंद कुमार द्वारा क्षय रोग मलेरिया, टाइफाइड, जननी सुरक्षा योजना की जानकारी दी। प्रोग्राम मैनेजर द्वारा बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया। काउंसलर चेतना ने बाल अधिकार, बाल शोषण के बारे में बताया। संस्था समन्वयक देवेन्द्र पाल ने बाल श्रम निषेध अधिनियम और श्रम विभाग से मिलने वाली योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। एडीओ कृष्ण पाल सिंह द्वारा ब्लॉक स्तर पर चल रही समाज कल्याण की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। संस्था सचिव मीना सिंह ने अतिथि एवं वॉलेंटियर का आभार व्यक्त किया।

बदायूं डायरी

कांग्रेस पदाधिकारियों ने दिल्ली ब्लास्ट में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

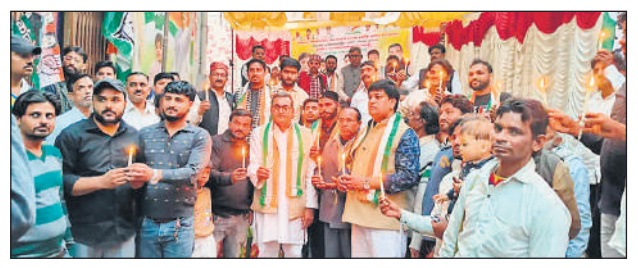
बदायूं, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी ने मोमबत्ती जलाकर दिल्ली बम धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने इस्लामनगर में दो मिनट का मौन धारण करके मृतकों को नमन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जिला उपाध्यक्ष बफाती मियां, जिला महासचिव अनिल उपाध्याय, नगर अध्यक्ष डॉ. तनवीर खान, कयूम सलमानी, वसी अहमद सलमानी, सलीम, जावेद, अली हुसैन, इसरार अहमद, गुड्डू बेग आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

बिल्सी, अमृत विचार : नगर बिल्सी स्थित एनए इंटर कॉलेज में गुरुवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया और उन्हें नशा से दूर रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की बीके ऊषा ने शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया। कहा कि शराब शरीर को अंदर से खोखला कर देती है। प्रधानाचार्य रामवीर सिंह, बीके कुसुम, गीता दीक्षित, मुन्नालाल शाक्य, देवेंद्र कुमार, नीलेश कुमार सिंह, राजीव कुमार शर्मा, हेमेंद्र पाल सिंह, मनोहर लाल, विकास शर्मा आदि मौजूद रहे।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में हुई अंतरसदनीय प्रतियोगिता

बदायूं, अमृत विचार : उझानी के जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में अंतरसदनीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों टैगोर, विवेकानंद, टेरेसा और राधा कृष्णन हाउस के खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ प्रतिभाग किया। बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले टैगोर व विवेकानंद और टेरेसा व राधा कृष्णन हाउस के बीच खेले गए। जिनमें टैगोर और राधा कृष्ण हाउस ने फाइनल में स्थान बनाया। प्रधानाचार्य पुष्पराज सिंह ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं, बल्कि टीमवर्क, अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास भी करते हैं। इस दौरान स्टॉफ मौजूद रहा।

राजकीय महाविद्यालय में हुआ भौतिक विज्ञान परिषद का गठन

बदायूं, अमृत विचार : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन व नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए राजकीय महाविद्यालय सत्र 2025-26 का भौतिक विज्ञान परिषद का गठन किया गया। अध्यक्ष पद पर अभिनव राठौर, महामंत्री पद पर अरविंद, उपाध्यक्ष पद पर सिया मिश्रा व अरुण सिंह, मंत्री पद पर ज्ञान सिंह, सहमंत्री पद पर अवनीश यादव और रंजीत कुमार का चयन किया गया। प्रयोगशाला मंत्री के रूप में दीक्षा शर्मा, सबिया बी और अंकित कुमार चुने गए। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रविंद्र सिंह यादव, शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. हुकुम सिंह और वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता यादव ने शुभकामनाएं दी। प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि परिषद के माध्यम से छात्र अपने अध्ययन, प्रयोगशाला कार्य और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूर्ण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य और संचालन परिषद के संयोजक डॉ. संजीव राठौर ने किया।

न्यूज ब्रीफ

लेखपालों ने उठाई मानदेय भुगतान करने की मांग

बहजोई, अमृत विचार : लेखपालों ने अपनी समस्याओं को लेकर डीएम को ज्ञापन सौपा। ई डिस्ट्रिक्ट योजना के तहत आय,जाति व निवास प्रमाण पत्रों के प्रिंट निकालने में होने वाले व्यय प्रतिपूर्ति के भुगतान की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार भदोरिया के नेतृत्व में पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंच गए। डीएम राजेंद्र पैंसिया को ज्ञापन दिया कि आय, जाति व निवास प्रमाण पत्रों के मानदेय भुगतान को लेकर 3 अक्टूबर को पत्र दिया था। परंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लेखपाल बार जारी किए गए प्रमाण पत्रों को लेकर सूचना मांगी गई थी वह भी अपूर्ण है। शासनादेश के क्रम में जनपद में आय, जाति व निवास प्रमाण पत्रों के मानदेय का भुगतान किया जाए। इस दौरान जिला मंत्री मुकेश कुमार शर्मा, मशहूद आलम, हिमांशु सिंह, सचिन कुमार यादव, मोहम्मद कशा व खुसरो जब्बाद आदि मौजूद रहे।

तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर शुरू

चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी में भारत स्काउट गाइड के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर का आरंभ प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने झंडा फहराकर किया। इसमें जिला संगठन आयुक्त गाइड मीनू सिंह एवं पंकज कुमार ने छात्रों को स्काउटिंग का इतिहास ,झण्डा गीत , प्रार्थना,नियम, प्रतिज्ञा, बायां हाथ मिलाना, ताली बजाना, अनुशासन में रहना, सामाजिक एवं शारीरिक परिस्थितियों के अतिरिक्त प्रतिकूल परिस्थितियों बाढ़, आपदा, दूसरों की सहायता करना इत्यादि बातों का प्रशिक्षण दिया। शिविर के संचालन में स्काउट मास्टर नरेश पाल यादव, मनोज वार्ष्णेय ,गौरव ,आकाश कुमार व भुवनेश ने सहयोग किया।

परिवार ने लगाया गांव से पलायन का पोस्टर

चंदौसी,अमृत विचार : चंदौसी काफी समय से चले आ रहे मेड़ के विवाद में गुरुवार को वाल्मीकि समाज के परिवार ने गांव से पलायन करने का पोस्टर लगाकर सामान बाहर रख लिया। थाना कुढ़ फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव लालपुर चेचरी निवासी विजयपाल का कहना है कि वह नोएडा में सफाई का काम करता है।

फर्जी प्रस्ताव बनाकर अस्पताल की प्रेरणा कैंटीन हटाने का आरोप

समूह की महिलाओं ने जिला अधिकारी से की शिकायत, न्याय दिलाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में चल रही कैंटीन पर गुरुवार को समूह की कुछ महिलाओं ने ताला जड़ दिया। जिसके बाद कैंटीन संचालक महिला ने डीएम से न्याय की गुहार की है। उधर दूसरे पक्ष की महिलाएं भी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार की है।

जिला महिला अस्पताल में मरीजों को खाना देने को प्रेरणा कैंटीन चला रही बरातेगदार निवासी गुड्डी देवी महिला समूह की कोषाध्यक्ष हैं वह गुड्डी देवी 2022 से प्रेरणा कैंटीन चला रही हैं। उनका एग्रीमेंट 31 मार्च 2026 तक है। गुड्डी देवी ने बताया कि आज वह किसी कार्य से बाहर गयीं तो बरातेगदार निवासी धनदेवी अपने साथ कुछ महिलाओं व अपने पुत्रों को लेकर पहुंची उन्होने कैंटीन में अपना ताला डाल दिया। गुड्डी देवी ने डीएम को पूरी बात बताई और न्याय की गुहार की। इसके बाद धनदेवी भी जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र देकर न्याय की मांग की है।

जिला अधिकारी कार्यालय पर प्रार्थना पत्र दिखातीं समूह की महिलाएं।

सलारपुर ब्लाक क्षेत्र के गांव बरातेगदार निवासी गुड्डी देवी ने बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि जिला महिला अस्पताल में गर्भवती व प्रसूताओं को निशुल्क भोजन व नाश्ता की व्यवस्था लक्ष्मी महिला स्वयं सहायता समूह बरातेगदार के समूह की कोषाध्यक्ष गुड्डी देवी द्वारा की जा रही है । 2022 में प्रस्ताव के तहत समूह की सभी महिलाओं ने उनको नामित किया है किसी को कोई आपत्ति नहीं है आरोप है कि गांव के कुछ दबंग लोगों ने मंगलवार को उनकी कैंटीन पर आकर धमकाया कि कैंटीन खाली करो ।कुछ लोगों ने फर्जी प्रस्ताव बनाकर खंड विकास अधिकारी सलारपुर से आदेश कराकर कैंटीन संचालक गुड्डी देवी के स्थान पर धन देवी को नामित करा लिया है।

> मामला जानकारी में है। तीन चार महीने पहले दूसरी महिला के नाम आदेश किया गया था अगर महिला हमारे आदेश के बाद भी कैंटीन चला रही तो गलत है। मैं उसके खिलाफ एफआईआर कराऊंगा और अगर किसी ने प्रस्ताव पर फर्जी हस्ताक्षर किए हैं तो जांच कराकर कार्यवाही कराई जाएगी।
> – **नितिन कुमार**, खंड विकास अधिकारी

नीलगाय से टकराकर डायल 112 अनियंत्रित ग्रामीण घायल

असमोली, अमृत विचार: अचानक खेत से निकलकर सड़क पर आई नीलगाय डायल 112 की स्कार्पियो से टकरा गई। नीलगाय की टक्कर के बाद चालक ने गाड़ी को नियंत्रित करने का प्रयास किया तो सड़क पर जा रहा राहगीर गाड़ी की चपेट में आकर चोटिल हो गया। हादसे में कार में सवार पुलिस कर्मी बाल-बाल बच गये।

गुरुवार को तड़के असमोली थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह को डायल 112 की स्कार्पियो यूपी 32 डीजी 6649 पर सवार पुलिस कर्मी गाड़ी लेकर किसी काल पर जा रहे थे। इसी दौरान महमूदनगर गांव के पास एक नीलगाय दौड़ती हुई खेतों से अचानक सड़क पर आ गई। गाड़ी चला रहा पुलिस कर्मी कुछ समझ पाता इससे पहले ही नीलगाय गाड़ी से टकरा गई। नीलगाय से टकराने के बाद पुलिस वैन अनियंत्रित हुई तो चालक पुलिस कर्मी ने उसे संभालने का प्रयास किया। इसी प्रयास में गाड़ी सड़क पर जा रहे गांव अकबरपुर गहरा निवासी निवासी संतराम से मामूली रूप से टक्रा गई। हादसे में संतराम चोटिल हो गया।

बिचौला के मुख्य रास्ते पर जलभराव से परेशानी

बिचौला गांव के मुख्य रास्ते पर भरा पानी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : अंबियापुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत अकौली के बिचौला गांव में मुख्य रास्ते पर भारी कीचड़ और जलभराव है। सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी है, जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिचोला गांव के लोगों का कहना है कि गांव के मुख्य रास्ते पर काफी समय सम पानी भरा है। कीचड़ भी हो चुकी है। जब कोई वाहन इस रास्ते से गुजरता है, तो सड़क पर बने गड्ढों के कारण पानी के छींटे उछल कर किनारे बने घरों और गुजर रहे लोगों के कपड़ों पर पड़ते हैं। इससे लोगों के कपड़े खराब हो जाते हैं और घरों की दीवारों पर भी गंदगी फैलती है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत की ओर से अभी तक जल निकासी के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। पिछले कई महीनों से गांव में कोई सफाईकर्मी भी नहीं आया है, जिससे समस्या और गंभीर हो गई है। सड़क किनारे रहने वाले ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने समस्या के संबंध में कई बार ग्राम प्रधान को अवगत कराया है। फिर भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

कांग्रेस के बिना यूपी में नहीं बनेगी सरकार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कांग्रेस की ओर से इस्लामनगर में संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव कांग्रेस के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी। आगामी विधानसभा चुनाव में बदायूं से कांग्रेस के कई विधायक विधानसभा पहुंचेंगे। डॉ. तनवीर खान को इस्लामनगर से कांग्रेस का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्हें नगर कार्यकारिणी, वार्ड व बूथ कमेटियां बनाने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी, अंबेडकरवादी, गांधीवादी विचार के लोगों को एक मंच पर आकर

संविधान बचाओ संवाद में नवनियुक्त नगर अध्यक्ष डॉ. तनवीर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष व अन्य।

● **इस्लामनगर में कांग्रेस का संविधान बचाओ संवाद में बोले जिलाध्यक्ष अजीत यादव**

भाजपा को हटाने के लिए एकजुट होना होगा। कांग्रेस और राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के माध्यम से सभी लोकतंत्र और संविधान को बचाने वाली ताकतों को एकजुट कर रहे हैं। जो में भाजपा सरकार को सत्ता से हटा देगा। जिला उपाध्यक्ष बफाती मियां, अनिल उपाध्याय, यूनिस सकलैनी, कयूम सलमानी, वसी अहमद सलमानी, सलीम, जावेद, अली हुसैन, इसरार अहमद, गुड्डू बेग आदि ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष ने सभी सदस्यों को सम्मानित किया।

ककोड़ा मेले का समापन, मैदान से हटाए तंबू

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आठ दिन तक चले रूहेलखंड के मिनी कुंभ मेला ककोड़ा का बुधवार को विधिवत समापन हो गया। मेला स्थल पर लगी देवी की झंडी ककोड़ा देवा मंदिर में पहुंचा दी गयी। जिला पंचायत ने अपना कैंप भी आज हटा लिया लेकिन कुछ दुकानदार अभी मेले में डटे हुए हैं।

मिनी कुंभ मेला ककोड़ा का 4 नवम्बर को उद्घाटन किया गया था। मुख्य स्नान पर्व 5 नवंबर को था। उसके दो दिन बाद ही मेले से श्रद्धालु लौटने लगे। 12 नवम्बर को गंगा किनारे लगी देवी की झंडी को मंत्रोच्चारण के साथ उठाया गया और ककोड़ा स्थित देवी मंदिर पर पहुंचा दी गयी। देवी की झंडी को उठाने के बाद गुरूवार को जिला पंचायत ने अपने कार्यालय भी हटा लिए। साथ ही अन्य विभागों के कैंप भी हटा लिए गए। मेला स्थल पर अब कुछ दुकानदार डटे हुए हैं। स्थानीय ग्रामीण दुकानों से कपड़ा, लकड़ी और मीना बाजार से जरूरी सामान खरीद रहे हैं। मेला ककोड़ा मैदान पर आज से सफाई अभियान शुरू कर दिया गया। सफाई कर्मियों ने टेंट हटने के बाद सफाई शुरू कर दी। मेले का मुख्य गेट भी आज हटा लिया गया। मुख्य गेट हटते ही मेला मैदान खाली हो गया। मेले में आयी दुकाने भी अब कुछ हटने लगी हैं। मेला मैदान पर लगाए गए हैंडपंप भी आज से हटाने का काम शुरू हो गया। मेला मैदान पर लगाए गए करीब दो सौ हैंडपंप को उखाड़ने के लिए मजदूरों ने काम शुरू कर दिया है। दो दिन में सभी हैंडपंप उखाड़ लिए जाएंगे। मेला स्थल पर ट्रकों व अन्य वाहनों में सामान भरा जा रहा है। पुलिस भी हटा ली गयी है।

मेले से सामान भर कर ले जाते दुकानदार। ● अमृत विचार

- **चंद दुकानों को छोड़ पूरा मैदान हुआ खाली, पुलिस भी हटी**
- **जिला पंचायत प्रशासन ने कराई मैदान की सफाई**

> गुरुवार से विधिवत मेले का समापन कर दिया गया। मेला स्थल से टेंट का सामान भरा जा रहा है। जिला पंचायत के कर्मचारी आज अपना सभी सामान लेकर जिला मुख्यालय पहुंच चुके हैं।
> – **दिनेश प्रताप सिंह**, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत

कैंटर ने दो बाइकों को रौंदा, एक युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल/ रजपुरा

अमृत विचार: सैंतुआ गांव निवासी 26 वर्षीय गौरव कुमार गुरुवार सुबह अपनी ससुराल बबराला थाना क्षेत्र के मखदुमपुर बाइक से जा रहा था। गांव मेहुआ हसनगंज के समीप तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गौरव की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक को कुचलने के बाद कैंटर चालक ने स्पीड तेज कर दी और मौके से भागने लगा। कुछ दूर जाने पर कैंटर ने एक और बाइक को टक्कर मार दी। दूसरी बाइक पर सवार दो सगे भाई देवकीनंदन और बदन सिंह पुत्र रामचंद्र निवासी मेहुआ हसनगंज गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा में भर्ती कराया। गंभीर हालत में उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

हादसे की सूचना पर थाना रजपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और गौरव के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष पनप गया।

गृह क्लेश में ट्रक चालक ने फंदा लगाकर दी जान

चंदौसी,अमृत विचार: पत्नी से विवाद के बाद ट्रक चालक ने गुरुवार की सुबह कमरा बंद कर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बिना किसी कार्रवाई के युवक का दफन कर दिया।

थाना बनियाठेर क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी ट्रक चालक ने पत्नी से विवाद के चलते पहली मंजिल पर बने कमरे को बंद कर पंखे से रस्सी डालकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी की सूचना पर पहुंचे पिता और भाई ने खिड़की का जाल उखाड़ कर युवक को उतारा। लेकिन जब तक बहुत देर हो चुकी थी। मृतक के भाई ने बताया कि बड़े भाई का आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था। इसी बीच उन्होंने आज यह कदम उठाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली । परिजनों ने बिना किसी कार्रवाई के युवक का दफन कर दिया।

चंदौसी को जिला बनाने की मांग

संभल, अमृत विचार : अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने चंदौसी को जिला बनाने की मांग उठाई है। कहा गया कि संभल जिला बना लेकिन चंदौसी को उसका हक नहीं मिला। बैठक की अध्यक्षता युवा जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता ने की। कैंप कार्यालय अकुर्जी प्लाजा बिसौली गेट चंदौसी पर आयोजित बैठक में कहा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

आर्मी नंबर 18006237H हवलदार सुशील कुमार के पिता लालाराम पुत्र स्व. छोटेलाल के आधार कार्ड संख्या 311003043948 पर 01-01-1959 अंकित है। जबकि सही जन्मतिथि 22-7-1960 है। इसी तरह मां ओमवती पत्नी लालाराम के आधार कार्ड संख्या 721546049611 पर त्रुटिवश जन्म तिथि 01-01-1962 अंकित है, जबकि सही जन्मतिथि 20-6-1963 है। दोनों आधार कार्ड में सही जन्मतिथि अंकित की जाए। **लालाराम पुत्र स्व. छोटेलाल व ओमवती पत्नी लालाराम निवासी बुधेली नानकार पो. रोशननगर थाना हैदराबाद तह. गोला गोकर्णनाथ, जिला लखीमपुर खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र कुंवर सेन को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सालिक राम पुत्र श्री मिही लाल निवासी ग्राम कुन्डरा कोठी तहसील बहेड़ी थाना नवाबगंज जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र प्रतिपाल व पुत्रवधु अनामिका देवी से उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे । मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। गोविन्द राम पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप निवासी- ग्राम हरचुईया थाना जहानाबाद, पीलीभीत ।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बिजली बिल के 50 हजार मांग रहा था विभाग अब क्षतिपूर्ति के लिए देने होंगे 10 हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : एक महिला के मकान का बिजली कनेक्शन बार-बार काटा गया। रुपये जमा करने के बाद भी बिजली विभाग कनेक्शन पर 50 हजार रुपये और निकाल रहा था। जिसके चलते मामला स्थाई लोक अदालत में पहुंचा। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष व सदस्यों ने महिला पर 10092 रुपये बकाया निकाले हैं। वहीं विभाग को आदेशित किया है कि वह महिला को 10 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति दे।

उझानी कस्बा के मोहल्ला श्रीनारायणगंज निवासी मीना देवी पत्नी हरीश चंद्र का मामला स्थाई लोक अदालत में चल रहा था। उनके अधिवक्ता ने लोक अदालत को बताया था कि मीना देवी के नाम पर एक किलोवाट का बिजली कनेक्शन है। बिजली विभाग ने गलत तरीके से उनका बिल भेजा। महिला ने 12 जून 2018 को 7625 रुपये, 21 सितंबर 2019 को 15000 रुपये, 30 सितंबर को 13000 रुपये, 23 मार्च 2021 को 15000 रुपये, 27 नवंबर को 5000 रुपये,

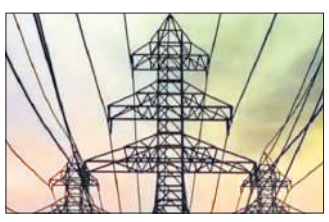

● **बिजली का बिल जमा करने के बाद भी विभाग ने कनेक्शन पर बकाया निकाले थे 50 हजार रुपये**

10 जून 2022 को 10000 रुपये, 18 अप्रैल 2024 को 10000 रुपये, 31 दिसंबर 2024 को 27000 रुपये समेत कुल एक लाख 2625 रुपये जमा कर दिए। इसके बाद भी उनके ऊपर 30000 रुपये और दिखाए जा रहे हैं। अधिवक्ता ने कहा कि 1992-93 में जो बिल 200 से 350 रुपये तक आता था वह 2018 के बाद 4500 रुपये से लेकर 25000 रुपये तक आया। इसी बीच बिना किसी कारण उनका कनेक्शन दो किलोवाट का कर दिया गया। महिला के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई और न ही बिल सही किया गया। इस बीच कई बार कनेक्शन काटा गया। विभाग ने टेबिल बिलिंग की है। लोक अदालत के अध्यक्ष और सदस्यों ने दोनों पक्षों को सुना। पता चला कि 29 नवंबर 2018 से 4 नवंबर 2025 तक 18239 यूनिट बिजली का उपभोग किया गया। इस अवधि में 16 महीने तक कनेक्शन कटा रहा। इस प्रकार मय फिक्स चार्ज व विद्युत कर एक लाख 27 हजार 445 रुपये बनता है। जिसमें 16 महीने तक कटे हुए कनेक्शन के 22668 रुपये कम कर विभाग के एक लाख 12717 रुपये हैं। इसमें महिला एक लाख 2625 रुपये जमा कर चुकी है। जिसके चलते महिला पर 10092 रुपये ही शेष है।

लोक अदालत के अध्यक्ष इश्तियाक अली, सदस्य राकेश कुमार रस्तोगी व स्वदेश कुमारी ने बिजली विभाग की ओर से जारी अक्टूबर 2025 की देय धनराशि 50000 रुपये को निरस्त है। महिला को 30 दिनों के भीतर 10092 रुपये जमा करने का आदेश दिया है। बिजली विभाग के अधिकारियों को आदेशित किया है कि वह महिला को शारीरिक व मानसिक क्षतिपूर्ति के लिए 5000 रुपये, वाद के आय व्यय के लिए 5000 रुपये 30 दिनों में देंगे। महिला इन दस हजार रुपयों को अपने बकाया बिल 10092 में भी समायोजित करा सकती हैं।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

BAREILLY Excellence towards profession

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

विशाल चिकित्सा शिविर

हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग

शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी विभाग

नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग

यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से 20 नवम्बर 2025 तक

समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 20/- रूपये

डॉक्टर द्वारा परमार्श मुफ्त | भर्ती एवं पलंग मुफ्त | भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त

भर्ती मरीजों की सामान्य जाँचें मुफ्त | डिलीवरी मुफ्त | भर्ती मरीजों का ब्रेन एमआरआई 1500/- में स्पाईन एमआरआई 2000/- में

भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउण्ड मुफ्त | भर्ती मरीजों का सी.टी. 20% की छूट पर एवं ईको 500/-में

भर्ती मरीजों की दवाईयाँ भारी छूट पर

रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में इम्पैनल्ड संस्थायें

इम्पैनलमेंट संस्थाओं के नाम (कैशलेस-इलाज)

1. आयुष्मान भारत योजना
2. राष्ट्रीय अन्धता नियंत्रण कार्यक्रम (NBCP)
3. हौसला साझेदारी (परिवार नियोजन)
4. सी.ए.आई.आई. (CARI)
5. एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ESIC)
6. आई.वी.आर.आई. (IVRI)
7. कर्मचारी राज्य बीमा कारपोरेशन (ESIC)
8. बी.एस.एन.एल.
9. प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान
10. सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF)
11. सेंट्रल गवर्मेन्ट हैल्थ स्कीम

इम्पैनलमेंट टी.पी.ए. कंपनी (कैशलेस-इलाज)

1. एचडीएफसी एर्गो
2. एरिकसन इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड
3. सेफवे इंश्योरेंस टी.पी.ए. प्राइवेट लिमिटेड
4. रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस
5. आदित्य बिरला ग्रुप जनरल इंश्योरेंस कंपनी मिमिटेड
6. जेनिन्स इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड
9. युनिवर्सल सोम्पो जनरल इन्श्योरेन्स
10. एसबीआई इन्योरेन्स
11. आईसीआईसीआई लोम्बार्ड
12. रिलायन्स जनरल इन्योरेन्स कं. लि.

*इनवेजस रेडियोलॉजी की जाँचें छोड़ कर *T&C Apply

हैल्पलाइन नं. : 9520876140, 8534088093, 9520876145

इमरजेंसी भर्ती की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध अनुभवी डाक्टरों की देख-रेख में

एन.ए.बी.एच.* 'राष्ट्रीय स्तर' द्वारा प्रमाणित संस्था *एंट्री लेवल

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

व्यापार मेले में दिखेगी यूपी की आर्थिक उड़ान

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी इस वर्ष 44वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में साझीदार राज्य के रूप में भाग ले रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस मेले में राज्य की लोकल टू ग्लोबल रणनीति केंद्र में रहेगी। प्रदेश से पहुंचे 2750 से अधिक प्रतिभागी और सजाए गए 343 ओडीओपी स्टॉल वैश्विक मंच पर आर्थिक तरक्की का दर्शन कराएंगे। प्रदेश से शामिल होने वाले खास उत्पादों में आगरा का पेठा, बनारसी हस्तशिल्प, भदोही की कार्पेट, मेरठ के खेल सामान, सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी और फिरोजाबाद का ग्लासवेयर प्रमुख आकर्षण होंगे। राज्य के 150 से अधिक युवा स्टार्टअप्स और महिला उद्यमी भी मेले में अपनी नवोन्मेषी पहल प्रदर्शित करेंगे।

जेटीआरआई की निदेशक बनीं रेखा

अमृत विचार, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायिक व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए कुछ न्यायिक अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। रेखा अग्निहोत्री, पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, लखनऊ (उत्तर), को न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जेटीआरआई) लखनऊ में निदेशक बनाया गया है। शैलजा राठी, विशेष न्यायाधीश/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आज़मगढ़ को अमरोहा में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, राहुल सिंह (द्वितीय), अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक न्यायालय), कानपुर नगर को बलरामपुर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, दीपनारायण तिवारी, विशेष न्यायाधीश/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बलरामपुर को मऊ में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश और गजेंद्र को को संत कबीर नगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश बनाया गया है। उपरोक्त जानकारी महानिबंधक मनजीत सिंह श्योरन ने दी है।

नर्सिंग अधिकारियों को अंतिम मौका

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र .लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नर्सिंग अधिकारियों में 1183 स्टाफ नर्स महिला और 146 स्टाफ नर्स पुरुषों में 18 महिला और 4 स्टाफ नर्स पुरुष कुल 22 ने ज्वाइनिंग नहीं दी है। इन्हें ज्वाइन करने के लिए पुनः विकल्प देने का मौका दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पदों की मैट्रिक्स जारी करते हुए विकल्प देने की अंतिम तिथि 19 नवम्बर 2025 निर्धारित की है। रिक्त पदों में नर्सिंग अधिकारी के 1614 पर हैं, जिनके सापेक्ष मात्र 146 चयनित हुई हैं।

क्लीनिकल ट्रॉयल के लिए बनेंगी एथिकल कमेटी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा संस्थानों और शिक्षण अस्पतालों नैदानिक (क्लीनिकल) परीक्षणों के संचालन में पारदर्शिता और मानकों का पालन करने के लिए एथिकल कमेटी बनायी जाएंगी। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी चिकित्सा संस्थान अपने यहां स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर(एसओपी) लागू की जाएं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, क्लीनिकल ट्रॉयल में मानव प्रतिभागियों की सुरक्षा, गोपनीयता और अधिकार सर्वोपरि हैं, इसलिए हर संस्थान की एथिकल कमेटी यह सुनिश्चित करेगी कि परीक्षण से पूर्व सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त हों और प्रतिभागियों की सहमति पूरी तरह स्वैच्छिक हो। प्रत्येक एथिकल कमेटी को अपनी बैठकें नियमित रूप से आयोजित करनी होंगी, परीक्षण प्रोटोकॉल की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

जनजाति भागीदारी उत्सव में कला-संस्कृति और स्टॉलों ने खींचा ध्यान

छह-दिवसीय आयोजन के पहले दिन उमड़ी भीड़, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प, खानपान और झांकियां सजीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ढोल-नगाड़ों की थाप से जनजाति भागीदारी उत्सव की शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विभिन्न राज्यों के कलाकार।

अमृत विचार : इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार से शुरू हुए जनजाति भागीदारी उत्सव के पहले ही दिन उत्सवी रौनक देखते ही बन रही थी। जनजाति विकास विभाग की इस छह-दिवसीय आयोजन श्रृंखला की शुरुआत पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प, खानपान और झांकियों की मनोहारी छटा के बीच हुई। परिसर को जनजातीय प्रतीकों, रंगीन झंडों और पारंपरिक कलाकृतियों से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण एक बड़े सांस्कृतिक मेले में तब्दील हो गया।

मुख्यमंत्री योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को ढोल-नगाड़ों की थाप से जनजाति भागीदारी उत्सव की शुरूआत की। उन्होंने यहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मेजबान उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के जनजाति कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति भी दी। सांस्कृतिक समागम में 22 राज्यों के कलाकारों को जुड़ रहे हैं।

पारंपरिक वाद्यों की गूंज : पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकार ढोल, नगाड़े, मंदर, बांसुरी और जनजातीय वाद्यों की लय पर नृत्य करते हुए आगे बढ़े। रंगीन मुखौटों, ढाल-भाले, झांकियों और जनजातीय प्रतीकों से सजी यह यात्रा आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र रही।

स्टॉलों पर दिखा जनजातीय हुनर

सुबह 11 बजे खुलते ही 100 से अधिक स्टॉलों पर रौनक बढ़ गई। पूर्वोत्तर, मध्य भारत, पश्चिम और दक्षिण के विभिन्न जनजातीय समुदायों के कारीगरों ने बांस-शिल्प, लकड़ी के हस्तशिल्प, जूट आभूषण, मणकों की ज्वेलरी, पारंपरिक कपड़ा, मिट्टी कला और प्राकृतिक रंगों से बनी चित्रकला प्रदर्शित की। कई स्टॉलों पर आगंतुकों ने प्रशिक्षण के तौर पर लाइव डेमो भी देखा। खानपान सेक्शन में बाजरे, कोदो, मडुआ और बांस के बर्तनों में परोसे गए व्यंजन लोगों की खास पसंद बने।

यूपी में एसआईआर ने पकड़ी रफ्तार

81 फीसदी वोटर तक पहुंचे गणना प्रपत्र, मतदाता सूची त्रुटिमुक्त बनाने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा

अमृत विचार : प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को तेज़ी मिल गई है। 22 वर्ष बाद आयोजित इस विशेष अभियान का पहला चरण गणना प्रपत्र (फॉर्म) वितरण का है। गुरुवार शाम तक पूरे प्रदेश में 81 प्रतिशत प्रपत्र मतदाताओं तक पहुंच चुके हैं, जबकि शेष 19 प्रतिशत प्रपत्रों के वितरण के लिए जिलों को कड़ी हिदायत दे दी गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने सभी जिलाधिकारियों को 15 नवंबर तक यह प्रक्रिया हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी के मुताबिक, इस बार एसआईआर का सबसे बड़ा लक्ष्य मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटि-मुक्त बनाना है। इसमें दो प्रमुख उद्देश्य शामिल हैं, पहला हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाए और दूसरा फर्जी या गलत प्रविष्टियों को हटाया जाए। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर प्रपत्र भरवाने, त्रुटियां समझाने और नए मतदाताओं के विवरण लेने का जिम्मा दिया गया है। 16 नवंबर से भरे हुए प्रपत्रों का संग्रहण शुरू होगा। यही प्रपत्र आगे दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया का आधार बनेंगे।

सीईओ रिणवा ने स्पष्ट किया है कि अभियान को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है। जिलाधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट हर दो दिन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली जा रही है। जिन जिलों में धीमी प्रगति या लापरवाही मिली है, उनमें संबंधित अधिकारियों को फटकार तक लगाई गई है। चुनाव आयोग ने साफ कहा है कि मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ है, और इसमें त्रुटि नहीं रहनी चाहिए। शुक्रवार और शनिवार को फील्ड टीमें शेष 19% प्रपत्र वितरित करेंगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि एसआईआर की सफलता जनभागीदारी पर निर्भर है। मतदाताओं को सलाह दी गई है कि वे अपने विवरण सावधानी से भरें और समय पर प्रपत्र बीएलओ को सौंप दें, ताकि संशोधित मतदाता सूची में सभी सही-सही शामिल हो सकें।

बीएलओ के लिए अनिवार्य सतर्कता

घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार को प्रपत्र उपलब्ध कराना, नाम, जन्मतिथि, पता और पहचान संबंधी विवरण की क्रॉस-वेरिफिकेशन, फर्जी, दोहराए गए या मृत मतदाताओं की प्रविष्टियों को चिन्हित करना, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और नए मतदाताओं को फ़ॉर्म भरवाने में विशेष सहायता, पोर्टल/एप पर प्रतिदिन की रिपोर्ट अनिवार्यतः अपलोड करना।

लापरवाही मिली तो होगी कार्रवाई

समय पर प्रपत्र न वितरित करने पर चेतावनी और कारण बताओ नोटिस, लगातार लापरवाही मिलने पर ड्यूटी परिवर्तन या निलंबन तक की कार्यवाही, गलत जानकारी दर्ज करने या फर्जी प्रविष्टि छुपाने पर कठोर विभागीय दंड, जिलों में धीमी प्रगति पर सीईओ द्वारा प्रत्यक्ष समीक्षा और पूछताछ।

मतदाताओं के लिए निर्वाचन विभाग की सलाह

फॉर्म भरते समय नाम, जन्मतिथि और पता बिल्कुल सही लिखें, परिवार के ऐसे सदस्यों की जानकारी दें जिनका नाम सूची में नहीं है, किसी भी मृत, स्थानांतरित या दोहरे नाम की सूचना बीएलओ को दें, नया वोटर कार्ड बनवाने वाले युवा पहचान प्रमाण और पते का दस्तावेज तैयार रखें, भरा हुआ प्रपत्र 16–25 नवंबर के बीच अनिवार्यतः जमा कर दें।

अगस्ता हेलीकॉप्टर के साथ मजबूत होगा यूपी का हवाई बेड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नए हेलीकॉप्टर के संचालन के लिए पायलटों को इटली में दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण
- राजकीय हेलीकॉप्टर के अनुरक्षण को 1.27 करोड़ रुपये स्वीकृत

अमृत विचार : प्रदेश सरकार अपने राजकीय वायु बेड़े को और आधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। शासन ने गुरुवार को नागरिक उड्डयन निदेशालय के प्रस्ताव पर 1,27,86,745 रुपये राजकीय हेलीकॉप्टर के अनुरक्षण कार्य के लिए मंजूर किया है। जबकि इटली से अत्याधुनिक अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू-139 हेलीकॉप्टर की खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। नए हेलीकॉप्टर के संचालन के लिए पायलटों को विशेष प्रशिक्षण के ले इटली भेजा जा रहा है।

नागरिक उड्डयन के निदेशक ने शासन को पिछले माह 10 अक्टूबर को भेजे पत्र में राजकीय हेलीकॉप्टर बे412 ईपी वीटी-यूपीके के मरम्मत की आवश्यकता जताते हुए पार्ट मंगाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन के विशेष सचिव नवनीत सिंह चहल सिंगापुर से पार्ट मंगाने आदि पर कुल खर्च 1करोड़ 27 लाख 86 हजार 745 रुपये की स्वीकृति की जानकारी देते हुए निदेशक को पत्र भेजा है। इसमें शासन ने लेटर ऑफ क्रेडिट हेतु 10 प्रतिशत मार्जिन मनी, कस्टम ड्यूटी, जीएसटी और अन्य आयात संबंधी शुल्कों को भी मंजूरी में शामिल किया है। कुल राशि में एजेंट से प्राप्त ईमेल के अनुसार अनुमानित 25 लाख रुपये के अनुषांगिक व्यय भी जोड़े हैं।

उधर, योगी सरकार के हवाई बेड़े के लिए इटली से अगस्ता एडब्ल्यू -139 हेलीकॉप्टर की खरीद को अंतिम रूप दिया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी औसत कीमत 120–150 करोड़ के बीच है। यह मॉडल दुनिया के सबसे सुरक्षित और हाई-टेक हेलीकॉप्टरों में गिना जाता है और वीवीआईपी मूवमेंट में बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। यूपी सरकार इसे मुख्यमंत्री के लिए उपयोग किए जाने वाले हेलीकॉप्टरों में शामिल करने की तैयारी कर रही है। चार पायलटों को दो चरणों में इटली भेजकर प्रशिक्षण की मंजूरी और समय सारिणी भी तय हो गई है।

यूपी सरकार के बेड़े में 3 हेलीकॉप्टर और 3 विमान

सूत्रों के अनुसार योगी सरकार के बेड़े में इस समय 3 हेलीकॉप्टर और 3 विमान शामिल हैं। तीनों हेलीकॉप्टर बेल 412ईपी, बेल 230 और अगस्ता ग्रांड कंपनी के हैं। जल्द ही इटली से अगस्ता का उन्नत संस्करण हेलीकॉप्टर सरकार के बेड़े में शामिल होगा।

क्षतिपूर्ति के आदेश से 20 जिलों में पराली जलाने पर अंकुश

अमृत विचार, लखनऊ : पराली जलाने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाने के आदेश से घटनाओं में उल्लेखनीय कमी देखने को मिली है। 20 प्रमुख जिलों से आई रिपोर्ट से यह उजागर हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने पहले ही राज्य में पराली जलाने की घटनाओं को शून्य करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। साथ ही, जुर्माना और जागरुकता दोनों कार्रवाई चल रही है। राज्य में विभिन्न विभागों के समन्वय से जिला-स्तरीय टास्क फोर्स और नोडल अधिकारियों की टीमें सैटेलाइट निगरानी के साथ 2,500 से 15,000 रुपये तक का जुर्माना की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक 50-100 किसानों पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति का असर है कि 20 जिलों मथुरा, पीलीभीत, सहारनपुर, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, कौशांबी, एटा, हरदोई, जालौन, फतेहपुर, महराजगंज, कानपुर देहात, झांसी, मैनपुरी, बहराइच, इटावा, गोरखपुर, अलीगढ़, उन्नाव व सीतापुर में पराली जलाने की घटनाओं में स्पष्ट गिरावट दर्ज की गई है। इनमें विशेष रूप से एटा, कौशांबी, सीतापुर और उन्नाव में हाल-फिलहाल सबसे कम मामले सामने आए हैं।

कई जिलों में चली सर्द हवा ने कराया कंपकंपी का एहसास

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में पहाड़ों से आ रहीं हवाएं शीत लहर की दस्तक दे रहीं हैं। कानपुर, इटावा, बरेली और बुलंदशहर समेत कई जिलों में चलीं सर्द हवाओं ने कंपकपी का एहसास करा दिया है। दरअसल, पहाड़ों पर बर्फबारी थमने के बावजूद ठंडी पछुआ हवाओं की दिशा में बदलाव के कारण रात के तापमान में गिरावट

- ठंडी पछुआ हवाओं की दिशा में बदलाव के कारण रात के तापमान में गिरावट जारी

जारी है। हालांकि, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक सर्दी अपने चरम पर नहीं पहुंचेगी, लेकिन ठंडक महसूस की जाएगी

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा अपडेट के मुताबिक बरेली, मुरादाबाद समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के भी ज्यादातर जिलों में ठंड बढ़ने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी हवाओं के असर से रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। विभाग का अनुमान है कि न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की कमी आ सकती है। अगले सात दिनों तक पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा, जबकि सुबह और शाम के समय धुंध या कोहरा छा सकता है।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में रात के पारे में और गिरावट देखी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहाड़ों पर फिलहाल बर्फबारी थम गई है, जिससे दिन का तापमान सामान्य रहेगा।

हर मतदाता का नाम सूची में जुड़वाएं कार्यकर्ता

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को

बहुत गंभीरता और सावधानी से लें। एसआईआर में जो जानकारी मांगी गयी है, उसे दें। हर मतदाता का नाम सूची में जुड़वाएं। सपा प्रमुख गुरुवार को बरेली में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम जनता से अपील की कि सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल करायें। किसी का भी वोट कटने न पाये। हालांकि इस अभियान की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है कि सभी लोगों का वोट बन जाये, वोटर लिस्ट से किसी का नाम न कटे। अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर से डरना नहीं है, डटे रहना है। पार्टी के कार्यकर्ता नेता जनता के बीच जाएं। लोगों को एसआईआर के प्रति जागरूक करें। फॉर्म भरवाने में मतदाताओं की मदद करें।

कम जोखिम वाले कारखानों का 5 वर्ष में एक बार ही होगा निरीक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभागीय अधिकारियों के हस्तक्षेप को कम किए जाने के मद्देनजर लिया गया फैसला

अमृत विचार: सरकार ने यूपी की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर लाए जाने और औद्योगिक वातावरण को मजबूत करने लिए इज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति के अंतर्गत पूरे राज्य में स्वः प्रमाणन व्यवस्था एवं थर्ड पार्टी ऑडिट योजना लागू की है। शासनादेश दिनांक 12 नवंबर का हवाला देते हुए प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि कम जोखिम वाले प्रतिष्ठान, कारखानों (गैर-खतरनाक) द्वारा प्रमाण व्यवस्था अंगीकार किये जाने पर 5 वर्ष की अवधि में उनका केवल एक बार संयुक्त निरीक्षण रेंडम आधार पर किया जाएगा, जिससे निरीक्षित प्रतिष्ठान 5 वर्ष की अवधि में निरीक्षण से मुक्त रहेंगे।

उन्होंने बताया कि कम जोखिम वाले ऐसे प्रतिष्ठान, कारखाने (गैर-खतरनाक), जो स्वःप्रमाणन व्यवस्था को अंगीकार नहीं करते हैं, उनके और मध्यम जोखिम वाले कारखानों (खतरनाक) और प्रतिष्ठानों के निरीक्षण उद्यमियों द्वारा थर्ड पार्टी का विकल्प चुनने पर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त थर्ड पार्टी द्वारा 3 वर्ष में एक बार किए जाएंगे। प्रमुख सचिव के मुताबिक, प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति के अंतर्गत कम जोखिम वाले कारखाने में श्रम कानून में प्रावधानित उपबंधों का अनुपालन कराए जाने में विभागीय अधिकारियों का हस्तक्षेप और सहभागिता को न्यून किए जाने के मद्देनजर थर्ड पार्टी द्वारा निरीक्षणों का विकल्प उद्यमियों को उपलब्ध कराया गया है। श्रम आयुक्त की अनुमति से ही निरीक्षण किया जा सकता है।

दुधवा के पास मिलेगी लग्जरी कॉटेज सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ : दुधवा नेशनल पार्क अब पर्यटन के नए अध्याय लिखने जा रहा है। लखीमपुर खीरी के चंदन चौकी गांव में करीब पांच एकड़ क्षेत्रफल में 'होलिस्टिक वेलनेस टूरिज्म' थीम पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक विशेष आवासीय पर्यटन इकाई विकसित की जाएगी। परिसर में पर्यटकों के लिए खेलकूद समेत योग, ध्यान और वेलनेस आदि की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड एवं बीवीजी इंडिया लिमिटेड के बीच एग्रीमेंट हुआ है। गुरुवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यहां पर्यटकों के लिए विभिन्न श्रेणी के लग्जरी कॉटेज बनाए जाएंगे।

बसपा को मन और धन से मजबूत करें : मायावती

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि अम्बेडकरवादी पार्टी और मूवमेंट को पूरे तन, मन और धन से मजबूत करें, क्योंकि इसी में सच्चा जनहित और देशहित निहित है।

बसपा प्रमुख ने गुरुवार को नई दिल्ली कार्यालय में राज्यवार समीक्षा बैठक में दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात के पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। प्रदेश कार्यालय लखनऊ द्वारा जारी बैठक के निर्देशों में मायावती ने पार्टी संगठन की पोलिंग बूथ स्तर पर मजबूती और सर्वसमाज में जनाधार बढ़ाने के लिए दिए गए पूर्व दिशा-निर्देशों की जमीनी प्रगति रिपोर्ट ली। साथ ही उन्होंने विशेष रूप से उन लाखों मेहनतकश परिवारों की दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की, जो यूपी और बिहार जैसे गरीब राज्यों से रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली पलायन कर आए हैं।

तैयारी किसानों की आय को तीन गुना करने और कृषि निर्यात को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने की बनी रणनीति

इकोनॉमी में वन ट्रिलियन डॉलर का योगदान देगा कृषि विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 22 संकल्पों के साथ कृषि क्षेत्र को ऊंचाइयों तक पहुंचाने की योजना
- कृषि मंत्री ने प्रदेश सरकार की योजनाओं को किया साझा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की इकोनॉमी में राज्य का कृषि विभाग अकेले वन ट्रिलियन डॉलर का योगदान करने की तैयारी में है। इस लक्ष्य के साथ विभाग ने किसानों की आय को तीन गुना करने और कृषि निर्यात को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने की रणनीति बनायी है। भावी योजना 22 संकल्पों के साथ कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को योगी सरकार की इन योजनाओं को साझा किया।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को लखनऊ के कृषि भवन सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि कृषि विभाग ने एक ठोस कार्ययोजना तैयार की है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाकर उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और टिकाऊ कृषि अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है।

कृषि मंत्री शाही ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश 2047 की दिशा में कृषि विभाग ने 22 संकल्प लिए हैं।

लखनऊ में पत्रकारों को जानकारी देते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

इन संकल्पों में प्रदेश की संभावित छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान सुनिश्चित करना, फसल सघनता को 182 प्रतिशत से बढ़ाकर 250 प्रतिशत तक ले जाना, धान, गेहूं, मक्का, दलहन और तिलहन की उत्पादकता में वृद्धि करना, मृदा जीवांश कार्बन स्तर को 0.3 से 1.0 तक बढ़ाना, 30 लाख हेक्टेयर बंजर व ऊसर भूमि को कृषि योग्य बनाना, कृषि मशीनीकरण को 75 प्रतिशत तक पहुंचाना, गन्ने की सहफसली खेती को बढ़ावा देना, पांच बीज पार्कों की स्थापना करना और हर खेत में मेड़, हर मेड़ पर पेड़ के संकल्प को मूर्त रूप देना शामिल है।

17 को लखनऊ में जुटेंगे 300 कृषि विशेषज्ञ

कृषि मंत्री ने बताया कि विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विषय पर जन संवाद एवं विचार मंथन कार्यक्रम 17 नवंबर को मरकरी हॉल, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इसमें लगभग 300 कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रगतिशील कृषक और अधिकारी सहभाग करेंगे। इस कार्यक्रम में नीति आयोग, भारत सरकार के परामर्श से कृषि क्षेत्र का दीर्घकालिक विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार किया जाएगा, जिसमें प्रदेश की कृषि उत्पादन क्षमता, निर्यात, प्रसंस्करण और रोजगार सृजन को केंद्र में रखा जाएगा।

आरोप : चिकित्सा शिक्षा विभाग में बढ़ा शोषण और भ्रष्टाचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कर्मचारी-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वी.पी. मिश्र ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग अब स्वास्थ्य विभाग से बड़ा विभाग बन चुका है। मेडिकल कॉलेजों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं, पर नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। जो कर्मचारी कार्यरत हैं, उनकी सेवा-नियमावली अब तक नहीं बनी है, जिसके कारण कैडर पुनर्गठन नहीं हो पा रहा और पदोन्नति के अवसर भी समाप्त हो गए हैं। बिना नियमावली के स्थानांतरण किए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों का शोषण और भ्रष्टाचार दोनों बढ़े हैं।

मोर्चा के अध्यक्ष गुरुवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं संलग्न चिकित्सालय कर्मचारी महासंघ, उप्र. की बैठक संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महासंघ को आश्वासन दिया कि अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग से मिलकर कर्मचारियों की पीड़ा से अवगत कराएंगे। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अन्याय जारी रहा तो कर्मचारी आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

विपिन त्यागी बने महासंघ के नए अध्यक्ष

अधिवेशन में नई कार्यकारिणी के लिए संपन्न चुनाव में विपिन त्यागी (सहारनपुर मेडिकल कॉलेज) प्रदेश अध्यक्ष और राकेश कुशवाहा (जालौन मेडिकल कॉलेज) प्रदेश महामंत्री चुने गए। इसके अलावा राम मनोहर (प्रयागराज) और इमरान अहमद (प्रयागराज) प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सिकंदर लाल (कौशांबी मेडिकल कॉलेज) प्रांतीय संयुक्त मंत्री, ज्ञानेंद्र कुमार (बदायूं मेडिकल कॉलेज) प्रांतीय उपाध्यक्ष, रामचंद्र (प्रयागराज मेडिकल कॉलेज) मंत्री और रवि कुमार (मेरठ मेडिकल कॉलेज) कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

राज्यपाल ने संतोष गंगवार को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- संतोष गंगवार ने विवि के निर्माण के दौरान अपने योगदान और जेल जाने का भी जिक्र किया
- पुरस्कार की धनराशि में अपनी ओर से कुछ और जोड़ कर गरीब बच्चों में बांटेंगे

अमृत विचार : राज्यपाल ने रुहेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार देकर सम्मानित किया और बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए चयन सराहनीय है।

वह विवि के निर्माण से लेकर उसके ए डबल प्लस रैंक तक पहुंचने के साक्षी हैं। इस दौरान झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि शिक्षा में शायद सबसे पिछड़ा झारखंड है। वह झारखंड में शिक्षा के बारे में यूपी की राज्यपाल और रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति का जिक्र कर उपलब्धियां बताते हैं। वहां कैसे सुधार हो, इसका प्रयास कर रहे हैं। झारखंड के राज्यपाल ने कहा कि यह डिग्री प्राप्त का दिवस नहीं बल्कि परिश्रम, धैर्य और अनुशासन का दिवस है। उन्होंने विवि के निर्माण के दौरान अपने योगदान और जेल जाने का भी जिक्र किया। वह बरेली को कभी भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिलने पर खुशी जताई और एक लाख की धनराशि के साथ अपनी तरफ से धनराशि शामिल कर गरीब बच्चों में दान करने को कहा।

स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र पाकर खिले टॉपर्स के चेहरे

रुहेलखंड विवि के 23वें दीक्षांत समारोह में 94 टॉपर्स को पदक दिए गए और 111 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान कीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय का 23वां दीक्षांत समारोह उल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 94 टॉपर्स को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र और 111 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान कीं। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड भी दिया। इसके अलावा रितु उपाध्याय को हस्तशिल्प में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया। रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को सुबह 11:23 मिनट पर शोभायात्रा निकलने के बाद समारोह की शुरुआत हुई।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में टॉपर्स छात्रा को पदक देतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। ● अमृत विचार

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने दीक्षांत उद्बोधन में कहा कि वर्ष 2024-25 में रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। विवि को नैक ए डबल प्लस के साथ यूजीसी की श्रेणी-1 का दर्जा प्राप्त है। पीएम उषा परियोजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये और एएनआरएफ-पेयर (अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन-पार्टनशिप फॉर एक्सिलिरैटेड इनोवेशन एंड रिसर्च) परियोजना के अंतर्गत 10 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि आनंदीबेन पटेल के कुलाधिपति बनने से पहले राज्य का कोई भी विश्वविद्यालय नैक में अच्छी रैंक पर नहीं था। अब 8 ए डबल प्लस, 3 ए प्लस, 2 ए ग्रेड हैं। इसके अलावा एनआईआरएफ व अन्य रैंकिंग में भी स्थान पाया है। उन्होंने कहा कि विवि के 205 पेटेंट फाइल हुए हैं। विवि ने 17 देशों से एमओयू हुए हैं। यूपी के आवासीय विश्वविद्यालयों में सबसे पहले रुहेलखंड विवि ने ब्लॉक चेन सिस्टम से छात्रों की डिग्री, मार्कशीट एवं शैक्षणिक दस्तावेजों को अपलोड किया है। आज 1,15,596 छात्र-छात्राएं, जिनमें 70782 छात्राएं और 44,814 छात्राएं का रिकार्ड ब्लॉक चेन में अपलोड किया गया। सत्र 2024-25 के लिए 44 विषयों में 110 पीएचडी पूर्ण कराए गए हैं। अब तक 1748 पीएचडी थीसिस शोध गंगा वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं।

विकसित देश के बारे में छात्रों को सोचना चाहिए: प्रो. राजीव अहूजा

समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी रोपण, पंजाब के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने कहा कि आईआईटी में दीक्षांत एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। यह बहुत जरूरी है। यहां से विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी अच्छा इसलिए करते हैं, क्योंकि उनके पूर्व छात्र शामिल होते हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों को भी अपने साथ विश्वविद्यालय के बारे में सोचना चाहिए कि यह कैसे आगे बढ़े और देश कैसे आगे बढ़े, तभी देश विकसित भारत बन सकेगा। आप 2047 में कैसा देश देखना चाहते हैं, इसका श्रेय आपको ही लेना होगा। यूजीसी कैटेगरी 1 में आईटी रोपण और रुहेलखंड विश्वविद्यालय दोनों शामिल हैं। कुल 10 करोड़ की ग्रांट मिल रही है जिसका उपयोग अच्छी प्रयोगशालाएं लाइब्रेरी एवं संसाधनों को जुटाने में किया जाए जिससे अच्छे शोधार्थी और सुविधाएं उत्पन्न हो। कभी अपने माता-पिता और गुरुओं को नहीं भूलना चाहिए। छात्रों को सिर्फ सरस्वती की पूजा करनी चाहिए, लक्ष्मी अपने आप मिल जाएगी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय में विदेशी छात्र आ रहे हैं, यह अच्छी बात है।

झारखंड शिक्षा में पिछड़ा, इसमें सुधार के कर रहा हूं प्रयास: संतोष गंगवार

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि यह डिग्री प्राप्त का दिवस नहीं बल्कि परिश्रम, धैर्य और अनुशासन का दिवस है। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण के दौरान अपने योगदान और जेल जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह बरेली को कभी भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा में शायद सबसे पिछड़ा झारखंड है। वह झारखंड में शिक्षा के बारे में यूपी की राज्यपाल और रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति का जिक्र कर उपलब्धियां बताते हैं। वहां कैसे सुधार हो, इसका प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिलने पर खुशी जताई और एक लाख की धनराशि के साथ अपनी तरफ से धनराशि शामिल कर गरीब बच्चों में दान करने को कहा।

वो कौन सी शिक्षा है जो डॉक्टरों को आतंकवादी बना रही है

दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने उपाधि और पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने माता-पिता और गुरुओं को कभी न भूलें। क्योंकि उनके श्रम और परिश्रम के बिना ये संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि दीक्षांत का मतलब शिक्षांत नहीं, बल्कि दीक्षांत एक नए जीवन की शुरुआत है। आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर शिखर पर पहुंचना चाहेंगे, ये उसकी नींव है। शिक्षा से जो संस्कार मिलते हैं, उनसे ही व्यक्ति का निर्माण होता है और उसी से समाज का निर्माण आपको करना होगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद संस्कारयुक्त शिक्षा की बात करते थे। कोरोना काल में डॉक्टरों ने जो किया वह एक उदाहरण है। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाई। मगर वो कौनसी शिक्षा है जो डॉक्टरों को आतंकी बनाती है। शिक्षा मानवता की रक्षा के लिए होती है, दानव बनाने के लिए नहीं होती। वो कौनसी शिक्षा है जो बच्चों के हाथ में कलम नहीं देती बल्कि पत्थर देती है। वो कौनसी शिक्षा है जो बच्चों के हाथ में कंप्यूटर नहीं बम देती है। हमें इससे कैसे निजात मिले इसका संकल्प लेना होगा। शिक्षा वो है जो ज्ञान-विज्ञान सिखाए, शिक्षा वो है जो स्वावलंबी बनाए। मगर आज जो शिक्षा कुछ लोगों को मिल रही है उन्होंने अपने लिए ज्ञान विज्ञान के दरवाजे बंद कर लिए हैं। केवल एक पुस्तक से शिक्षा नहीं मिलती। सरदार वल्लभ भाई पटेल से हमें शिक्षा मिलती है कि राष्ट्र की एकता के लिए हमें समर्पित रहना चाहिए। बिरसा मुंडा के आदर्शों से हमें शिक्षा मिलती है। वंदेमातरम केवल गीत नहीं बल्कि एक उद्घोष था जो मानव जाति को चेतना देता था। हमें ऐसे संस्कार चाहिए जो हमें हमारे देश के प्रति समर्पित करें। राज्यपाल इस बात का उदाहरण हैं, वह चाहतीं तो राज्यपाल बनकर आराम कर सकती थीं। मगर उन्होंने यूपी में शिक्षा का स्तर ऊंचा करने पर फोकस किया। इससे पहले हम कहीं स्थान नहीं रखते थे, आज देश भर के सर्वाधिक ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड द्वितीय बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–02/अधि0अभि0/2025–26

महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु उ0प्र0 सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु धनावंटन की प्रत्याशा में मुहरबन्द निविदायें दिनांक 27.11.2025 को अपरान्ह 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 28.11.2025 को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में अपरान्ह 12.00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेंगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 22.11.2025 से 26.11.2025 तक सायं 4.00 बजे तक कार्य दिवस में निर्धारित मूल्य देकर कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड द्वितीय से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित (रु0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	3	4	5	6	7	8	9
1.	Providing and fixing Crab winch manual hand operated 15ton drum dia 355mm,length 1000mm, flange dia 750mm and height 1700mm for Fatehganj and Hazipur Pump canal District Bareilly i/c loading unloading, Complete in all respect including all material with cost, labour and t&p required for proper Completion of work with foundation.	As per BOQ	7.87 + जी0एस0टी0 अतिरिक्त	16000.00	30 दिवस	225+ 18% जी0एस0टी0	''ए'' अथवा उच्च श्रेणी ''यांत्रिकी''

(विनोद कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड–द्वितीय बरेली

UP – 240318 **दिनांक:** 12/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय ग्राम पंचायत हरदुआ वि.खं. बांकेगंज-खीरी

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत हरदुआ विकास खण्ड बांकेगंज-खीरी में मनरेगा योजनान्तर्गत कार्ययोजना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित एवं स्वीकृत है।

क्र.	कार्य का नाम	माप	अनुमानित सामग्री लागत	योजना का नाम
1	हरदुआ में सम्पर्क मार्ग से राजाराम के खेत तक खडंजा निर्माण कार्य	280 मी.	350840	मनरेगा
2	हरदुआ में खडन्जे से तारा सिंह के घर तक खडंजा निर्माण कार्य	40 मी.	57957	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीधा खडंजा निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 14.11.2025 से 20.11.2025 तक दोपहर 02:00 तक जमा कर सकते हैं तथा निविदा 20.11.2025 को दोपहर 03:00 बजे गठित समिति के मध्य खोली जायेगी। किसी भी निविदा/सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकारी अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा। नोट:- अनुमन्य जी.एस.टी. अलग से देय होगी।

रामकिशुन (ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत हरदुआ
वि.खं. बांकेगंज-खीरी

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हरदुआ
वि.खं. बांकेगंज-खीरी

कार्यालय ग्राम पंचायत जटपुरा वि.खं. बांकेगंज-खीरी

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जटपुरा विकास खण्ड बांकेगंज-खीरी में मनरेगा योजनान्तर्गत कार्ययोजना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित एवं स्वीकृत है।

क्र.	कार्य का नाम	माप	अनुमानित सामग्री लागत	योजना का नाम
1	सुनहराभूड़ में मेन रोड से रामचन्द्र के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य।	70 मी.	245069.00	मनरेगा
2	जटपुरा में मेन रोड से बालक राम के घर तक मिट्टी इण्टरलॉक निर्माण कार्य।	85 मी.	323674.00	मनरेगा
3	जटपुरा में मो. हुसैन के घर से एनुलहॅक के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य।	59 मी.	223662.00	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु प्रथम श्रेणी की ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, बालू, इण्टरलॉक ईट एवं अन्य निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 14.11.2025 से 20.11.2025 तक दोपहर 02:00 तक जमा कर सकते हैं तथा निविदा 20.11.2025 को दोपहर 03:00 बजे गठित समिति के मध्य खोली जायेगी। किसी भी निविदा/सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकारी अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा। नोट:- अनुमन्य जी.एस.टी. अलग से देय होगी।

अनीता देवी (ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत जटपुरा
वि.खं. बांकेगंज-खीरी

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जटपुरा
वि.खं. बांकेगंज-खीरी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11027/142सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 06.11.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 15.11.2025 से दिनांक 25.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कालेज के किमी0–1 से ग्राम धरनीधरपुर होते हुये यू0पी0एस0आई0डी0सी0 तक सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	82.50	6.20	88.70	6.45	2725.00	6 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
2	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत एल0बी0 मार्ग के किमी0–473 से जमौर गौटिया सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		162.84	7.30	170.14	10.51	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 240286 **दिनांक:** 12/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11028/142सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 06.11.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 15.11.2025 से दिनांक 25.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में विकास खण्ड ददरौल के ग्राम हसनपुर नौसारा गोपालपुर उठियूरा के मध्य गरई नाला पर 5 सैल 4×4 मी0 बाक्स कल्वर्ट, सुरक्षात्मक कार्य, पहुँच मार्ग एवं अति0 पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	270.60	15.55	2725.00	12 माह	'ए' (सेतु कार्य)
2	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में जलालाबाद शमशाबाद मोहम्दाबाद सौरिख विधुना मार्ग (राज्य मार्ग सं0–163) के किमी0–2(1450) पर 3×8.00 मी0 आर0सी0सी0 पुलिया का निर्माण कार्य।		85.40	6.30	2725.00	08 माह	'ए' 'बी' (सेतु कार्य)
3	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में कटिया मजरा सम्पर्क मार्ग पर पड़ने वाले नाले पर 5 सैल 4×4 मी0 बाक्स कल्वर्ट, सुरक्षात्मक कार्य एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।		80.00	6.00	2725.00	08 माह	'ए' 'बी' (सेतु कार्य)
4	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में बझेड़ा भगवानपुर मार्ग से कुआडांडा सम्पर्क मार्ग पर 6 सैल 3×3 मी0 बाक्स कल्वर्ट, सुरक्षात्मक कार्य, पहुँच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।		284.00	16.20	2725.00	12 माह	'ए' (सेतु कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 240286 **दिनांक:** 12/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11024/142 सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 06.11.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 15.11.2025 से दिनांक 25.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.11.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क + स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	शाहबाजनगर से खेड़ा मोहल्ला से गर्रा नदी तक नवनिर्माण का कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	पत्नीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	143.00	9.65	152.65	9.63	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2–निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-240241 दिनांक 12.11.2025 **विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

कार्यालय नगर पालिका परिषद, लखीमपुर-खीरी

पत्रांक: 1630/जननिर्माण/एम.बी.एल./2025–26 दिनांक: 12.11.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्य सेक्टर के ''सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में विभिन्न श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम निर्माण/विकास कार्यों हेतु तृतीय बार दिनांक 12.11.2025 सायं 05:00 बजे से दिनांक 03.12.2025 सायं 05:00 बजे तक प्रतिशत दर के आधार पर ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से निम्न विवरणानुसार निविदा में प्रतिभाग कर सकते हैं।

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि– 12.11.2025 सायं 05:00 बजे से।
2. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि– 03.12.2025 सायं 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा के माध्यम से टेक्निकल बिड निविदा खोलने की तिथि– 04.12.2025 अपरान्ह 04:00 बजे से।
4. फाइनेन्शियल बिड टेक्निकल बिड स्वीकृत होने के उपरान्त खोली जायेगी।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी व शर्तो के लिए कृपया वेबसाइट http://etender.up.nic.in एवं www.npplakhimpur.in पर लॉगिन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

संजय कुमार
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, लखीमपुर

डॉ. इरा श्रीवास्तव
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, लखीमपुर

ब अदालत न्यायालय श्रीमान अपर जिलाधिकारी शहर, बरेली
मुकदमा नं. 00195 सन् 2020

श्रीमती श्रीवती पत्नी महेश पाल सिंह निवासी सिंघा तहसील आंवला जिला बरेली बनाम

1. ऋषिपाल सिंह पुत्र श्री घलेन्द्र निवासी ग्राम पिपरिया उपराला तहसील आंवला जिला बरेली 2. हेमेन्द्र सिंह 3. अभिनन्दन सिंह पुत्रगण वीरपाल निवासीगण ग्राम मकरन्दपुर तहसील बिसौली जिला बरेली 4. श्रीमती ओमवाला पत्नी सतीश कुमार निवासी ग्राम पिपरिया उपराला तहसील आंवला जिला बरेली 5. ममता पत्नी भगवान सिंह 6. भानु प्रताप सिंह पुत्र श्री ऋषिपाल सिंह 7. शिवम सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह 8. प्रिया पुत्री भगवान सिंह 9. प्रशान्त सिंह नाबालिग आयु 15 वर्ष पुत्र भगवान सिंह संरक्षक ममता माता सगी निवासीगण ग्राम पिपरिया उपराला तहसील आंवला जिला बरेली।

चूंकि मुसम्मती श्रीवती पत्नी महेश पाल सिंह ने आपके नाम एक नालिश वास्ते नक्शा दुरूस्ती के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 17.11.25 अदालतन या मारफत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा हाजा को जवाब देही कर सके मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा।

आज बतारीख 10.11.25 मेरे हस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया है।

न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट (नगर)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 2961/ई–निविदा/2025–26 दिनांक 06/11/2025

ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑनलाईन ई–निविदा दिनांक 15.11.2025 से 25.11.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की गयी हैं, जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 25.11.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

S.No.	Name of Work	Name of Division	Estimate Cost (In Lacs)	Total	Bid Security (In Lacs)	Tender Fee (Stationary Charges + GST)	Date Of Completion	Category
1	वित्तीय वर्ष 2025–26 में हरदासपुर जंगबाजपुर मार्ग के किमी0 2 से बेलमुजिया मार्ग में सुरक्षा दीवार का कार्य।	अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बरेली	23.90	23.90	2.40	944.00	02 माह	A,B,C,D, Road Work

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बरेली

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 240256 **दिनांक:** 12/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0 बरेली

पत्रांक : 8114/7निविदा (पी0डी0)(ई0टेण्डर)–08/25–26 दिनांक: 03.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है।निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 19.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलबध रहेगे एवं तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य(रू0)	कार्य पूर्ण करने का अवधि	ठेकेदार की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1.	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र में आनंदपुर से करौरी सैदपुर मार्ग पर 7×3 मी0 स्पॉन के लघु सेतु, पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	172.00	10.60	2714.00	12 माह	A & B (Bridge Work)
2.	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र में ग्राम सेवा नगला से महुआ खेडा देवी मंदिर मार्ग में अरिल नदी पर 7×3 मी0 स्पॉन के लघु सेतु, पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	290.00	16.50	2714.00	12 माह	A (Bridge Work)
3.	जनपद बदायूँ में शेखूपुर विधानसभा क्षेत्र में मुरादाबाद फर्रूखाबाद मार्ग के किमी 108 से 109 में घनी आबादी बदायूं (वर्ष 2023 में चिन्हित ब्लैक स्पॉट–मंडी समिति) का सुधार कार्य।	352.00	19.60	2714.00	12 माह	A (Road Work)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बदायूँ

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP – 240313 **दिनांक:** 12/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अमृत विचार

शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है। – **महर्षि वाल्मीकि**

स्वीकार के बाद

दिल्ली विस्फोट के नए खुलासों ने आखिरकार सरकार को यह मानने पर मजबूर कर दिया कि यह एक सुनियोजित आतंकी हमला था। प्रारंभिक जांच में जब सामान्य विस्फोट या लापरवाही की थ्योरी सामने लाई जा रही थी, तब भी घटनास्थल से बरामद सामग्री, विस्फोट की प्रकृति और संदेहास्पद संदेश, शामिल व्यक्तियों के संपर्क, यह साफ संकेत दे रहे थे कि मामला कहीं अधिक गहरा है। अब जब जांच एजेंसियों ने आतंकी संगठनों से जुड़े डिजिटल सबूत, विदेशी फंडिंग और सैन्य-ग्रेड विस्फोटकों की जानकारी सार्वजनिक की, तो सरकार के लिए यह स्वीकारोक्ति अपरिहार्य हो गई। शुरुआती संकेतों की उपेक्षा कर स्वीकार्यता की यह देरी उचित नहीं। आतंकी जनवरी से शृंखलाबद्ध विस्फोट की तैयारी में सक्रिय थे पर खुफिया एजेंसियों को उनकी गतिविधियों की भनक दस महीनों तक नहीं लगी। यह देरी हमारे आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कमजोरी का द्योतक है। इस लापरवाही ने आतंकवाद के प्रति घोषित "ज़ीरो टॉलरेंस" नीति की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। "ज़ीरो टॉलरेंस" का अर्थ केवल सख्त कार्रवाई नहीं, बल्कि समय रहते सटीक खुफिया समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर निगरानी भी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस घटना की निंदा करते हुए आतंकवाद से निपटने के लिए राज्यों और केंद्र की एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाने, विदेशी फंडिंग पर कठोर निगरानी, और चरमपंथी संगठनों के नेटवर्क पर व्यापक छापेमारी संबंधी प्रस्ताव पारित हुआ, यह नीतिगत बयान है पर व्यावहारिक प्रभाव के लिए इन बिंदुओं को ठोस कार्रवाई में बदलना ज़रूरी है। घटना के बाद जमाते इस्लामी से जुड़े लगभग 500 ठिकानों और तीन राज्यों में 507 स्थानों पर छापेमारी की गई। यह कदम तात्कालिक राहत देता है, किंतु दीर्घकालिक असर तभी होगा जब इन संगठनों की फंडिंग, वैचारिक प्रसार और सोशल मीडिया नेटवर्क पर स्थायी निगरानी रखी जाए। महज निंदा प्रस्ताव और छापेमारी दीर्घकालिक समाधान नहीं दे सकतीं। वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का पर्दाफाश संयोग से हुआ-विवादास्पद पोस्टर प्रकरण की जांच के दौरान। यदि यह जांच न होती, तो शायद इस नेटवर्क का पता न चलता। जब खुफिया तंत्र आतंकियों की गतिविधियों को घटना बाद उसकी कड़ियां जोड़ने का काम करे तो यह तथ्य इस बात की पुष्टि करता है कि हमारा खुफिया ढांचा प्रतिक्रिया-प्रधान है, न कि सक्रिय।

टेरर फंडिंग, डिजिटल एन्क्रिप्शन चैनल और विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति-तीनों में पाकिस्तान की संलिप्तता के संकेत स्पष्ट हैं। भारत को अब सिर्फ़ "कड़े शब्दों में निंदा" से आगे बढ़कर कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर कठोर प्रतिरोध की रणनीति बनानी होगी। सरकार और गृह मंत्रालय को चाहिए कि वे साइबर इंटेलिजेंस को उन्नत करने के साथ ही राज्यों में संयुक्त आतंक-रोधी सेल गठित करे और उसका उसका समन्वय केंद्र से करने के अलावा विदेशी फंडिंग की वास्तविक समय पर ट्रैकिंग प्रणाली लागू करने की निगरानी संबंधित त्रिस्तरीय प्रणाली बनाए। यह विस्फोट बताता है कि आतंकवाद सीमा पार से अधिक सीमा के भीतर पनप रहा है। इसे रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ संस्थागत चुस्ती भी उतनी ही आवश्यक है। सरकार ने देर से सही, लेकिन सच्चाई स्वीकार की है। अब जरूरत तेज़ गति से कार्रवाई की है। निस्संदेह सरकार उम्मीद पर खरी उतरेगी।

प्रसंगवश

हर बच्चे के सपने को बचाने का संकल्प

बाल दिवस पर जब हम बच्चों की मुस्कुराहट, उनके सपनों और उजले भविष्य की बातें करते हैं, तब यह सच्चाई हमारे भीतर एक गंभीर सवाल उठाती है कि क्या सचमुच हर बच्चे को बचपन जीने का अवसर मिला है। क्या हर बच्चा अपने अधिकारों से परिचित है। संभवतः नहीं। समाज की यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और संरचनात्मक भी है। शहरों में बाल दिवस के नाम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और उपहार बांटे जाते हैं, जबकि दूसरी ओर हज़ारों बच्चे खेतों, ईंट भट्टों और निर्माण स्थलों की धूल में अपना बचपन खोने को मजबूर हैं।

भारत की जनसंख्या में लगभग साढ़े आठ प्रतिशत हिस्सा आदिवासी समुदायों का है। यह समुदाय प्रकृति के सबसे करीब है, पर विकास के मुख्य प्रवाह से सबसे दूर। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की पहुंच अब भी सीमित है। 2023-24 की यू.डायस प्लस रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर आदिवासी बच्चों के नामांकन में सुधार आया है, पर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर उपस्थिति में गिरावट स्पष्ट दिखती है। इसका कारण केवल गरीबी नहीं है। विद्यालयों की दूरी, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, परिवहन की कमी और बरसात में गांवों का अलग-थलग पड़ जाना भी इसके बड़े कारण हैं। ऐसे समय में जब परिवार रोज़ की आजीविका के संघर्ष में उलझा रहता है, तो बच्चों की पढ़ाई पीछे छूट जाती है। एक बार मजदूरी पर जाते परिवारों में एक दस साल के बच्चे को साथ देखा गया। पूछा कि क्या यह स्कूल नहीं जाता। पिता ने उत्तर दिया, न जाए तो खाएगा क्या। यह एक वाक्य उस कठोर जीवन-सत्य की ओर संकेत करता है, जहां भूख सपनों पर भारी पड़ जाती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में पांच से सत्रह वर्ष आयु के लगभग पचास लाख बच्चे अब भी श्रम में लगे हुए हैं। कानून बने हैं, अधिकार घोषित हुए हैं, पर इनका क्रियान्वयन गांवों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाया। फिर भी कुछ रोशनियां हैं। सरकार द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, सर्वशिक्षा अभियान, छात्रवृत्ति योजनाएं और मध्यान्ह भोजन जैसी पहलों ने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाई है। पर वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब शिक्षा को स्थानीय भाषा, संस्कृति और जीवन अनुभवों से जोड़ा जाएगा। जब शिक्षक बच्चों की मातृभाषा में संवाद करेंगे, जब पाठ्यक्रम में उनकी परंपराएं और ज्ञान प्रणाली शामिल होंगी, तब शिक्षा उनके जीवन में अपनत्व का भाव जगाएगी।

संध्याच राजपुरोहित

लेखिका, मध्य प्रदेश

यह समस्या केवल विद्यालय की नहीं है। जब तक परिवारों के लिए स्थायी आजीविका के साधन नहीं होंगे, तब तक बच्चों का स्कूल जाना चुनौती बना रहेगा। जंगल आधारित अर्थव्यवस्था, लघु वन उत्पादों का उचित मूल्य, कुटीर उद्योग और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की मजबूती अत्यंत आवश्यक है। आर्थिक स्थिरता ही शिक्षा का मार्ग खोलती है। समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल सरकारी योजना नहीं, एक सामूहिक सामाजिक प्रतिबद्धता है। गांव, समुदाय, शिक्षक, युवा और स्थानीय संस्थाएं मिलकर जागरूकता फैला सकते हैं।

आज आवश्यकता है कि संवेदना को कर्म में बदला जाए। पंडित नेहरू का सपना था कि हर बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और स्वतंत्र वातावरण में बड़ा हो। यह सपना तभी पूर्ण होगा, जब किसी गांव की झोपड़ी में बैठी बच्ची यह न सोचे कि स्कूल जाने का अर्थ भूखे रह जाना है। यदि हम आदिवासी इलाकों में शिक्षा की लौ जला सके, तो आने वाले समय में गरीबी और शोषण की अंधकार भरी रातें स्वयं समाप्त हो जाएंगी।

अच्छे संकेत नहीं बांग्लादेश में बढ़तीं आतंकी गतिविधियां

दिग्विजय सिंह

कानपुर

प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियां बढ़ती ही जा रही हैं। वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के भारत विरोधी रवैये के कारण वहां भारत विरोधियों की बाढ़ सी आ गई है। ऐसे कट्टरपंथी भारत की शांति में खलल डाल सकते हैं। न सिर्फ बांग्लादेश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, बल्कि वहां पर भारत विरोधी संगठन भी आतंक को बढ़ावा देने में जुट गए हैं।

आईएसआई के अफसरों की बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों के प्रमुखों से मुलाकात का दौर जारी है। ऐसे में अब वहां जेएमबी, अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम जैसे आतंकी संगठन भी तेजी से भारत विरोधी रुख अख्तियार कर रहे हैं। आईएसआई की मंशा है कि ये संगठन मिलकर भारत को निशाना बनाएं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा आईएसआई को बढ़ावा देने से भारतीय खुफिया एजेंसियां सतर्क तो हो गई हैं, लेकिन अब सरकार को भी बांग्लादेश की दुखती रग पर हाथ रखना होगा। दिल्ली में हुए बम धमाके और फरीदाबाद व अन्य जगहों पर मिले प्रतिबंधित हथियार ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बैठक में दोषियों पर करारा प्रहार का आदेश दे दिया है, लेकिन जरूरत उन्हें भी सबक सिखाने की है, जो अपने देश में भारत के विरोधियों को पांव जमाने का अवसर दे रहे हैं।

पांच अगस्त 2024 को बांग्लादेश की सत्ता से प्रधानमंत्री शेख हसीना को बेदखल कर दिया गया था। भारतीय हितों के लिए सदैव तत्पर रहीं शेख हसीना की विदाई में कट्टरपंथी संगठनों को हाथ था। उन्होंने ही छात्रों को उकसाया और फिर जब आंदोलन शुरू हुआ, तो हर तरह की मदद की। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार का मुखिया बनने के बाद यह उम्मीद जगी थी कि शेख हसीना की तरह ही वे भारतीय हितों का ध्यान रखेंगे, पर हुआ इसका उलट। उन्होंने न सिर्फ आईएसआई के अधिकारियों को बार-बार बुलाया, बल्कि पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर के सहयोगियों को भी अपने देश में बुलाकर तकरीरें करने की छूट दी। इन सबके बीच ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की सेना के बीच सहयोग भी बढ़ा है। पाकिस्तानी अफसर बांग्लादेश के सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के चीफ ऑफ ज्वाइंट चीफ्स जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने ढाका की यात्रा की थी। इस दौरान भी दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान पर बात हुई थी। पाकिस्तान ने ढाका में स्थित उच्चायोग में आईएसआई के प्रकोष्ठ को पुनः सक्रिय कर दिया है। इसके लिए ब्रिगेडियर, कर्नल और मेजर स्तर के अधिकारियों की तैनाती भी कर दी है। उनकी नियुक्ति भारत के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि आईएसआई के अधिकारी वहां बैठकर अब भारत विरोधी एजेंडे को धार देने से नहीं चूकेंगे। हालांकि भारतीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां भी पूरी तरह से चौकन्नी हैं और भारत विरोधी एजेंडे को मटियामेट करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी, लेकिन पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की आड़ में वहां से आतंकी आ सकते हैं।

इस बात का भी डर हर किसी को सता रहा है। 2009 से पहले जब ढाका में आईएसआई की सक्रियता चरम पर थी, तब उसने जमाते-इस्लामी के जरिए भारत के कई शहरों में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया था। अब वहां जमाते-इस्लामी की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। साथ ही हरकत-उल-जिहादी-इस्लामी (हूजी) भी सक्रिय हो गया है। वह भारत से लगती लंबी सीमा पर अपने माड्यूल स्थापित करने की फिराक में जुटा है। इन सबके लिए मोहम्मद यूनुस बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बांग्लादेश ये भूल रहा है कि भारत ही उसका जन्मदाता है। अगर उसकी धरती से भारत में किसी तरह का आतंकी हमला होता है, तो फिर यह उसके लिए मुश्किल भरा समय होगा, क्योंकि भारत अब झुकने वाला नहीं, बल्कि जवाब देने वाला है। मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान से छोटे हथियार, गोला-बारूद, युद्ध सामग्री और जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट लेने की तैयारी शुरू की है। चीन की गतिविधियां भी बांग्लादेश में बढ़ी हैं। आशंका जताई जा रही है कि सैन्य प्रशिक्षण के जरिए बांग्लादेश, भारतीय सैन्य रणनीति और गुप्त सूचना पाकिस्तान तक पहुंचा सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। भारत के लिए सिर्फ पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठन ही चिंता का विषय नहीं हैं, बल्कि बांग्लादेश में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा तुर्किए भी है। हर मोर्चे पर पाकिस्तान का साथ देने वाला तुर्किए भी अपनी गतिविधियां बांग्लादेश में बढ़ा रहा है। चीन तो पहले से ही बांग्लादेश में सक्रिय है। पाकिस्तान से दोस्ती कराने में चीन की भूमिका अहम रही है। चीन, पाकिस्तान और तुर्किए तीनों भारत के दुश्मन हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और तुर्किए ने पाकिस्तान की मदद की थी। ऐसे में तुर्किए की भी गतिविधियां बांग्लादेश में बढ़ना अच्छा संकेत नहीं हैं।

चीन और पाकिस्तान की मदद से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटे बांग्लादेश ने तुर्किए से भी रक्षा सौदा लगभग फाइनल कर लिया है। तुर्किए, बांग्लादेश को लंबी दूरी की मिसाइल, लड़ाकू ड्रोन आदि देने की तैयारी कर रहा है। वैसे तो बांग्लादेश बार-बार यह कहता है कि वह हथियार की खरीद इसलिए कर रहा है, ताकि म्यांमार के लड़ाकू विमान, जो बार-बार उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करते हैं न कर सकें। वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनना चाहता है, लेकिन एक्सपर्ट मानते हैं कि भारत के चिकननेक पर अपनी गिद्ध दृष्टि लगाए बांग्लादेश के हुक्मरान धीरे-धीरे अपनी रक्षा शक्ति को मजबूत कर रहे हैं। हालांकि बांग्लादेश चाहे जितनी रक्षा शक्ति मजबूत कर ले, उसकी सेनाएं हमारी सेना का मुकाबला नहीं कर सकती हैं। हां उसकी धरती पर बढ़ता कट्टरपंथ और आतंकवाद की तैयार हो रही पौध हमारे लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

2009 से पहले जब ढाका में आईएसआई की सक्रियता चरम पर थी, तब उसने जमाते-इस्लामी के जरिए भारत के कई शहरों में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया था।

आमने

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के एग्जिट पोल पर कहा कि एनडीए सरकार बनाने जा रही है। सोर्स से जानकारी मिल रही है और साफ नजर आ रहा है कि एनडीए की सरकार बनने वाली है। कल परिणाम आने के बाद एनडीए की सरकार बनेगी।

-प्रेम कुमार

मंत्री, बिहार सरकार

सामने

अभी 14 नवंबर तक परिणाम की प्रतीक्षा करनी होगी, जो वोट चोरी हुई है, उसका बहुत व्यापक असर इस चुनाव पर पड़ेगा। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि 80 लाख वोट बिहार में चोरी हुए हैं। 80 लाख मतदाता वोट देने से वंचित हुए हैं।

- संजय सिंह

आप सांसद

आतंकवादी डॉक्टर्स: समाज और शिक्षा के सरोकार

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

एक-दो नहीं कोई आधे दर्जन डॉक्टर्स एक ऐसे गिरोह में शामिल थे, जो देश को अस्थिर करने और निर्दोष लोगों की हत्या के लिए धर्म की आड़ ले रहे थे। दिल्ली में बेकसूर अनजान लोगों की जान उन लोगों ने ले ली, जिन्होंने इस बात की शिक्षा ली थी कि हर हाल में लोगों की जान बचानी है। वह भी उस राज्य के लोग, जहां साक्षरता स्तर देश के एक औसत से अधिक 82 फीसदी से अधिक है।

इस नफरत के दरिया में डूबते-तैरते सहभागी भले ही कुछ कुतर्क गढ़ें और किसी धर्म विशेष को निशाने पर लेने में उससे जुड़े लोग खुद को उससे अलग दिखाएं, लेकिन सवाल तो उठता है कि क्या समाज का बड़ा वर्ग और साथ ही हमारी शिक्षा, हिंसा, घृणा, भावनाओं पर नियंत्रण न होना जैसे मसलों पर व्यावहारिक ज्ञान या नैतिकता का पाठ पढ़ाने में असफल रहा है। चूंकि इतनी बड़ी संख्या में डॉक्टर्स एक ही संप्रदाय से जुड़े हैं, इसलिए इस बात पर तो विचार करना होगा कि समाज का शिक्षित और पढ़ा-लिखा वर्ग क्या अपने घर में, धार्मिक स्थल और सामाजिक विमर्श में इस तरह की अलगाववादी और हिंसक हरकतों के खिलाफ सशक्त दखल रखता है? असल में सवाल के दायरे में वे सभी आते हैं, जो समुदाय के राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक रहनुमाई का दावा करते हैं।

सवाल के दायरे में वे भी हैं, जो बंदूक के दवाब में हुए कतिपय राजनीतिक बदलाव के बाद यह मान बैठे हैं कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है। जिस राज्य का साक्षरता प्रतिशत इतना अच्छा हो, खासकर किशोर और युवाओं में, जहां से अधिक संख्या में डॉक्टर निकल रहे हैं, वहां के युवा यदि बंदूकें लेकर खुद ही मसले को निपटाने या अपने विद्वेष में आतंकवाद को औजार बनाने के लिए आतुर हैं, तो जाहिर है कि वे अभी तक स्कूल-कॉलेज में जो पढ़ते रहे, उसका उनके व्यावहारिक जीवन में कोई महत्व या मायने है ही नहीं। यदि सीखना एक सामाजिक प्रक्रिया है, तो हमारी वर्तमान विद्यालय प्रणाली इसमें शून्य है। यह कड़वा सच है कि पाठ्यक्रम और उसकी सीख महज विद्यालय के परिसर के एकालाप और परीक्षा में उत्तीर्ण होने का माध्यम है। इसमें समाज या बच्चे के पालक की कोई भागीदारी नहीं है। किसी असहमति को, विग्रह को किस तरह संयम के साथ साहचर्य से सुलझाया जाए, ऐसी कोई सीख विद्यालय समाज तक नहीं दे पाया। फर्राटेदार अंग्रेजी बोल रहे लड़के हाथों में असलाहा लिए महज किसी जाति या समाज को जड़ से समाप्त कर देने के लिए आतुर दिखे। उनके अनुसार विवाद का हल दूसरे समुदाय को जड़ से मिटा देने के अलावा कुछ नहीं। लगा किताबों के पहाड़, डिग्रियों के बंडल और दुनिया की समझ एक कारतूस के सामने बौने ही हैं।

यह शक के दायरे में है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व देश की शिक्षा का असली मर्म समझ पा रहा है। महंगाई की मार के बीच उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं का रोजगार, घाटे का सौदा होती खेती और विकास के नाम पर हस्तांतरित होते खेत, पेट भरने व सुविधाओं के लिए शहरों की ओर पलायन, प्राकृतिक संसाधनों पर आश्रित समाज को उनके पुश्तैनी घर-गांव से निष्कासित करना। दूरस्थ राज्यों के शिक्षित ग्रामीण युवाओं की ये दिक्कतें क्या हमारे नीति-निर्धारकों की समझ में हैं? क्या भारत के युवा को केवल रोजगार चाहिए? उसके सपने का भारत कैसा है? वह सरकार और समाज में कैसी भागीदारी चाहता है? ऐसे ही लगभग अनुत्तरित से कई सवाल तरुणाई के इर्द-गिर्द टहल रहे हैं। आज जरूरत है कि स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र इस तरह हो ताकि मौलिक कर्तव्यों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की गहरी भावना, अपने देश के साथ अटूट संबंध और एक बदलती दुनिया में अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता विकसित की जा सके। न केवल विचार में, बल्कि आत्मा, बुद्धि और कर्मों में, बल्कि जो मानव अधिकारों के लिए जिम्मेदार प्रतिबद्धता का समर्थन करते हैं, जिससे वास्तव में एक वैश्विक नागरिक प्रतिबिंबित हो।

हम अपने मसले भावनाओं में बहकर गलत तरीके से नहीं, बल्कि सामंजस्य के साथ-साथ बैठकर, बगैर किसी बाहरी दखल के सुलझा सकें। इसके लिए अनिवार्य है कि स्कूल से ही बच्चों को समुदायिक और सामूहिक निर्णय लेने की लोकतंत्रात्मक प्रणाली के लिए मानसिक रूप से दक्ष किया जाए। इसके लिए स्कूली स्तर पर शारीरिक शिक्षा, फिटनेस, स्वास्थ्य और खेल आदि गतिविधियां, प्राथमिक स्तर पर बगैर बस्ते के आयोजित करना होगा।

कश्मीर घाटी जैसे छोटे से और पर्याप्त साक्षर राज्य ने जता दिया कि हमारी शिक्षा में कुछ बात तो ऐसी है कि वह ऐसे युवाओं, सरकारी कर्मचारियों, खासकर पुलिस को देश, राष्ट्रवाद, महिलाओं के लिए सम्मान और अहिंसा जैसी भावनाओं से परिपूर्ण नहीं कर पाई। यह हमारी धार्मिक और पाठ्य पुस्तकों व उससे उपज रही शिक्षा का खोखला दर्शन नहीं तो और क्या है? हम धार्मिक आयोजनों या घर में साथ बैठकर सियासी मसलों के समाधान में हिंसा और अलगाव की संभावना को सिरे से नकारने पर सशक्त राय देने से क्यों परहेज करते हैं?

हम अपने मसले भावनाओं में बहकर गलत तरीके से नहीं, बल्कि सामंजस्य के साथ-साथ बैठकर, बगैर किसी बाहरी दखल के सुलझा सकें।

सोशल फोरम

साफ हवा-पानी कोई सुविधा नहीं जीने का अधिकार है

हाल ही में दिल्ली के "इंडिया गेट" पर सैंकड़ों माता-पिता, युवक-युवतियां, सोशल एक्टिविस्ट और सीनियर सिटिज़न नवंबर की प्रदूषित हवा में खड़े विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। किसी ने पूछा, "कौन इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन कर रहा है?" क्योंकि वहां न कोई बैनर, न ही किसी राजनीतिक दल का झंडा, न किसी एनजीओ का पोस्टर लगा दिखाई दे रहा था। यह एक विशेष विरोध प्रदर्शन था, जिसमें लोग अपने जीवन के अधिकार की मांग कर रहे थे। अगर जनता सांस नहीं ले सकेगी तो जीएगी कैसे? सांस लेने के लिए न्यूनतम आवश्यकता साफ हवा की होती है। राज्य की सरकारें, पत्रकार, नागरिक और न्यायालय खामोश किए जा सकते हैं, लेकिन जब बच्चों, बुजुर्गों और सभी स्वस्थ नागरिकों को हवा में दम घुटता महसूस हो, तो कोई कैसे चुप रह सकता है? यह सिर्फ वातावरणिय प्रदूषण का मामला नहीं है, जिसके लिए कोई पंजाब, हरियाणा के किसानों को पराली जलाने का जिम्मेदार ठहरा कर अपना पल्ला झाड़ सकता है। न ही गाड़ियों, थर्मल पावर प्लांट और दिल्ली या कंस्ट्रक्शन गतिविधियों को जिम्मेदार ठहरा कर बच सकता है। प्रदूषण चाहे वह हवा का हो या पानी का, सबसे अधिक प्रभावित करता है ग़रीब मज़दूर, कामग़ार और नौकरी पेशा लोगों को। जनता का यह वर्ग रोजगार के लिए घर से बाहर निकलने को मजबूर है। वह बड़े-बंगलों, सरकारी एसी दफ्तरों में रहकर काम नहीं कर सकता। अमीर आदमी तो अपने हर एक कमरे में एयरप्यूफाइड, वाटर प्यूरीफायर लगवा कर रह सकता है, लेकिन गरीब लोग तो इससे बच नहीं सकते। सबसे ज्यादा हेल्थ खराब होने का खतरा जनता के इसी तबके को होता है।

अमरजीत सिंह

ब्लॉगर

मैं कोई पर्यावरण विशेषज्ञ नहीं हूं, जो अलग-अलग लोगों की रिपोर्टों के आंकड़े बटोरकर, विकास, नेहरू या कांग्रेस या जनता को ही हवा-पानी के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहरा कर खुशी हासिल कर सकूं। यह प्रदूषण सिर्फ दिल्ली, एनसीआर या आसपास के शहरों तक ही सीमित नहीं है। देश के दूसरे शहरों का भी कमोबेश यही हाल है। चूंकि दिल्ली देश की राजधानी है इसलिए यहां किसी बात को लेकर बवाल अधिक होता है, लेकिन यह जीने का अधिकार तो अमीरों के लिए ही सीमित नहीं है। देश की ग़रीब जनता के लिए भी है।

-फेसबुक वॉल

सामयिकी

सापेक्ष से परम तक सत्य के अनेक रूप

सत्य कोई एकरूप, ठोस वस्तु नहीं है। वह बदलता है-अनुभव के स्तर के साथ, दृष्टिकोण के साथ और अस्तित्व की गहराई के साथ। कभी वह विचार और वस्तु के मेल में दिखाई देता है, कभी वह स्वयं अस्तित्व के रूप में प्रकट होता है। कभी वह तर्कसंगत और निश्चित होता है, कभी अनुभूत और अव्यक्त। सत्य के ये अनेक प्रकार वास्तव में इस बात की भिन्न-भिन्न अभिव्यक्तियां हैं कि वास्तविकता अपने को मनुष्य के सामने किस प्रकार प्रकट करती है। यह लेख किसी संकीर्ण परिभाषा की सूची नहीं, बल्कि एक आरोहण है-सापेक्ष से परम तक, आंशिक से अखंड तक।

सांस्कृतिक या परंपरागत सत्यः सबसे सापेक्ष स्तर पर सत्य वह है, जिस पर एक समाज सहमत होता है। यह आचार, परंपराओं और संस्थाओं में बुना हुआ है। रुपया, संपत्ति, विवाह, राष्ट्र-ये सब सामूहिक विश्वास पर टिके हैं। सौ रुपये का नोट इसलिए "सच्चा" है, क्योंकि समाज उसे ऐसा मानता है। वे व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं, पर नाशवान भी, क्योंकि वे विश्वास के टूटते ही मिट जाते हैं।

डॉ सुधांशु के. मिश्रा

सेवानिवृत्त प्रोफेसर

प्रयोजनात्मक या प्रायोगिक सत्यः सत्य वह है, जो काम करता है। यहां किसी विचार या सिद्धांत की सत्यता उसकी प्रभावशीलता से आंकी जाती है। यदि कोई औषधि रोग ठीक करती है, यदि कोई सेतु गिरता नहीं, तो उनके पीछे का ज्ञान "सत्य" कहलाता है। विज्ञान, तकनीक और व्यवहार के क्षेत्र में यही सत्य सबसे कारगर रूप में प्रकट होता है।

सुसंगति या तात्विक सत्यः यहां सत्य तर्क और विचार की आंतरिक एकता में निहित है। किसी तर्क या दर्शन का सत्य इस पर निर्भर करता है कि वह अपने भीतर विरोध पैदा करता है या नहीं। गणित, कानून और तत्वज्ञान में यही सिद्धांत लागू होता है।

तार्किक सत्यः तार्किक सत्य सुसंगति से भी अधिक औपचारिक होता है। यह संरचना के कारण सत्य होता है, तथ्य के कारण नहीं। "यदि सभी मनुष्य नश्वर हैं और सुकरात मनुष्य है, तो सुकरात नश्वर है"-यह सत्य आवश्यक है।

संज्ञानिक या साम्य-सिद्ध सत्यः अब सत्य पुनः संसार में लौटता है, जहां विचार और वस्तु का प्रत्यक्ष मिलन होता है। कोई कथन तब सत्य होता है, जब वह वास्तविकता से मेल खाता है। यह दृष्टिकोण अरस्तू से लेकर आधुनिक विज्ञान तक फैला है। किन्तु यह मान लेता है कि ज्ञान और अस्तित्व अलग-अलग हैं-और ज्ञान उनका सही प्रतिबिंब बन सकता है।

अनुमानिक या समीपी सत्यः विज्ञान में सत्य कभी पूर्ण नहीं होता, बल्कि लगातार सुधारता रहता है। (पाई) के मान की प्रत्येक दशमलव अभिव्यक्ति पूर्ण पाई नहीं होती, पर अधिक सटीक होती जाती है। यह सत्य क्रमिक प्रगति का है। एक ऐसा सत्य जो कभी पूर्ण नहीं, पर यह स्वीकार करता है कि अनिश्चितता मनुष्य-ज्ञान की अंतर्निहित शर्त है।

नैतिक या आचरणगत सत्यः नैतिक सत्य आचरण में बसता है, ज्ञान में नहीं। यह सत्यनिष्ठा है- वचन, न्याय और आत्मा के प्रति सच्चाई। कोई व्यक्ति "सच्चा" कहलाता है, जब वह छल से मुक्त होता है, भले ही उसकी बातें तर्क से परे हों। यह सत्य समाज को विश्वास से बांधता है। यह अंतर और बाह्य की एकता है। सत्य एक बिंदु नहीं, बल्कि प्रकाश का एक विस्तृत स्पेक्ट्रम है। निचले स्तरों पर वह सामाजिक और उपयोगी है, मध्य स्तरों पर तर्क और अनुभवजन्य और सर्वोच्च स्तर पर-वह स्वयं अस्तित्व है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आसमान से उतरेगा ट्रैफिक जाम का सॉल्यूशन

कल्पना कीजिए कि आप एयरपोर्ट जा रहे हैं। सड़क पर भारी भीड़ के कारण ट्रैफिक रेंग रहा है। इस हाल में आपको फ्लाइट छूटने की चिंता सता रही है, लेकिन आप बेबस हैं और कैब में बैठकर सिर्फ व्यवस्था या यातायात जाम को कोसने के लिए विवश हैं। देश के ज्यादातर बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम के कारण 15 से 20 किमी का रास्ता तय करने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे का वक्त लग जाता है, लेकिन जल्दी ही इस समस्या का समाधान होने वाला है। भारत में उड़ने वाली कारों या ई-एयर टैक्सी का नया युग उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद आप देखेंगे कि वाहन केवल सड़कों और गलियों में ही नहीं, बल्कि हवा में भी चलते हैं। कैब की तरह आप इन्हें बुक कर सकेंगे। इसके अगले कुछ ही मिनटों में एक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (ईवीटीओएल) एयर टैक्सी आपके समीप आसमान से उतरेगी। आप उस पर सवार होंगे और कुछ ही पलों में बिना किसी रनवे या स्टेशन के आप हवा में उड़ान भर रहे होंगे। विज्ञान कथा जैसी यह उम्मीद देश में अगले चार-पांच सालों के भीतर हकीकत बनने जा रही है।

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

बदल जाएगी शहरी परिवहन की तस्वीर

देश अब उस मोड़ पर है, जहां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जमीन से आसमान तक पहुंच रही है। ईवीटीओएल यानी एयर टैक्सी, मतलब ऐसी उड़ने वाली इलेक्ट्रिक कारें, जो वर्टिकल तरीके से टेकऑफ और लैंडिंग कर सकती हैं, आने वाले वर्षों में शहरी परिवहन की तस्वीर को पूरी तरह बदल देंगी। ईवीटीओएल उन उड़ने वाली कारों जैसी ही हैं, जिन्हें हमने अक्सर विज्ञान फिल्मों में देखा है। जिस तरह से इनका विकास हो रहा है, उसके चलते कुछ ही वर्षों में इनका नियंत्रण रिमोट से हो जाएगा। ये टैक्सियां किसी विशेषज्ञ पेशेवर की निगरानी में स्वायत्त रूप से उड़ान भरेंगी और डेटा भेजने तथा वास्तविक समय में डिजिटल डेटा की निगरानी के लिए 5जी कनेक्शन का उपयोग करेंगी। इनमें इमेजिंग के लिए बिल्ट-इन हाई-डेफिनिशन कैमरे और अन्य नेविगेशन सिस्टम होंगे, जो हर समय यह पता देते रहेंगे कि वे कहां पर हैं।

शहरों के ऊपर होगी उड़ान

भारत सरकार की न्यू ड्रोन पॉलिसी और ग्रीन एविएशन मिशन के तहत ईवीटीओएल टैक्सियों के लिए नियम तय किए जा रहे हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने इस तकनीक के लिए टेस्टिंग और एयर रूट सर्टिफिकेशन की दिशा में काम शुरू कर दिया है। बेंगलुरु, मुंबई, और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर सबसे पहले इस तकनीक को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बेंगलुरु की स्टार्टअप स्काई शटल और सरला एविएशन तथा हैदराबाद की कंपनी द ई प्लेन ने अगले साल ट्रायल फ्लाइट्स शुरू करने की तैयारी कर रखी है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, महिंद्रा एयरो, और एचएएल जैसी कंपनियां भी ईवीटीओएल प्रोजेक्ट में निवेश कर रही हैं।

दोहरी राहत

देश के महानगरों में ट्रैफिक जाम का दंश हर रोज लाखों लोग झेलते हैं। जहां सड़क पर एक सफ़र में घंटों लग जाते हैं, वहीं ईवीटीओएल टैक्सी यही दूरी 10-15 मिनट में तय कर सकती है। इलेक्ट्रिक होने के कारण इन टैक्सियों से कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य होगा। यह न सिर्फ तेज और सुविधाजनक होंगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी वरदान साबित हो सकती हैं।

क्या है ईवीटीओएल तकनीक

(इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग) एक ऐसा विमान है, जो सीधे ऊपर और नीचे उतरने के लिए हेलीकॉप्टर की तरह इलेक्ट्रिक शक्ति का उपयोग करता है। यह बिना रन वे के उड़ान भरने और उतरने में सक्षम होता है, जिससे यह भीड़-भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में परिवहन के लिए आसान विकल्प है। इसी कारण इसे 'एयर टैक्सी' भी कहा जाता है। बैटरी संचालित होने के कारण यह टैक्सी पर्यावरण के अनुकूल और बिना किसी शोर के शांत उड़ान प्रदान करती हैं।

माल परिवहन व इमरजेंसी सेवाएं

यह वाहन शहरी क्षेत्र में लोगों और सामान के परिवहन का एक नया साधन है। इसका उपयोग कार्गो डिलीवरी, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स के लिए माल पहुंचाने में भी किया जा सकता है। यही नहीं, भीड़-भाड़ वाले शहरों में आपातकालीन सेवाओं और चिकित्सा आपूर्ति को तेजी से पहुंचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग टैक्सियां लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती हैं। यह हेलीकॉप्टर जैसी लगती हैं, लेकिन इनके संचालन के लिए किसी हेलीपैड, ईंधन और रखरखाव जैसे महंगे खर्च की जरूरत नहीं होती है। यह किसी भी खुले मैदान या भवन की छत को अपने काम के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। इन वाहनों में आमतौर पर 6 यात्री तक बैठ सकते हैं।

भारत है काफी बड़ा बाजार

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के पास ईवीटीओएल का सबसे बड़ा संभावित बाजार है, क्योंकि यहां शहरी भीड़ और ट्रैफिक दोनों ही बड़ी समस्या हैं। अनुमान है कि अगले 10 सालों में भारत में 10,000 से अधिक ईवीटीओएल टैक्सियां काम कर सकती हैं। हालांकि ईवीटीओएल टैक्सी के सपने को साकार करने के लिए कई चुनौतियां भी हैं, जैसे एयरस्पेस रेगुलेशन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और सेफ्टी सर्टिफिकेशन। इसके अलावा, शुरुआती दौर में किराया भी आम लोगों के बजट से ऊपर हो सकता है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि अगर सब कुछ योजनानुसार चला, तो माना जा रहा है कि 2030 तक एयर टैक्सियां हमारे शहरी जीवन का हिस्सा बन जाएंगी। मोबाइल ऐप से बुकिंग, 5 मिनट में आसमान से उतरती टैक्सी, और अगले 20 मिनट में गंतव्य तक पहुंच।

विज्ञान फैक्ट

पूरी तरह से शांत नहीं है अंतरिक्ष

अक्सर कहा जाता है कि अंतरिक्ष (Space) पूरी तरह से शांत होता है, क्योंकि वहां हवा या कोई अन्य माध्यम नहीं होता, जिसमें ध्वनि (Sound) यात्रा कर सके। वास्तव में यह बात आंशिक रूप से सही है। ध्वनि को चलने के लिए हवा, पानी या ठोस पदार्थ जैसे माध्यम की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष के विशाल भागों में ऐसा कोई माध्यम मौजूद नहीं होता, इसलिए वहां इंसानी कानों को सुनाई देने वाली आवाजें नहीं पहुंचतीं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अंतरिक्ष पूरी तरह से "मौन" है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि आकाशीय पिंडों- जैसे तारे, ग्रह, नीहारिकाएं और ब्लैक होल से विद्युत चुम्बकीय तरंगें और कंपन निकलते हैं। इन तरंगों को विशेष वैज्ञानिक उपकरणों द्वारा ध्वनि तरंगों में बदला जा सकता है।

उदाहरण के लिए, नासा ने कई बार अंतरिक्ष में ग्रहों और ब्लैक होल से आने वाली रेडियो तरंगों को रिकॉर्ड किया है और उन्हें "स्पेस साउंड्स" में परिवर्तित किया है। इन रिकॉर्डिंग्स में गूंज, कंपन और रहस्यमयी

आवाजें सुनाई देती हैं, जो हमें ब्रह्मांड की गतिविधियों का अनुभव कराती हैं। वास्तव में, यदि हम किसी घने गैस वाले क्षेत्र में होते-जैसे किसी नीहारिका के भीतर, तो वहां ध्वनि की तरंगें भी चल सकती हैं, लेकिन वे इतनी धीमी और कमजोर होती हैं कि हमारे कान उन्हें नहीं सुन सकते।

इस प्रकार अंतरिक्ष पूरी तरह से शांत नहीं है। यह अपने भीतर अनेक कंपन, तरंगों और ऊर्जा के रूपों से भरा हुआ है। हमें बस उन्हें "सुनने" के लिए सही उपकरण और समझ की आवश्यकता है। अंतरिक्ष का यह मौन वास्तव में एक गूंजता हुआ रहस्य है, जो हमें ब्रह्मांड की अनंतता और विज्ञान की अद्भुत शक्ति का एहसास कराता है। ***-फीचर डेस्क***

गुजर गईं पर्यावरणविद् जेन गुडॉल

हाल ही में जेन गुडॉल संस्थान की संस्थापक का निधन अमेरिका के वाशिंगटन (डीसी) स्थित जेन गुडॉल संस्थान की संस्थापक डॉ. जेन गुडॉल का निधन हो गया। 91 वर्ष की आयु में, वे संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने व्याख्यान दौरे के लिए लॉस एंजिल्स, कैलिफ़ोर्निया में थीं और नींद में ही शांतिपूर्वक चल बसीं। डॉ. गुडॉल के जीवन और कार्य ने न केवल चिम्पांजी और अन्य प्रजातियों के बारे में हमारी समझ पर, बल्कि मानव जाति और हमारे साझा पर्यावरण पर भी एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने दुनियाभर के अनगिनत लोगों में जिज्ञासा, आशा और करुणा को प्रेरित किया और कई अन्य लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया। विशेष रूप से युवाओं के लिए जिन्होंने उन्हें भविष्य के लिए आशा दी।

1960 में डॉ. गुडॉल ने तंजानिया के गोम्बे राष्ट्रीय उद्यान में सबसे लंबे समय तक चलने वाले जंगली चिम्पांजी अध्ययन की स्थापना की, जो आज भी जारी है। उन्होंने चार दशकों से भी अधिक समय तक चिम्पांजी क्षेत्र में जेन गुडॉल संस्थान की समुदाय-केंद्रित संरक्षण पहलों का बीड़ा उठाया और उन्हें बनाए रखा। उनकी विरासत में जेजीआई का अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण और मानवीय युवा कार्यक्रम रूट्स एंड शूट्स का निर्माण शामिल है, जो दुनियाभर के 75 से अधिक देशों में सक्रिय रूप से बदलाव ला रहा है।

रोचक किस्सा

मिसाइल मैन ऑफ इंडिया

डॉ. अब्दुल कलाम, जिन्हें प्यार से "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" कहा जाता है, न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि एक सच्चे प्रेरक व्यक्तित्व भी थे। एक बार जब कलाम इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) में कार्य कर रहे थे, उस समय एक रॉकेट प्रोजेक्ट पर उनका नेतृत्व था। लॉन्च की तैयारी के दौरान कुछ तकनीकी त्रुटि हो गई और रॉकेट असफल हो गया। यह विफलता पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी निराशा थी, लेकिन उस समय ISRO के अध्यक्ष डॉ. सतीश धवन ने असफलता की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली और मीडिया के सामने कहा, "यह मेरी गलती थी।" जबकि वास्तव में प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी डॉ. कलाम के पास थी। उन्होंने अपने वरिष्ठ की यह विनम्रता और नेतृत्व देखकर बहुत कुछ सीखा।

एक वर्ष बाद जब अगला रॉकेट सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ, तब सतीश धवन ने कहा- "अब मीडिया से सफलता की बात तुम करोगे।"

यह बात डॉ. कलाम के जीवन में गहराई से बस गई। उन्होंने बाद में कहा कि "असफलता में नेता आगे होता है और सफलता में वह अपनी टीम को आगे रखता है।" यह घटना उनके नेतृत्व, विनम्रता और मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है। आगे चलकर उन्होंने भारत को मिसाइल तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और रक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

डॉ. कलाम का यह किस्सा हमें सिखाता है कि असली महानता केवल सफलता में नहीं, बल्कि दूसरों को सम्मान और अवसर देने में होती है।

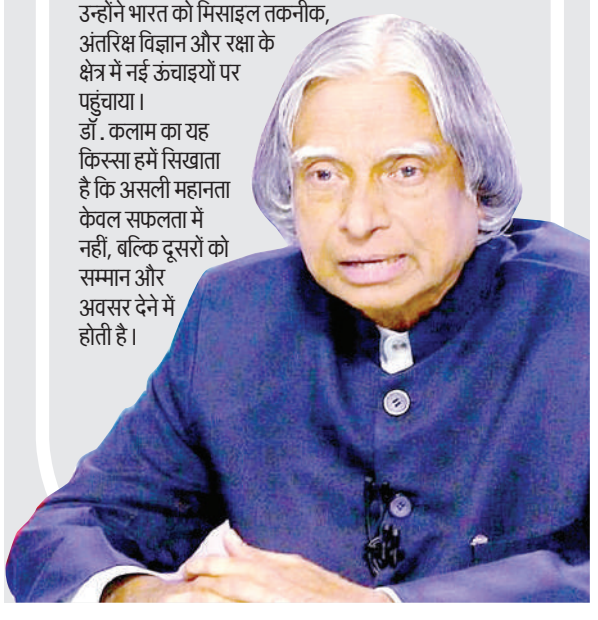

तेजी से पीछे हट रहा है अंटार्कटिक ग्लेशियर

2022 में, हेक्टोरिया ग्लेशियर के साथ कुछ चौंकाने वाला हुआ, जो बर्फ की एक छोटी सी नदी है और अंटार्कटिक प्रायद्वीप के सिरे के पास समुद्र में गिरती है। 16 महीनों में, यह 25 किलोमीटर पीछे हट गया, और इनमें से सिर्फ दो महीनों में ही इसने 8 किमी की भारी गिरावट दर्ज की, जो आधुनिक रिकॉर्ड में सबसे तेज है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने इसके पीछे के चिंताजनक कारणों की पहचान कर ली है : हिमनद भूकंपों और पतली बर्फ की एक पट्टी का एक भूगर्भीय क्षण में ऊपर उठकर टूटना।

मिशिगन विश्वविद्यालय के ग्लेशियोलॉजिस्ट जेरेमी बैसिस कहते हैं कि अगर यही प्रक्रियाएं बड़े अंटार्कटिक ग्लेशियरों पर भी होतीं, तो वे बर्फ की चादरों के पीछे हटने की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ा सकती थीं और वैश्विक समुद्र स्तर को बढ़ा सकती थीं। यह अध्ययन "हमें बता रहा है कि ये सबसे बुरी स्थितियां शायद उतनी असंभव नहीं हैं, जितनी कुछ लोगों ने सोची होंगी।"

अंटार्कटिका पृथ्वी का सबसे ठंडा और दूरस्थ महाद्वीप है, जो लगभग 14 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और इसकी बर्फ की मोटाई कई स्थानों पर 4 किलोमीटर तक पहुंचती है। यह महाद्वीप पृथ्वी की कुल बर्फ का लगभग 90 प्रतिशत और समुद्र स्तर का लगभग 60 प्रतिशत नियंत्रित करता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण अंटार्कटिक ग्लेशियर आधुनिक इतिहास में सबसे तेजी से पीछे हट रहे हैं और यह घटना वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम ला सकती है।

पश्चिमी अंटार्कटिका के ग्लेशियरों में थ्वाइट (Thwaites Glacier) और पाइन आइस (Pine Island Glacier) ग्लेशियर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। थ्वाइट ग्लेशियर को अक्सर "डूम्सडे ग्लेशियर" कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरी तरह पिघलने से समुद्र स्तर में 3-4 मीटर तक की वृद्धि हो सकती है। अध्ययन बताते हैं कि यह ग्लेशियर वर्तमान में सालाना लगभग 1-2 किलोमीटर की दर से पीछे हट रहा है। पाइन आइस ग्लेशियर भी तेजी से बर्फ समुद्र में छोड़ रहा है और पिछले 20 वर्षों में इसके पिघलने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग्लेशियरों के पीछे हटने के कई वैज्ञानिक कारण हैं। समुद्री तापमान में वृद्धि सबसे महत्वपूर्ण कारण है। पश्चिमी अंटार्कटिका के समुद्री पानी का तापमान बढ़ने से ग्लेशियर के तल की बर्फ तेजी से पिघलती है। इसके अलावा वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि और गर्म हवाएं ग्लेशियर की सतह पर पिघलाव को बढ़ावा देती हैं। ग्लेशियरों के पिघलने और पतले होने के कारण वे अस्थिर हो जाते हैं और तेजी से पीछे हटते हैं। वैज्ञानिक इसे "ice-shelf collapse feedback" प्रक्रिया के रूप में वर्णित करते हैं, जिसमें बर्फ की सीमा टूटने पर आंतरिक बर्फ तेजी से समुद्र की ओर बहती है।

-फीचर डेस्क

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,478.67	25,879.15
बढ़त	12.16	3.35
प्रतिशत में	0.01	0.01

सोना 1,30,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,69,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, द्वारकेश 4340

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1300, बासमती- 8400, परमल- 2600

दाल दलहन : काला चना- 5700, साबुत चना दाल- 5400, मूंग साबुत- 7400, राजमा- 10700-12000, दाल उड़द- 7300, साबुत मसूर दाल- 6000, मसूर दाल- 4100, उड़द साबुत- 7800, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 4800

निर्यात पर फैसले से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी : प्रधानमंत्री

मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने निर्यात संवर्धन मिशन एवं निर्यातकों को ऋण गारंटी योजना को दी है मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि निर्यात के संबंध में केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों से वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और आत्मनिर्भरता के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में निर्यात संवर्धन मिशन एवं निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, सुनिश्चित कर रहे हैं कि 'मेड इन इंडिया' का विश्व बाजार में डंका बजे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को मंजूरी दे दी है, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा, एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले एवं श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मदद मिलेगी।

उन्होंने लिखा, यह प्रमुख

● प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'मेड इन इंडिया' का विश्व बाजार में डंका बजे

हितधारकों को एक साथ लाकर एक ऐसा तंत्र तैयार करता है जो परिणाम आधारित एवं प्रभावी हो। प्रधानमंत्री ने कहा, निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना जिसे मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है, वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी, सुचारू व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करेगी और 'आत्मनिर्भर भारत' के हमारे सपने को साकार करने में मदद करेगी। मोदी ने कहा कि ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम की रॉयल्टी दरों को युक्तिसंगत बनाने के निर्णय से आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। मंत्रिमंडल ने हरित ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम खनिजों की रॉयल्टी दरों को युक्तिसंगत बनाने को भी मंजूरी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल के इस फैसले से स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इससे आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे।

45,000 करोड़ की योजनाओं से निर्यात को मिलेगी गति, बढ़ेगी क्षमता

नई दिल्ली। निर्यातकों के लिए 45,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यय वाली दो योजनाओं को मंजूरी दिए जाने से देश के निर्यात को बढ़ावा मिलने और वैश्विक बाजारों में घरेलू वस्तुओं की प्रतिस्पर्धी क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। सरकार ने बुधवार को निर्यात संवर्धन मिशन (25,060 करोड़ रुपये) और ऋण गारंटी योजना (20,000 करोड़ रुपये) को मंजूरी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी देने से भारत के निर्यात क्षेत्र को मजबूती मिली है। यह निर्णय प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण की दिशा में मजबूत कदम है, जिसके तहत भारतीय उत्पादों के वैश्वीकरण के माध्यम से निर्यात क्षेत्र को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनायेगा एवं साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को भी मंजूरी दी है, जिसके तहत निर्यातकों को 20,000 करोड़ तक की बिना किसी गारंटी के ऋण सहायता सुनिश्चित होगी। यह कदम नकदी प्रवाह को बढ़ावा देगा, एमएसएमई को सशक्त बनाएगा और एक हजार अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर भारत की प्रगति को गति देगा जो 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में निर्णायक कदम है। इस बारे में निर्यातकों ने कहा कि सरकार के निर्यात का बढावा देने के लिए मंजूर की गई 45,000 करोड़ की दो योजनाओं से उद्योग को किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और 'ब्रांडिंग' अंतर जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात समिति के चेयरमैन एवं पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को सशक्त बनाना है ताकि वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच मजबूती सुनिश्चित हो सके। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि यह मिशन वैश्विक व्यापार गतिशीलता के लिए आवश्यक निरंतरता, मजबूती और जवाबदेही प्रदान करता है। यह विशेष रूप से एमएसएमई को सशक्त बनाएगा जिन्हें अक्सर किफायती वित्त एवं अनुपालन सहायता प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

ऋण गारंटी के तहत 2,000 करोड़ जल्द होंगे आवंटित

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार जल्द ही निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को लेकर 2,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) को पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ तक की ऋण सुविधाएं देने के लिए 2,000 करोड़ की जरुरत होगी।

सूत्रों ने कहा कि कंपनी के पास पहले से ही कुछ राशि है। संसद के अनुदानों को मंजूरी देने के बाद अनुदानों की अनुपूरक मांगों के माध्यम से राशि प्रदान की जा सकती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसई) शुरू करने की मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य एमएसएमई सहित पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए एनसीजीटीसी द्वारा सदस्य ऋण

● एनसीजीटीसी को पात्र निर्यातकों को ऋण देने को 2,000 करोड़ की जरुरत

संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी कवरेज प्रदान करना है।

यह योजना वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) एनसीजीटीसी के माध्यम से क्रियान्वित कर रहा है ताकि एमएसएमई सहित पात्र निर्यातकों को संबंधित वित्तीय संस्थान अतिरिक्त ऋण सहायता प्रदान कर सके। योजना की प्रगति और कार्यान्वयन की निगरानी के लिए डीएफएस सचिव की अध्यक्षता में एक प्रबंधन समिति गठित की जाएगी।

सोना ₹3,000 तो चांदी ₹7,700 चढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के चलते गुरुवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 3,000 रुपये बढ़कर 1,30,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी सरकार के 'शटडाउन' की समाप्ति ने भी सुरक्षित-निवेश का विकल्प मानी जाने वाली परिसंपत्ति की अपील को समर्थन दिया। 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत में तीसरे दिन बढ़त जारी रही, जो बुधवार के 1,27,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 3,000 रुपये बढ़कर 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9% शुद्धता वाला सोना पिछले बाजार सत्र में 1,27,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

● मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के चलते धातु में आया उछाल

चांदी की कीमतें गुरुवार को 7,700 रुपये बढ़कर 1,69,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। बुधवार को यह 5,540 रुपये बढ़कर 1,61,300 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थीं। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स, ट्रंप प्रशासन द्वारा 43 दिन के रिकॉर्ड 'शटडाउन' को समाप्त करने के लिए विधेयक पारित करने के बाद, 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.30 पर कारोबार कर रहा था, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 41.19 डॉलर या 0.98% बढ़कर 4,236.84 डॉलर प्रति औंस हो गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि गुरुवार को सर्राफा बाजार में तेजी जारी रही, जिसे कमजोर डॉलर और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के कमजोर वृहद आर्थिक आंकड़ों के बाद ब्याज दरों में और कटौती की बढ़ती उम्मीदों का समर्थन मिला। फेडरल रिजर्व द्वारा शटडाउन के कारण हुई आंशिक नकदी की कमी को दूर करने के लिए प्रणाली में और अधिक धन डालने की संभावना है, जिसका कीमती धातुओं पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विदेशी व्यापार में हाजिर चांदी 1.13 प्रतिशत बढ़कर 53.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

वित्तीय संस्थान ब्याज दर को उचित स्तर पर रखें : सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने गुरुवार को छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों (एमएफआई) से वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए अपनी ब्याज दरें उचित रखने का आग्रह किया। नागराजू ने एमएफआई के लिए आरबीआई द्वारा नियुक्त स्व नियामक संगठन, सा-धन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे कुछ एमएफआई की ब्याज दरें संतोषजनक नहीं लगती हैं। वास्तव में ऐसा इन संस्थानों की अक्षमताओं के कारण होता है।

उन्होंने कहा कि उच्च या अनुचित ब्याज दर का कारण लागत दक्षता और उत्पादकता हासिल करने में विफलता हो सकती है। सचिव ने एमएफआई से आग्रह किया कि उन्हें यह सुनिश्चित

● रेटिंग एजेंसी के अनुसार, देश की वृद्धि को बुनियादी ढांचे पर खर्च व ठोस उपभोग से मिल रहा समर्थन

करना चाहिए कि वे उत्पादकता और लागत दक्षता हासिल करें जिससे कर्ज लेने वालों के लिए ब्याज दरें कम हों। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को पैसे की सख्त जरूरत होती है, वे ऊंची ब्याज दर पर उधार ले सकते हैं। लेकिन वे उसे वापस नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय संस्थानों में दबाव वाली संपत्तियों में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र में दबाव के कारण खातों की संख्या घटकर मार्च, 2025 के अंत तक 3.4 लाख हो गई है, जो 31 मार्च, 2024 को 4.4 लाख थी।

नागराजू ने देश में छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि वित्तीय समावेश और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए ये संस्थान बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये घर-घर जाकर कर्ज देते हैं। उन्होंने एमएफआई से वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए नए तरीके अपनाने का भी आग्रह किया।

नए कदम या उपाय लाने की आवश्यकता

नागराजू ने कहा कि हमारे पास अभी भी लगभग 30-35 करोड़ युवा हैं, जिन्हें वित्तीय समावेश के दायरे में लाने की आवश्यकता है। बड़ी संख्या में सरकारी योजनाओं के बावजूद, हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी वित्तीय समावेश से बाहर है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर एमएफआई को ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे नए कदम या उपाय लाने की आवश्यकता है ताकि वंचित आबादी एक संगठित 'चैनल' का हिस्सा बन सके। इस मौके पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष शाजी के वी ने कहा कि एमएफआई क्षेत्र में दबाव कम हो रहा है और इस क्षेत्र को सतर्क रहने की आवश्यकता है। शाजी ने कहा कि नाबार्ड स्वयं सहायता समूह प्रणाली का डिजिटलीकरण कर रहा है और ग्रामीण क्रेडिट स्कोर भी विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम उन छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों के साथ ग्रामीण क्रेडिट स्कोर के लिए कुछ पायलट परियोजना कर रहे हैं जो काफी गरीब लोगों को ऋण देते हैं।

राष्ट्रीय

अदालत में वर्चुअल पेश हों अधिवक्ता

बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर न्यायाधीश ने वकीलों को विकल्प चुनने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक वायु गुणवत्ता का हवाला देते हुए वकीलों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने के बजाय 'वर्चुअल' पेश होने की सलाह दी। न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर के साथ पीठ में बैठे न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने मामलों के उल्लेख के दौरान यह टिप्पणी की।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर बने रहने को लेकर न्यायाधीश ने वकीलों को स्वास्थ्य खतरों से बचाव के लिए वर्चुअल सुनवाई के विकल्प की सलाह दी। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने टिप्पणी की कि कई वकील पहले से ही अदालत में मास्क पहन रहे हैं, तो न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने आगाह किया कि केवल मास्क पर्याप्त सुरक्षा नहीं कर सकता। जहरीली हवा स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है। इस हफ्ते इसकी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में इस मौसम का पहला 'गंभीर' वायु गुणवत्ता वाला दिन मंगलवार था, जब शाम 4 बजे एक्यूआई 428 दर्ज किया गया। बुधवार को भी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में रही।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं माना जा रहा : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 12 जून को हुए विमान हादसे के संबंध में एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में एअर इंडिया के पायलट को दोषी नहीं ठहराया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ को बताया कि विमान दुर्घटना की जांच के लिए विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की टीम का गठन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के तहत किया गया था और इसके लिए वैधानिक प्रावधान है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, एएआईबी जांच किसी पर दोष मढ़ने के लिए नहीं है। यह केवल कारण स्पष्ट करने के लिए है ताकि ऐसा दोबारा

न हो। मामले में गैर सरकारी संगठन के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि इतने बड़े पैमाने की दुर्घटना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी की तरह समानांतर जांच होनी चाहिए। पायलट फेडरेशन ने कहा है कि इन विमानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता और इनमें उड़ान भरने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ा खतरा है। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि यह कार्यवाही एक एअरलाइन बनाम दूसरी एअरलाइन के बीच लड़ाई नहीं बननी चाहिए। उन्होंने मेहता से मृतक के पिता द्वारा दायर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी।

126 कंपार्टमेंट्स को सारंडा वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को झारखंड सरकार को सारंडा वन क्षेत्र के 126 कंपार्टमेंट्स को तीन महीने के भीतर वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का निर्देश दिया और अभयारण्य की सीमा के एक किलोमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की खनन गतिविधि पर रोक लगा दी। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को सारंडा वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने के अपने कर्तव्य से नहीं भाग सकती। पीठ ने खनन के लिए निर्दिष्ट छह कंपार्टमेंट्स को इससे बाहर रखा। पीठ ने कहा, "हम निर्देश देते हैं कि राज्य सरकार 1968 की अधिसूचना में अधिसूचित 126 कम्पार्टमेंट वाले क्षेत्र को इस फैसले की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करे। पीठ ने छह कम्पार्टमेंट को शामिल नहीं किया है, उसमें कम्पार्टमेंट संख्या केपी-2, 10, 11, 12, 13 और 14 हैं। कम्पार्टमेंट का उपयोग प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए अभयारण्यों को विभाजित करने के लिए होता है। पीठ ने कहा, इस न्यायालय का लगातार यह मत रहा है कि संरक्षित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में खनन गतिविधियां वन्यजीवों के लिए खतरनाक होंगी। गोवा फाउंडेशन के मामले में उक्त निर्देश गोवा राज्य के संबंध में जारी किए गए थे और हमें लगता है कि ऐसे निर्देश पूरे भारत में जारी किए जाने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर व ऐसे राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के दायरे में खनन की अनुमति नहीं होगी। झारखंड सरकार ने मामले में 57,519.41 हेक्टेयर वन भूमि को यह कहते हुए बाहर करने की मांग की थी कि इस पर मुंडा, उरांव और आदिवासी निवास करते रहे हैं। इससे आदिवासी समुदाय के वन अधिकारों की रक्षा करने और पहले से मौजूद विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

महानगर में 2020 की ईवी नीति लागू करे केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र से कहा कि वह 2020 की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर पुनर्विचार करे और पांच वर्षों में हुए बदलावों को इसमें शामिल करे तथा इसे किसी एक महानगर में लागू करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से कहा कि वह पांच वर्षों में हुए बदलावों पर गौर करें और इन बदलावों को नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (एनईएमएमपी),2020 में शामिल करें। इस नीति का उद्देश्य ईवी के उपयोग को बढ़ावा देना है। अटॉर्नी जनरल ने दलील दी कि केंद्र के 13 मंत्रालय इस नीति की व्यवहार्यता पर विचार-विमर्श कर रहे हैं और जल्द निर्णय लिया जाएगा। पीठ ने कहा कि नीति पर पुनर्विचार करने की जरुरत है क्योंकि कुछ वर्षों में कई बदलाव हुए हैं। इस नीति को किसी महानगर से पायलट परियोजना के माध्यम से लागू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि ईवी को अपनाने के लिए प्रोत्साहन, सरकारी संस्थानों द्वारा इनको अपनाना और चार्जिंग पॉइंट की उपलब्धता जैसे विभिन्न पहलू हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

ब्रिटिश आंकड़ों पर भरोसा, देश पर क्यों नहीं

कोविड-19 टीका पर याचिका

आप ब्रिटेन द्वारा जारी किए आंकड़ों पर भरोसा करते हैं, लेकिन भारत के आंकड़ों पर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने सवालिया अंदाज में यह टिप्पणी याचिकाकर्ताओं के उसे दावे पर की, जिसमें कहा गया है कि अधिकारियों ने कोविड-19 के टीके के प्रतिकूल प्रभावों के कारण हुई मौतों की संख्या चिंताजनक रूप से कम बताई है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें वह याचिका भी शामिल थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2021 में कोविड-19 के कोविशील्ड नामक टीके की पहली खुराक लेने के बाद दो महिलाओं की जान चली गई। आरोप था कि टीकाकरण के बाद दोनों को गंभीर प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ा। शीर्ष अदालत ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने कहा कि ब्रिटेन में भी यही टीका प्रयोग हुआ था और भारत में ब्रिटेन की तुलना में 30 गुना अधिक टीके लगाए गए।

ईडी ने की चैतन्य बघेल की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है।

छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाला

एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि ईडी ने 59.96 करोड़ मूल्य के 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियों को कुर्क करने के अलावा बैंक बचत और सावधि जमा के रूप में 1.24 करोड़ की चल संपत्ति जब्त की है। ईडी ने राज्य में हुए शराब घोटाले में भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो, रायपुर द्वारा आईपीसी 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं में दर्ज प्राथमिकी पर जांच शुरू की है।

पुलिस जांच से पता चला कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अपराध से अर्जित 2,500 करोड़ से अधिक की आय से लाभार्थियों की जेबें भरी गईं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच से पता चला है कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष स्तर पर थे। ईडी ने कहा, मुख्यमंत्री के पुत्र होने के नाते, चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के नियंत्रक और प्रमुख अधिकारी थे।

येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामला रद्द करने से इन्कार

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामले को रद्द करने से गुरुवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति एम. आई. अरुण ने कथित अपराध का संज्ञान लेने और भाजपा के वरिष्ठ नेता को समन जारी करने के निचली अदालत के 28 फरवरी के आदेश को बरकरार रखा।

अदालत ने निर्देश दिया कि मुकदमे के दौरान जब तक जरूरी ना हो तब तक येदियुरप्पा की व्यक्तिगत उपस्थिति पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। उनकी ओर से व्यक्तिगत उपस्थिति की छूट के लिए दायर याचिका को स्वीकार किया जाना चाहिए हालांकि अगर बहुत जरूरी हो तो उन्हें बुलवाया जा सकता है। एकल न्यायाधीश की पीठ ने स्पष्ट किया कि येदियुरप्पा निचली अदालत से राहत का अनुरोध करने को लेकर स्वतंत्र हैं। पीड़िता की मां की शिकायत के

● बम्बई हाईकोर्ट ने प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद जारी नोटिस में की टिप्पणी

अनुसार, येदियुरप्पा ने फरवरी 2024 में बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर बैठक के दौरान उसकी 17 वर्षीय बेटी का यौन शोषण किया था। सदाशिवनगर पुलिस ने 14 मार्च 2024 को मामला दर्ज किया, जिसे बाद में जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया गया। एजेंसी ने प्राथमिकी दर्ज कर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। येदियुरप्पा के अधिवक्ता सीवी नागेश ने तर्क दिया कि मामला राजनीति से प्रेरित है।

पुणे में दो कंटेनर ट्रक के बीच फंसी कार पांच लोगों की मौत

पुणे। शहर के बाहरी इलाके में मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग पर पुल पर गुरुवार को दो बड़े कंटेनर ट्रक के बीच एक कार फंस कर चकनाचूर हो गई, जिससे सवार पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि शाम को नवले पुल पर हुए हादसे में आठ-दस लोग घायल हो गए। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटना के बाद सामने आए वीडियो में कार दो भारी वाहनों के बीच फंसी दिखाई दे रही है, जिनमें भीषण आग लगी हुई है। अधिकारी ने कहा, हम दुर्घटना कैसे हुई इसकी जांच कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को अस्पताल में तुरंत इलाज मिले। दमकल विभाग ने पानी के टैंकर मौके पर भेजे और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। दुर्घटना के कारण व्यस्त राजमार्ग पर यातायात जाम लग गया।

अलकायदा से जुड़े आतंकी साजिश के तहत पांच राज्यों में एनआईए का छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अल-कायदा द्वारा गुजरात में अवैध बांग्लादेशी से जुड़े आतंकी साजिश के मामले में पांच राज्यों में 10 स्थानों पर छापेमारी की है। एजेंसी के प्रवक्ता ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि एनआईए के दलों ने बुधवार को पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, हरियाणा और गुजरात में विभिन्न संदिग्धों और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों में छापेमारी की। कई डिजिटल उपकरण एवं दस्तावेज जब्त किए गए हैं जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। यह मामला 2023 में दर्ज हुआ था और इसके केंद्र में चार बांग्लादेशी हैं जिनकी पहचान मोहम्मद सोजिबमियान, मुन्ना खालिद अंसारी, अजरुल इस्लाम और अब्दुल लतीफ के तौर पर हो चुकी है। इन लोगों ने फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर भारत में घुसपैठ की थी। वे अल-कायदा से जुड़े है। ये बांग्लादेश में अल-कायदा के गुर्गों के लिए धन इकट्ठा करने और उसे उन्हें अंतरित करने में शामिल थे, और मुस्लिम युवाओं को प्रेरित करने में भी शामिल पाए गए। एनआईए ने 10 नवंबर, 2023 को अहमदाबाद की एक विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।

आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश

लुधियाना। पुलिस आयुक्तालय ने विदेशी हैंडलरों से जुड़े 10 मुख्य सहयोगियों को गिरफ्तार कर आईएसआई समर्थित ग्रेनेड हमला मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में कुलदीप सिंह, शेखर सिंह और अजय सिंह है, ये सभी श्री मुक्तसर साहिब के निवासी हैं, जबकि अमरीक सिंह, परमिंदर उर्फ चिड़ी, विजय, सुखजीत सिंह उर्फ सुख बराड़, सुखविंदर सिंह, करनवीर सिंह उर्फ विक्की और साजन कुमार को कूरियर और सहयोगी की भूमिका निभाने के आरोप में विभिन्न जेलों से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया है। पुलिस टीमों ने आरोपियों से एक चीनी हैंड ग्रेनेड, एक काली किट और दस्तानों का एक सेट बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी मलेशिया स्थित तीन सहयोगियों के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेस्ट बैंक: इजराइली बस्ती में रहने वालों ने मस्जिद में आग लगाई

दीर इस्तिया। इजराइली बस्ती में रहने वाले लोगों ने वेस्ट बैंक के मध्य एक फिलिस्तीनी गांव में एक मस्जिद को देर रात आग लगा दी और उसे विरूपित कर दिया तथा विरोध स्वरूप मस्जिद की दीवारों पर नफरत भरे संदेश भी लिखे। कुछ इजराइली नेताओं ने बस्ती में रहने वाले लोगों द्वारा फिलिस्तीन के नागरिकों पर हाल ही में किए गए हमलों की निंदा की थी, जिसके एक दिन बाद यह घटना हुई। बृहस्पतिवार को फिलिस्तीन के डेर इस्तिया शहर स्थित मस्जिद की एक दीवार और कुरान की कम से कम तीन प्रतियां व कुछ कालीन जला दिए गए थे। मस्जिद के एक तरफ 'हमें डर नहीं है', 'हम फिर बदला लेंगे' और 'निंदा करते रहो' जैसे संदेश लिखे थे। इस तरह के हमलों ने शीर्ष अधिकारियों, सैन्य नेताओं और ट्रंप प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मुर्मू को बोत्सवाना में प्रतीकात्मक रूप से सौंपे गए आठ चीते

गबोरोन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार को उनकी राजकीय यात्रा के अंतिम दिन यहां पास में स्थित एक प्राकृतिक अभयारण्य में बोत्सवाना के राष्ट्रपति ड्यूमा गिदोन बोको ने प्रतीकात्मक रूप से आठ चीते सौंपे। दोनों राष्ट्राध्यक्ष सुबह के समय राजधानी गबोरोन से लगभग 10 किलोमीटर दक्षिण में स्थित 'मोकोलोडी नेचर रिजर्व' पहुंचे और दो चीतों को एक पृथकवास बाड़े में छोड़े जाने की घटना को देखने के लिए सफारी वाहन में सवार हुए। भारत और बोत्सवाना के वन्यजीव अधिकारियों ने मुर्मू और बोको को प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सभी आठ चीते अभयारण्य में हैं और केवल दो को राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में पृथकवास के लिए छोड़ा गया, जो कि बोत्सवाना द्वारा उन्हें भारत को सौंपे जाने का प्रतीक है।

अमेरिका के ह्यूस्टन में पहले इस्माइली सेंटर का किया गया उद्घाटन

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में पहले इस्माइली सेंटर का उद्घाटन किया गया। यह शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य व वैश्विक इस्माइली समुदाय के लिए बड़ी उपलब्धि है। शिया इस्माइली मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु मौलाना हजार इमाम, आगा खान पंचम ने सेंटर का उद्घाटन किया। समारोह में ह्यूस्टन के मेयर जॉन व्हिटमायर, प्रिंस अमीन, प्रिंस हुसैन व प्रिंस अली मोहम्मद, अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य, टेक्सास के विधायक और विभिन्न धार्मिक एवं नागरिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस्माइली सेंटर, इस्माइली मुसलमानों के लिए इबादत, सामाजिक और सांस्कृतिक समागम का स्थान है। 'बफेलो बेउ' के पास नौ एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला यह सेंटर दुनिया भर में पहले से मौजूद छह इस्माइली सेंटरों की कड़ी में अगला है।

लंदन: भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी को बचाने के लिए शुरू हुई मुहिम

- ब्रिटेन के प्रमुख शेफ ने क्राउन स्टेट से की जिम्मेदारी निभाने की अपील

लंदन। ब्रिटेन के कुछ प्रमुख खानसामा बृहस्पतिवार को लंदन के सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां में से एक 'वीरास्वामी' को बचाने की मुहिम में शामिल हुए हैं। इस रेस्तरां के पट्टे को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है जिससे रीजेंट स्ट्रीट से इसे हटाए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

'द टाइम्स' में प्रकाशित एक खुले पत्र में, साइरस टोडीवाला, रेमंड ब्लैंक और मिशेल रूक्स जैसे जाने-माने शेफ और रेस्तरां मालिकों ने विक्ट्री हाउस के मालिक क्राउन एस्टेट से अपील की है कि वह जिम्मेदारी से काम करें। विक्ट्री हाउस में अप्रैल 1926 से यह रेस्तरां स्थित है। पिछली गर्मियों में, 'वीरास्वामी' के मालिक एमडब्ल्यू ईट को सूचित किया गया कि उनके पट्टे का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि क्राउन एस्टेट भवन की ऊपरी मंजिलों पर स्थित कार्यालयों के लिए भूतल के स्वागत क्षेत्र का विस्तार करना चाहता है।

खानसामों ने पत्र में लिखा, ऐसे रेस्तरां को कार्यालय में परिवर्तित करना अनुचित होगा। इससे लंदन के रेस्तरां परिदृश्य और हमारी पर्यटन अर्थव्यवस्था जो शहर के अद्वितीय और विविध स्थलों पर फलती-फूलती है, दोनों के लिए गंभीर क्षति होगी। उन्होंने कहा, जैसा कि क्राउन जानता है, विरासत को न तो स्थानांतरित किया जा सकता है और न ही इतिहास को बदला जा सकता है।

30 वर्ष: 80,000 मौत, 170 अरब डॉलर की क्षति

पिछले तीन दशक में जलवायु आपदाओं से दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत नौवें स्थान पर है, यहां लगभग 430 ऐसी घटनाएं हुई हैं। पर्यावरण क्षेत्र के थिंक टैंक जर्मन वॉच की ओर से जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक (सीआरआई) 2026' में कहा गया है कि देश को बार-बार आने वाली बाढ़, चक्रवात, सूखे और लू के कारण मुख्य रूप से नुकसान हुए हैं जो ग्लोबल वार्मिंग से और तीव्र हो गए हैं। 1998 में गुजरात में आए चक्रवात, 1999 में ओडिशा के सुपर साइक्लोन, 2013 की उत्तराखंड बाढ़ और हाल ही में लू जैसी कई घटनाओं ने इस सूचकांक में भारत की रैंकिंग को बढ़ाया है। भारत में निरंतर खतरे का संकेत मिलता है, क्योंकि बार-बार होने वाली मौसमी घटनाओं ने विकास के लाभों को लगातार कमजोर किया है।

भारत में जलवायु आपदाएं

जलवायु परिवर्तन: वैश्विक स्थिति

- पिछले तीन दशक में डोमिनिका दुनिया का सबसे ज्यादा प्रभावित देश, उसके बाद म्यांमार, होंडुरास, लीबिया, हैती, ग्रेनाडा, फिलीपींस, निकारागुआ, भारत और बहामास का स्थान।
- शीर्ष रैंकिंग में अधिकतर देश वैश्विक दक्षिण में लेकिन कई यूरोपीय देश और अमेरिका भी शीर्ष 30 में शामिल, ये जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों को दर्शाता है।
- भारत शीर्ष 10 में नौवें और चीन 11वें स्थान पर, इसके ठीक बाद लीबिया और हैती हैं। हाल ही में भयंकर तूफान कालमेगी और फंग-वोंग से प्रभावित फिलीपींस सातवें स्थान पर है।

वर्ष 2018 में आर्थिक नुकसान के मामले में भारत दूसरे स्थान पर था। नवीनतम रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के भारत पर पड़ने वाले अत्यधिक प्रभाव को रेखांकित किया गया है, जो न सिर्फ वैश्विक स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी नीतिगत बदलावों की मांग करता है ताकि यहां की संवेदनशील आबादी भविष्य में ऐसे प्रभावों का ज्यादा मजबूती से मुकाबला कर सके। - **भारतीय विशेषज्ञ**

दुनिया में कितना नुकसान

- वैश्विक स्तर पर वर्ष 1995 और 2024 के बीच 9,700 से अधिक मौसमी आपदाएं रिकॉर्ड में दर्ज की गई हैं।
- इनमें 8 .3 लाख से ज्यादा लोगों की जान चली गई और लगभग 5 .7 अरब लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए।
- दुनिया भर में इन आपदाओं से लगभग 4,500 अरब अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष नुकसान का अनुमान है।

भारत में आपदाओं का असर

- तीन दशक में जलवायु आपदाओं में 80,000 लोग मारे गए और 170 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।
- जलवायु आपदाओं ने 1995 से 2024 तक देश में 1.3 अरब से भी ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है।
- भारी जनसंख्या और मानसून की परिवर्तनशीलता के प्रति उच्च जोखिम देश को संवेदनशील बनाते हैं।
- अकेले 2024 में मानसूनी बारिश और अचानक आई बाढ़ से 80 लाख से अधिक लोगों पर असर पड़ा था।
- इन जलवायु संबंधी आपदाओं से गुजरात, महाराष्ट्र व त्रिपुरा ने सबसे खराब हालात का सामना किया था।

- विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात तीन अरब से अधिक लोग उन 11 देशों में रहते हैं जो पिछले 30 वर्षों में चरम मौसम से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

भविष्य के लिए चेतावनी

- भारत सहित कई विकासशील देशों के लिए ऐसी आपदाएं आम हो रही हैं, तत्काल और बेहतर वित्त पोषित अनुकूलन उपायों की जरूरत।
- बढ़ती आर्थिक और मानवीय लागतों के कारण पूर्व चेतावनी प्रणालियों के साथ कमजोर समूहों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता।
- गर्म लहरें एवं तूफान मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा, इनसे सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान, बाढ़ से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

दिल्ली विस्फोट आतंकी घटना, भारत कर रहा है बहुत सतर्क जांच : रुबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा- भारतीय एजेंसियों को हमारी मदद की जरूरत नहीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच में भारत ने 'बहुत संयमित, सतर्क और अत्यंत पेशेवर' तरीके से काम किया है। रूबियो ने इसे स्पष्ट रूप से आतंकी हमला बताते हुए कहा कि अमेरिका ने जांच में मदद की पेशकश की है हालांकि खुद भारत की एजेंसियां इस तरह की जांच करने में बेहद सक्षम हैं।

रुबियो ने बुधवार को कनाडा के हैमिल्टन शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम इस घटना की गंभीरता और उसके संभावित प्रभाव से अवगत हैं। लेकिन मेरा मानना है कि भारतीय अधिकारियों की सराहना की जानी चाहिए, उन्होंने बहुत संयमित, सतर्क और पेशेवर तरीके से जांच की है। उन्होंने कहा, जांच जारी है। यह स्पष्ट रूप से एक आतंकी हमला था। एक कार में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी, जिसमें ब्लास्ट हो गया और कई लोगों की जान चली गई। लेकिन भारत बहुत अच्छी तरह से जांच कर रहा है और मेरा विश्वास है कि जब उनके पास सभी तथ्य होंगे, तो वे उन्हें सार्वजनिक करेंगे।

रुबियो ने जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की थी। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने मदद की पेशकश की है लेकिन मुझे लगता है कि भारतीय एजेंसियां इस तरह की जांच में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की आवश्यकता नहीं है। वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और मैंने पाया कि वे हमेशा की तरह इस बार भी बहुत संयमित और पेशेवर तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

हैमिल्टन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो।

बोले- घटना के संभावित परिणामों पर हमारी नजर

रुबियो से पूछा गया कि वह लाल किला विस्फोट और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर कितने चिंतित हैं खासकर उस पृष्ठभूमि में जब इस साल मई में दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के बीच झड़पें हुई थीं और भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर कार्रवाई की थी। इस पर रुबियो ने कहा, हम इस घटना के संभावित परिणामों से वाकिफ हैं। हमने इस पर थोड़ी चर्चा भी की है कि इसका दायरा कितना बढ़ सकता है। लेकिन हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि भारत की जांच क्या सामने लाती है।

भारत ने लाल किले के बाहर कार विस्फोट को बुधवार को घृणित आतंकी घटना करार दिया और जांच एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इस मामले की जांच अत्यंत तत्परता और पेशेवर तरीके से करें ताकि अपराधियों और उनके प्रायोजकों को बिना किसी देरी के न्याय के शिकंजे में लाया जा सके। रुबियो से मुलाकात के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज जी7 एफएमएम सत्र में विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात हुई। दिल्ली में विस्फोट में जनहानि पर उनकी संवेदनाओं के लिए आभार व्यक्त करता हूं। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की विशेष रूप से व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर। साथ ही यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया की स्थिति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भी विचार साझा किए।

ब्रिटिश मंत्रियों ने आतंकी हमले में लोगों की मौत पर शोक जताया

लंदन। ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और हिंद-प्रशांत मामलों की ब्रिटिश भारतीय मंत्री सीमा मल्होत्रा ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार विस्फोट की आतंकी घटना में लोगों की मौत पर शोक जताया। लंदन में बुधवार शाम आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में लैमी ने कहा कि भारत, ब्रिटेन के सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक है और 21वीं सदी की एक उभरती महाशक्ति है, इसके साथ जी20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भी है। उन्होंने कहा, मैं अपनी मित्र एवं मंत्री सीमा मल्होत्रा के साथ यह कहना चाहता हूं कि सोमवार रात दिल्ली में हुआ आतंकवादी हमला निंदनीय और दुखद है। मैं इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

अमेरिका में 43 दिन लंबा शटडाउन समाप्त

- राष्ट्रपति ट्रंप ने किए सरकारी वित्त पोषण विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुधवार रात सरकारी वित्त पोषण विधेयक पर हस्ताक्षर करने के साथ अमेरिका में 43 दिन लंबा शटडाउन समाप्त हो गया।

इस शटडाउन के कारण संघीय कर्मचारियों को वेतन न मिलने की वजह से आर्थिक संकट झेलना पड़ा, यात्रियों को हवाई अड्डों पर दिक्कतें आयीं और कई खाद्य बैंकों पर लंबी कतारें लग गयीं। इसने वाशिंगटन में राजनीतिक विभाजन को और गहरा कर दिया। ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर दबाव बनाने के लिए कई एकतरफा कदम उठाए जैसे परियोजनाएं रद्द करना और कर्मचारियों को बर्खास्त करने की कोशिश। उन्होंने स्थिति के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराया और मतदाताओं से कहा कि अगले मध्यावधि चुनावों में उन्हें सबक सिखाएं।

वित्त पोषण विधेयक को प्रतिनिधि सभा में 209 के मुकाबले 222 मतों से पारित किया गया, जबकि सीनेट ने इसे पहले ही मंजूरी दे दी थी। विवाद का केंद्र बिंदु स्वास्थ्य बीमा पर कर रियायतों का विस्तार था, जिसे डेमोक्रेट्स शामिल करना चाहते थे लेकिन रिपब्लिकन इसके खिलाफ थे। रिपब्लिकन सांसद टॉम कोल ने कहा, हमने 43 दिन पहले ही कहा था कि सरकारी शटडाउन कभी समाधान नहीं होता और इस बार भी नहीं हुआ। अंततः आठ सीनेटरों के समझौते से यह गतिरोध टूटा।

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हस्ताक्षर के बाद वित्त पोषण विधेयक दिखाते ट्रंप।

बलूचिस्तान में बाधित की गई इंटरनेट सेवा

कराची। गृह विभाग द्वारा जारी सुरक्षा अलर्ट के बाद पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में राजधानी क्वेटा को छोड़कर शेष स्थानों पर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

प्रांतीय सरकार के गृह विभाग द्वारा बुधवार को सुरक्षा अलर्ट जारी करने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवा 16 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। राष्ट्रीय राजमार्ग एन-70 के लोरलाई खंड पर भी सभी परिवहन सेवाओं के जरिये की जाने वाली यात्राएं 14 नवंबर तक यात्रा स्थगित कर दी गई है।

पाकिस्तान: मुनीर होंगे पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की 'नेशनल असेंबली' ने बृहस्पतिवार को सैन्य कानून में संशोधन किया, जिससे सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देश का पहला 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स' नियुक्त करने का रास्ता साफ हो गया।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बृहस्पतिवार को विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे यह संविधान का हिस्सा बन गया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सैन्य अधिनियम में बदलावों का उद्देश्य सशस्त्र बल कानूनों को नवीनतम संविधान संशोधन के अनुरूप बनाना है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा सेना अधिनियम में संशोधन विधेयक पेश करने के बाद नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए, कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि ये बदलाव नए कानून नहीं हैं, बल्कि मौजूदा कानूनों में संशोधन हैं। उन्होंने कहा, सैन्य अधिनियम में बदलाव यह है कि वर्तमान सेनाध्यक्ष, एक साथ ही 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स' भी होंगे। तरार ने कहा कि सीडीएफ का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की तारीख से पांच वर्ष का होगा।

बैठक में मौजूद एस जयशंकर।

- संसद में सैन्य कानून में संशोधन होने के बाद साफ हुआ रास्ता

विवादास्पद संशोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के दो जजों का इस्तीफा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों ने बृहस्पतिवार को संवैधानिक संशोधन के विरोध में इस्तीफा दे दिया। उनका आरोप है कि यह संविधान को कमजोर करता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता करता है। राष्ट्रपति जरदारी के विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन को मंजूरी दिए जाने के कुछ ही घंटों बाद न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह और न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह ने पद से इस्तीफा दे दिया। न्यायमूर्ति शाह ने अपने पत्र में इस संशोधन को पाकिस्तान के संविधान पर गंभीर हमला करार दिया, जो पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय को विघटित करता है, न्यायपालिका को कार्यपालिका के नियंत्रण में रखता है।

ट्रंप चाहते हैं अमेरिकियों को प्रशिक्षित कर लौट जाएं विदेशी कर्मी : बेसेंट

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव करने के एक दिन बाद वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इसके पीछे सोच कुशल विदेशी कामगारों को लाने की है जो अमेरिकियों को प्रशिक्षित करें और फिर स्वदेश लौट जाएं।

बेसेंट ने बुधवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा, राष्ट्रपति का दृष्टिकोण विदेशी कामगारों को लाना है, जहां ये नौकरियां थीं, जिनके पास कौशल है। अमेरिकी कामगारों को प्रशिक्षित करने के लिए तीन, पांच, सात साल लगेंगे, फिर वे स्वदेश लौट जाएंगे। अमेरिकी कामगार पूरी तरह से कार्यभार संभाल लेंगे। वित्त मंत्री से एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर ट्रंप की नवीनतम टिप्पणी के बारे में पूछा गया था, जिसमें राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका को प्रतिभाओं को लाना होगा क्योंकि उसके पास कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं।

बेसेंट ने कहा कि 20-30 वर्षों से, अमेरिका ने विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियां विदेशों में स्थानांतरित कर दी हैं। उन्होंने कहा, और यहां राष्ट्रपति का कहना है कि हम यह नहीं कह सकते कि आप रातों-रात जहाज बनाना सीख जाएंगे। हम सेमीकंडक्टर उद्योग को वापस अमेरिका लाना चाहते हैं।

हसीना पर फैसला आने से पहले ढाका में कड़ी सुरक्षा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी आवामी लीग पार्टी की ओर से घोषित ढाका बंद के आह्वान के बीच बृहस्पतिवार को राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। बंद का आह्वान ऐसे समय में किया गया है जब एक न्यायाधिकरण हसीना के खिलाफ फैसला सुनाने वाला है।

विशेष न्यायाधिकरण के अभियोजन पक्ष के एक सदस्य ने कहा, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फैसला सुनाएगा। प्राधिकारियों ने सेना, अर्धसैनिक बल 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' (बीजीबी) और दंगा नियंत्रण उपकरणों से लैस पुलिस को तैनात किया है, ताकि आईसीटी-बीडी परिसर तथा उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा सके। आवामी लीग के बंद के मद्देनजर शहर में सुरक्षा बढ़ने से हजारों लोग घरों में ही रहे। प्रत्यक्षदर्शियों और खबरों के अनुसार, ढाका की सड़कें असामान्य रूप से खाली दिखाई दीं। हालांकि, कुछ लोग सावधानीपूर्वक अपने कार्यस्थलों और स्कूलों की ओर निकले। विश्वविद्यालयों समेत कई निजी संस्थानों ने हिंसा की आशंका से ऑनलाइन माध्यम से काम जारी रखने का फैसला लिया है।

ढाका में लोगों की तलाशी लेती पुलिस।

- हिंसा के बीच हसीना की पार्टी ने किया है ढाका बंद का आह्वान

विशेष अदालत 17 नवंबर को सुनाएगी फैसला

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगा। हसीना, अपदस्थ अवामी लीग सरकार में उनके गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल और तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) या पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाया गया। पूर्व प्रधानमंत्री और कमाल पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया। आईसीटी-बीडी के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने पहले आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। पूर्व पुलिस प्रमुख ने व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होकर मुकदमे का सामना किया लेकिन वह सरकारी गवाह बन गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 14 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 15 नवबर 12 .49 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

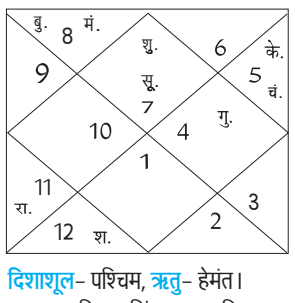

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 09 .20 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष - आज परिजनों की जिद के सामने आपको झुकना पड़ सकता है। लोग आपको नैतिकता का पाठ पढ़ा सकते हैं। व्यापार में आपको बहुत अच्छा लाभ होगा। कठिन विषयों का आप अध्ययन कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बैठकों को लेकर लापरवाही न करें।

वृष - आज जीवनसाथी की मांगों को पूरा करेंगे। व्यवसाय को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। उच्च अधिकारियों के साथ आपका तालमेल बढ़ेगा। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी इच्छा के अनुसार सभी काम समय पर हो जायेंगे।

मिथुन - आज यात्रा के दौरान सामान आदि को लेकर सावधानी रखें। कानूनी मामलों में घिर सकते हैं। अपना काम पूरी निष्ठा के साथ करें। मुंह का स्वाद बिगड़ सकता है। कुण्ठित विचारों वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। किसी गंभीर विषय को लेकर तनाव हो सकता है।

कर्क - आज कार्यक्षेत्र की परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में आ सकती हैं। अधीनस्थ कर्मचारियों को लेकर कुछ तनाव रहेगा। बच्चे आपसे जिद कर सकते हैं जिसके कारण आप उन पर नाराज भी हो सकते हैं। आज आपके मन में दान-पुण्य करने का भाव उत्पन्न हो सकता है।

सिंह - आज मन में किसी परेशानी को लेकर तनाव हो सकता है। बड़े भाई-बहन के व्यक्तिगत जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। अधेड़ उम्र की महिलाओं को हार्मोनल असन्तुलन जैसी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है।

कन्या - आज आपके सामाजिक संपर्कों में वृद्धि होगी। दोपहर के बाद आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। अचानक धन लाभ होने से उत्साहित रहेंगे। बड़े महत्वपूर्ण लोगों से आपका संपर्क मजबूत होगा। रिश्तेदारों के माध्यम से कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

तुला - आज दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। लेकिन आप किसी विचार की गहराई नापने में व्यस्त रहेंगे। अपनी प्रतिभा और क्षमता को व्यर्थ न जानें दें, अपितु उसका सार्थक उपयोग करें। अधिक लाभ अर्जित करने के प्रयास में कुछ गलतियां कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज आपको अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। सिर में भारीपन और तनाव महसूस होगा। धार्मिक चर्चा में भाग ले सकते हैं। आपको अपने सम्मान की चिन्ता रहेगी। इसके कारण आप लोगों से झगड़ भी सकते हैं। कुछ समय आत्मचिंतन में लगाना चाहिए।

धनु - आज वैवाहिक जीवन में थोड़ा तनाव रहेगा। अपने बजट को ध्यान में रखते हुए ही खर्च करें। जीवनसाथी आपके व्यवहार पर नाराज हो सकते हैं। आपको अतिआत्मविश्वास से बचना चाहिए। घुटनों और कूल्हों में दर्द हो सकता है।

मकर - आज दांपत्य संबंधों का तनाव दूर होगा। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखे। अपने कार्य के प्रति समर्पित रहेंगे। रुके हुए कार्यों में अचानक गति आ सकती है। थोड़ी सी मेहनत से आपको धन लाभ होगा।

कुंभ - आज आप अपनी कमजोरी को दूर करने का प्रयास करें। आपको सैद्धान्तिक होने के बजाय व्यवहारिक होना चाहिये। प्रेम संबंधों के कारण घर में तनाव हो सकता है। पुराने लेन-देन की समस्या का समाधान होगा। लोग आपके ऊपर विश्वास नहीं करेंगे।

मीन - आज आपको कई परेशानियों का समाधान मिलेगा। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक विषयों पर राय या पोस्ट देने से बचें। नजदीकी संबंधियों के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। आलस्य और मौजमस्ती में समय बर्बाद न करें।

सुडोकू -160

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
				4				
	6							
			9		4			
								9
2			8					
				6				
		8						

सुडोकू - 159 का हल

6	8	4	5	1	2	9	3	7
9	1	2	7	3	8	4	5	6
3	5	7	9	6	4	2	1	8
4	3	8	1	7	9	6	2	5
1	6	9	8	2	5	7	4	3
2	7	5	6	4	3	1	8	9
5	4	3	2	9	6	8	7	1
7	2	6	3	8	1	5	9	4
8	9	1	4	5	7	3	6	2

शुभमन अभी युवा है और भारी शारीरिक कार्यभार भी नहीं है, लेकिन मानसिक तौर पर यह चुनौतीपूर्ण होगा। उसने हाल ही में आस्ट्रेलिया में भारतीय वनडे टीम की कप्तानी की, जिसके बाद टी-20 खेला और अब लाल गेंद का क्रिकेट भारत में खेलना है।

-चेतेश्वर पुजारा

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार 14 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

केकेआर के सहायक कोच बने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉटसन

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गुरुवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 में होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपना सहायक कोच नियुक्त किया। वॉटसन ने 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें उन्होंने 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए और सभी प्रारूपों में 280 से अधिक विकेट लिए। वॉटसन ने कहा, मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए कोचिंग समूह और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

एशियाई तीरंदाजी में भारत ने तीन स्वर्ण जीते

ढाका : भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीते। अनुभवी तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने महिला व्यक्तिगत वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले उन्होंने दीपशिखा और प्रितिका प्रदीप के साथ मिलकर महिला टीम वर्ग में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय महिला टीम ने कोरिया को फाइनल में 236-234 से हराया। तीनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया की पार्क येरिन, ओ यूहयून और जुंगियून पार्क को मात दी। एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति ने कंपाउंड महिला व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में 17 साल की हमवतन प्रितिका पर 147-145 से जीत दर्ज कर खिताब जीता।

सिनर ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की

तूरिन (इटली)। गत चैंपियन यानिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के बीच अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 6-3 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। सिनर ने इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपनी जीत का सिलसिला 28 मैचों तक बढ़ा दिया है। यह सिलसिला दो साल पहले इस प्रतियोगिता के फाइनल में नोवाक जोकोविच से मिली हार के बाद शुरू हुआ था। यह सिनर की ज्वेरेव पर लगातार पांचवीं जीत है, जिसमें इस वर्ष का ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल भी शामिल है। सिनर दो जीत के साथ ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि ज्वेरेव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने एक-एक जीत हासिल की है। बेन शेल्टन अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाए हैं। एक अन्य मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त ऑगर अलियासिमे ने शेल्टन को 4-6, 7-6 (7), 7-5 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की।

ईडन गार्डन्स में प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय कप्तान शुभमन गिल। एजेंसी

भारत स्पिन संतुलन पर कर रहा विचार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच आज से, अक्षर या कुलदीप के चुनाव में उलझा टीम प्रबंधन

कोलकाता, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले भारत अपने गेंदबाजी संयोजन को लेकर टकराव की स्थिति का सामना कर रहा है, जिसमें अक्षर पटेल की ऑलराउंड उपयोगिता और कुलदीप यादव की विकेट लेने की क्षमता के बीच मुकाबला है। मुख्य कोच गौतम गंभीर की बल्लेबाजी में गहराई को प्राथमिकता देने की रणनीति अक्षर को मजबूत दावेदार बनाती है। फिर भी कुलदीप की फॉर्म और समूह में विकेट चटकाने की क्षमता ने मैच की सुबह तक चर्चा को खुला रखा है।

गिल ने ईडन गार्डन्स पर पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा हां, साल के इस समय में हमेशा यह दुविधा रहती है कि अतिरिक्त ऑलराउंडर को उतारा जाए या अतिरिक्त स्पिनर को। उन्होंने कहा इसलिए मैंने कहा कि हम सुबह विकेट देखेंगे और तय करेंगे कि कौन सा संयोजन हमें टेस्ट मैच जीतने का सबसे अच्छा मौका देता है।अक्षर और कुलदीप में से टीम किसे चुनेगी यह पूछे चाहने पर गिल ने कहा इसे कल के लिए छोड़ देते हैं। टॉस के समय पता चल जाएगा। अक्षर और कुलदीप दोनों ने गंभीर की निगरानी में नेट पर लंबे समय तक गेंदबाजी की और फिर लंबे समय तक बल्लेबाजी की क्योंकि थिंक टैंक ने उनकी मैच की तैयारी का आकलन किया। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का ईडन गार्डन्स में अंतिम एकादश में शामिल होना तय है जबकि आकाश दीप टीम में तीसरे तेज गेंदबाज हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पिछले घरेलू टेस्ट में भारत ने कुलदीप को तीसरे स्पिनर के रूप में उतारा था। वह 19.50 की औसत से 12 विकेट लेकर टीम के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे। बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की ओर से खेलते हुए कुलदीप सपाट पिच पर दोनों पारियों में सिर्फ एक विकेट हासिल कर पाए। अधिक खुलासा किए बिना भारतीय कप्तान ने कहा कि मैच का परिणाम बदलने में स्पिनरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा, यह लगभग तय हो चुका है। विकेट कल से अलग दिख रहा है। हम इसे कल सुबह देखेंगे। गिल ने कहा भारत के इस हिस्से में रोशनी थोड़ी जल्दी कम हो जाती है इसलिए हमें इस बात का ध्यान रखना होगा। आमतौर पर सुबह और शाम को तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है। कल विकेट का जायजा लेने के बाद, हम उसके अनुसार फैसला लेंगे। उन्होंने कहा और हां, जब भी हम भारत में खेलते हैं, आमतौर पर स्पिनर ही मैच का फ़ैसला करते हैं। आपका स्पिन आक्रमण जितना बेहतर होगा, जीतने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। गिल ने वाशिंगटन सुंदर, जडेजा और अक्षर के बल्लेबाजी में योगदान पर भी बात की। हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास अच्छे बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं, चाहे वह अक्षर हों, वाशिंगटन या जडेजा। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का रिकॉर्ड शानदार है, खासकर भारत में।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को टिप्स मुख्य कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

भारत के सामने भी दक्षिण अफ्रीका के स्पिन आक्रमण की चुनौती होगी

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के बेहतरीन स्पिन आक्रमण के सामने भारत के सितारा बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा होगी, जब दोनों टीमें दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में शुक्रवार से यहां आमने-सामने होंगी। भारत को पिछले साल न्यूजीलैंड ने भारत में ही 3.0 से हराया था और कीवी स्पिनरों ऐजाज पटेल, मिचेल सेंटनेर और ग्लेन फिलिप्स ने मिलकर तीन टेस्ट में 36 विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका का गेंदबाजी आक्रमण इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में मेजबान टीम को धीमे गेंदबाजों के खिलाफ अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका आम तौर पर अच्छे तेज गेंदबाजों के लिये जानी जाती रही है लेकिन इस समय उसके पास धुरंधर स्पिनर हैं। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने शृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली। इसमें केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण को 'उपमहाद्वीप की शैली' वाला बताया।

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, देवदत्त पडिक्कल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेने, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डि जोर्जी, कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरान मुथुस्वामी, कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

समय : सुबह 9:30 से।

भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका ए को चार विकेट से हराया

राजकोट। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (117) की शतकीय और कप्तान तिलक वर्मा (39) की शानदार पारियों के दम पर भारत ए ने गुरुवार को पहले अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए टीम को तीन गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 286 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए की ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 10वें ओवर में ब्योर्न फ़ोर्टेन ने अभिषेक शर्मा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका ए को पहली सफलता दिलाई। भारत ने 49.3 ओवर में छह विकेट पर 290 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।

चोट के बाद वापसी करना आसान नहीं होता : ऋषभ पंत

कोलकाता, एजेंसी

- बोले-खुशी है कि मैं ऐसा करने में सफल रहा

ऋषभ पंत चार महीने के अंतराल के बाद शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से भारतीय टीम में वापसी करेंगे और यह विकेटकीपर बल्लेबाज चोट से उबरने के बाद फिर से क्रिकेट खेलने पर काफी खुश है।

जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उन्होंने बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। पंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा चोट लगने के बाद वापसी करना कभी आसान नहीं होता। लेकिन मुझ पर हमेशा भगवान की कृपा रही है। उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहा है और इस बार भी उनकी कृपा से ही मैं वापसी करने में सफल रहा। मैं वापसी करके बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा जब भी मैं मैदान पर उतरता

हूं तो आभार जरूर व्यस्त करता हूं। मैं हमेशा ऊपर देखता हूं और भगवान, अपने माता-पिता, अपने परिवार, सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने चोट से उबरने के दौरान मेरा साथ दिया। पंत ने कहा कि रिहैबिलिटेशन के दौरान उनका ध्यान अपने दिमाग को अच्छी स्थिति में रखने पर था, न कि अपने भविष्य के बारे में बाहरी अटकलों के बारे में चिंता करने पर। उन्होंने कहा मैं केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं। किस्मत ऐसी चीज़ है जिसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते।

ब्रेक के बाद रोहित व विराट के लिए लय हासिल करना होगा कठिन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए 2027 वनडे विश्व कप से पहले अब हर द्विपक्षीय शृंखला काफी महत्वपूर्ण होगी। अपने अंतर्राष्ट्रीय कैरियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंचे दोनों दिग्गजों के लिए लंबे ब्रेक के बाद लय हासिल करना चुनौतीपूर्ण होगा। आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शृंखला खेलने के बाद अब वे रांची में 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी शृंखला खेलेंगे। पुजारा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व मीडिया डे में कहा दोनों के लिए हर शृंखला अहम होगी क्योंकि अगर आप एक ही प्रारूप खेल रहे हैं तो खेल से जुड़े रहना अहम है। दोनों ब्रेक के बाद खेलेंगे तो यह अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि लंबे समय बाद लय हासिल करना अहम होता है।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

कुमामोतो (जापान) : भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन एचएस प्रणय का सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन ने 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-13, 21-11 से हराया। विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी सेन का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय को हालांकि 46 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में डेनमार्क के रासमस गेम्के के हाथों 18-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पहले गेम में 8-5 की बढ़त बना ली थी। कुछ पिछड़ने के बाद ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी ने फिर बढ़त बना ली।

भारतीय धरती पर सीरीज जीतना विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जीत के बराबर

कोलकाता, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने शृंखला को बेहद अहम बताया

मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा के लिए भारत को उसकी सरजमीं पर हराने की संभावना विशेष महत्व रखती है और उनका कहना है कि दो टेस्ट मैच की शृंखला जीतना लगभग इस साल के शुरू में मिली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के बराबर ही होगा।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत के तीन दौरों में लगातार सात टेस्ट गंवाए हैं और उनकी आखिरी जीत 2010 में नागपुर में रही थी। लेकिन बावुमा का मानना है कि 2023 में कोच शुक्री कॉनराड के कार्यभार संभालने के बाद से इस टीम को टेस्ट सीरीज में हार का सामना नहीं करना पड़ा है और अब उनकी टीम इतनी परिपक्व और आत्मविश्वास से भरी है कि वह कड़ी चुनौती पेश करके भारत में अब तक की अपनी दूसरी श्रृंखला जीत सकती है। ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले बावुमा ने कहा, मुझे लगता है कि

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन मुझे लगता है कि भारत में जीतना इसके बाद दूसरे नंबर पर होगा। उन्होंने कहा यह ऐसा कुछ है जो हम लंबे समय से ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसलिए महत्वाकांक्षा के मामले में यह निश्चित रूप से ऊपर है।

बावुमा ने कहा हम चुनौती की गंभीरता को समझते हैं। इसलिए हम इसकी अहमियत जानते हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। दोनों टीमों को देखते हुए यह रोमांचक होना चाहिए। भारतीय टीम में शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन थोड़े कम अनुभवी भी हैं। इसी तरह हमारी टीम भी है, हमारे खिलाड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करना चाहते हैं। बावुमा ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन से मिले 'टिप्स' की बात साझा की जिसमें 'टॉस जीतने' की बात की गई थी। मुंबई में एक पुरस्कार समारोह में बावुमा ने विलियमसन से 'टिप्स' मांगे थे क्योंकि न्यूजीलैंड ने पिछले साल भारत को उसकी सरजमीं पर 3-0 से मात दी थी।

उन्होंने कहा मैं केन से एक पुरस्कार समारोह में मिला था, मैंने उनसे कुछ 'टिप्स' मांगने की कोशिश की तो उन्होंने ज्यादा खुलकर नहीं बताया लेकिन उन्होंने इतना कहा, सुनिश्चित करो कि तुम टॉस जीत जाओ।

खुशी का इजहार

नई दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जर्सी भेंट करतीं महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य प्रतिका रावल, स्नेहा राणा और रेणुका सिंह ने। ● एजेंसी

एरिगेसी और हरिकृष्णा प्री क्वार्टर फाइनल में

पणजी (गोवा)। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी और पी हरिकृष्णा के लिए बृहस्पतिवार का दिन अच्छा रहा जिसमें दोनों ने शतरंज विश्व कप के चौथे दौर के टाईब्रेकर में क्रमशः हंगरी के अनुभवी पीटर लेको और स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस को हरा दिया। एरिगेसी ने टाईब्रेकर के पहले सेट में ही लेको को 3-1 से हरा दिया जबकि हरिकृष्णा ने पहला सेट ड्रॉ किया और फिर दूसरा सेट जीतकर कुल 2.5-1.5 से जीत हासिल कर अंतिम 16 में पहुंच गए। वहीं आर प्रज्ञानानंद बराबरी बरकरार नहीं रख सके और रूस के डेनियल डुबोव से हारकर इस साल के विश्व कप से बाहर हो गए। गौरतलब है 2023 में आयोजित पिछले चरण में इस युवा भारतीय ने फाइनल तक का सफर तय किया था पर नॉर्वे के विजेता मैग्नस कार्लसन से हार गए थे।

बढ़ेगा रोमांच

बहुप्रतीक्षित खेल की वापसी, महिलाओं का 20 व पुरुषों का 29 को होगा फाइनल

लॉस एंजेलिस ओलंपिक में क्रिकेट 12 जुलाई से

नई दिल्ली, एजेंसी

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की बहुप्रतीक्षित वापसी 12 जुलाई से शुरू होगी। उसी महीने की 20 और 29 तारीखें पदक मुकाबलों के लिए निर्धारित हैं। पुरुष और महिला दोनों ही टूर्नामेंटों में छह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें कुल 28 मैच होंगे।

आयोजकों ने बुधवार को लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों के लिए प्रतियोगिता कार्यक्रम जारी किया। अब तक ओलंपिक में क्रिकेट की एकमात्र उपस्थिति पेरिस 1900 में हुई थी, जिसमें केवल दो टीमें - एक ग्रेट ब्रिटेन की और एक फ्रांस की - एक दो दिवसीय मैच में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं - जिसे अब एक अनौपचारिक टेस्ट के रूप में मान्यता प्राप्त है। ग्रेट ब्रिटेन ने स्वर्ण

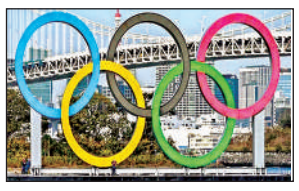

पदक जीता। लॉस एंजेलिस 2028 में, क्रिकेट पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग टी-20 प्रारूप टूर्नामेंटों के साथ और भी आधुनिक रूप में वापसी करेगा - प्रत्येक टूर्नामेंट के अपने-अपने पदक होंगे - स्वर्ण, रजत और कांस्य।

14 और 21 जुलाई को लॉस एंजेलिस 28 में कोई क्रिकेट मैच निर्धारित नहीं है। ज्यादातर मैच के दिन दो होंगे। भारतीय मानक समय के अनुसार, पहला मैच रात 9:30 बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा मैच अगले दिन सुबह 7:00 बजे से शुरू होगा।

फेयरप्लेक्स में खेले जाएंगे मुकाबले

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के सभी क्रिकेट मैच फेयरग्राउंड्स में एक अस्थाई, विशेष रूप से निर्मित स्थल पर आयोजित किए जाएंगे। पोमोना में - लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित एक शहर। आधिकारिक तौर पर फेयरप्लेक्स के नाम से जाना जाने वाला, लगभग 500 एकड़ का यह परिसर 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी मेले की मेजबानी करता आ रहा है और नियमित रूप से संगीत कार्यक्रमों, व्यापार शो, खेल आयोजनों और सांस्कृतिक समारोहों का स्थल रहा है। एलए 28 में क्रिकेट को शामिल करना विभिन्न बहु-खेल आयोजनों में इस खेल के शामिल होने के बढ़ते चलन का परिणाम है। 1998 के कुआलालंपुर राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों का क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया था, जबकि महिलाओं के खेल ने बर्मिंघम 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण किया। लोकप्रिय टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट टूर्नामेंट 2010, 2014 और 2023 के एशियाई खेलों का हिस्सा थे। क्रिकेट आगामी ओलंपिक में शामिल होने वाले पांच नए खेलों में से एक है। आईओसी ने दो साल पहले बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फ़ुटबॉल, लैक्रोस (सिक्स) और स्क्वैश के साथ क्रिकेट को लॉस एंजेलिस 2028 में शामिल करने की मंज़ूरी दी थी। क्रिकेट के साथ-साथ, स्क्वैश भी एक नया ओलंपिक खेल होगा, जिसमें लॉस एंजेलिस 2028 में भारतीयों की भारी रुचि होने की उम्मीद है। लॉस एंजेलिस 2028 में स्क्वैश प्रतियोगिताएँ 15 जुलाई से लॉस एंजेलिस के यूनिवर्सल सिटी स्क्वैश सेंटर में आयोजित की जाएंगी।

दीप्ति का घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत

आगरा, एजेंसी

अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत को पहली बार महिला विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति शर्मा का गुरुवार को यहां अपने घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान 10 किलोमीटर लंबा रोड शो भी किया गया। भारत ने दो नवंबर को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया था। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित रोड शो में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। स्कूली बच्चे, क्रिकेट प्रेमी, गणमान्य व्यक्ति और विभिन्न सामाजिक एवं खेल संगठनों के सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए तथा रोड शो के मार्ग पर झंडे लहराते हुए और फूल बरसाते हुए नजर आए।